

पाधिकार से प्रकाशित

सं 0 3 0]

नई विल्ली, शनिवार, जुलाई 23, 1977 ( श्रावण, 1 1899)

No. 301

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 23, 1977 (SRAVANA 1, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग ॥ -- खण्ड ।

#### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा भायोग

न**ई** दिल्ली, 110011, दिनांक 24 जून, 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(1)—इस कायितय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 6-4-1977 के प्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री श्रार० के० मांगो की, राष्ट्र-पति द्वारा 27-5-1977 से 16-7-1977 तक की प्रतिरिक्त प्रविध के लिए, श्रयवा श्रामामी घादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के प्रनुभाग श्रधिकारी ग्रड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रणा० III(2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिस्थना विनांक 4-5-1977 के अनुक्रम में, मंघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० जे० गर्मा की, राष्ट्रपति द्वारा 29-5-1977 से 27-6-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेणों तक, जी भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेंड में स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०III(3)—इस कार्यालय की समसंख्यक द्रिधिसूचना दिनांक 4-5-1977 के प्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा धायोग में केन्द्रीय सिंघवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नट्राजन की, राष्ट्रपति हारा 29-5-1977 से 22-6-1977 तक की प्रतिरिक्त अविधि के लिए, अथवा आगामी धादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न स्प से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रणा०III(4)—इस कार्यालय कौ समसंख्यक ग्रिवस्थना दिनांक 4-5-1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा अत्योग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री और० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 10-6-1977 से 30-6-1977 तक की श्रीतरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा आगाभी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं ए ए 32014/1/77-प्रशा ाां (5) — संघ लोक सेवा इसमोग में केन्द्रीय सन्तिकालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री भो० पी० गुप्ता की, राष्ट्रवित द्वारा 31-5-1977 से 15-7-1977 तक 46 दिन की श्रविध के लिए, अथवा भागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के भनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानायन्न रूप से कार्यं करने के लिए नियुक्त किया गया है।

## दिनांक 1 जुलाई 1977

सं० ए० 38013 1/76-प्रशा ार्धि-संघ लोक सेवा धायोग में केन्द्रीय सिंधवालय सेवा संवर्ग के स्थायी प्रनुभाग प्रधिकारी श्री एन० लक्ष्मणन को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विमाग के का० ज्ञापत सं० 33/12/73-स्था० (क) विनांक 24 तक्क्बर, 1973 की शतों के अनुसार 30 जून, 1977 के धारा से वार्धक्य निर्वतन श्रायु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहवं अनुमति प्रदान की गई हैं।

प्रभात नाथ मु**बर्जी** श्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा श्रायोग

न**ई दि**ल्ली, 110011, दिनांक 29 जून, 1977

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा० II—सलाहकार, संघ लोक सेवा आयोग, एतव्द्वारा संघ लोक लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जे० पी० गोयल को आयोग के कार्यालय में 20-6-1977 से 46 विन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों सक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए लिए नियुक्त करते हैं।

श्री जै०पी० गोयल की नियुक्ति अनुभाग श्रिष्ठकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी भौर उनका वैतन समय समय पर संशोधित विक्त मन्त्रालय के का० का० सं० एफ० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित गती के अनुसार विनियमित होगा।

प्रभातनाथ मुखर्जी भ्रवर सिधव कृते सलाहकार, संघ लोक सेवा शामीग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1977

सं के ने -18/72-प्रशासन-5--श्री के एम परवेगी, पुनिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय भक्षेषण ब्यूरो, की सेवाएं दिनांक 30-4-77 (प्रपराह्म) से महाराष्ट्र राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई ।

> पी० एस० निगम प्रणासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय **धन्त्रे**षण ब्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 जुन 1977

सं० मो० रो-80/77-स्था०--राष्ट्रपति, श्री एफ० एल० मार० सिभाना संघ शासित क्षेत्र संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा मिकारी को केन्द्रीय पुलिस दल में उनकी प्रति-नियुक्ति पर कमाण्डेन्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सिभामा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कमाण्डन्ट/ बटालियम के पद का कार्यभार दिनांक 7 जून 1977 के पूर्वाक्क से संभाला।

# दिनांक 1 जुलाई 1977

सं भ्रो० II-79/69-स्थापना—श्री बी० के० विपाठी को प्रदान की गई 15 दिनों की श्रीजत छुट्टी विनांक 16-6-77 से 30-6-77 तक की समाप्ति पर, उनकी सेवा उड़ीसा राज्य की व्यवस्था पर 1-7-1977 से स्थानान्तरित की जायेंगी।

> ए० कें जन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

# भारत के महापंजीयक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1977

सं० 11/5/77-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्याक्षय में घन्वेषक श्री ग्रार० पी० तोमर को दिनांक 9 जून, 1977 के पूर्वाह्मन से 6 महीने की ग्रविघ के लिये या जब त क नियमित ग्रधिकारी उपलब्ध हो, जो भी समय इनमें पहले हो, बिहार में जनगणना कार्य निवेशक के कार्याक्षय में पूर्णतः ग्रस्थायी श्रीर तद्धर्य ग्राधार पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ग्रार०पी० तोमरका मुख्यालय पटना में होगा।

रा० भ० चारी भारत के महापंजीकार धौर पदेन संयुक्त सचिव

# वित्त मंत्रालय प्रतिभूति कागज कारखाना,

होशंगाधाद, विनांक 28 जून 1977

चूंकि श्री पी० एल० नारायणम, सहायक मुख्य नियन्त्रण ग्रंधिकारी, 15-6-1977 से 23-7-1977 तक 39 दिनों के ग्रांजित ग्रंबकाश पर जा रहे हैं। श्री एस० एस० औहरी निरीक्षक (नियन्त्रण) को रुपया 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियन्त्रण ग्रंधिकारी के रूप में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 5/3/1274, दिनांक 7-5-1977 के आगे श्री के० एन० डोमले, भंडार पाल को 19-6-1977 से 2-7-77 तक (14 दिन) और अवधि के लिये प्रतिमृति कागज कारखाना होशंगाबाद में रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में भंडार अधिकारी के रूप में स्थानापन रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है चूंकि श्री एम० एल० एस० गंगोला भंडार अधिकारी छुट्टी पर है।

रा० विश्वनाथन महा प्रबन्धक

# भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई विल्ली-110002, दिनांक 29 जून 1977

तं० 5808 रा० स्था० 1/326-71 दिनांक 10 दिसम्बर 1976 — भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक, भारतीय क्षेत्रा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों को धारण करते हुए, मूल नियम 30 (I) के दिनीय परन्तुक के अधीन श्रामे श्रादेश मितने तक महालेखाकार स्तर II ग्रेड (2250-125/2-2500 रु०) में स्थानायन्त रूप में प्रत्येक के सामने लिखी हुई तिथियों मे सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एम० ए० कादिरी	वित्तीय नियन्क्षक, जम्मू एवं कक्षमीर- उद्योग, लि०, श्रीनगर ।	4-9-76 <b>ग्र</b> पराह्न
श्री ए० एम० लंकर	सचिव, वित्त विभाग, जम्मू एवं कश्मीर सरकार, श्रीनगर ।	4-9-76 श्रपरा <b>ह्न</b>
श्री डी० बी० एस० सचदेव	वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा प्रधिकारी, विवेणी स्ट्र <del>य</del> चरल्स लि० नैनी, इलाहाबाद ।	14-9-76

सं० 5972-रा० स्था० 1/एल०-16/पी० एफ०---दिनांक 27 दिसम्बर 1976 कुमारी श्रनन्त लक्ष्मी को उनकी शादी होने के परिणामस्वरूप श्रपना नाम श्रीमती ए० एल० गणपति रखने के लिये श्रनुमित दी गई है।

सं० 6040 रा०स्था० 1/म्रार०-42/पी० एफ०भाग III—दिनांक 21 दिसम्बर 1976 भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लि० नई दिल्ली में लोक हिंत में 10 जनवरी, 1976 से उनके स्थायी रूप से विलयन के परिणामस्वरूप, केन्द्रीय मिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के श्रनुसार श्री जी० रामास्वामी, भा० ले० तथा लें० प० मेवा, को उसी तारीख से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त समझा जाता है।

सं० 6108 रा० स्था० 1/एस-25/पी० एफ०IV — विनांक 24 विसम्बर 1976 5 सितम्बर, 1976 से 30 नवम्बर, 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एन० जी० सेन भा० ले० तथा ले० प० सेवा, मे 10 विसम्बर, 1976 (पूर्वाह्म) से महालेखाकार-II शामध्र प्रदेश, हैदराबाद के रूप में, कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री ए० जी० नारायण स्थामी भा० ले० तथा ले० प० सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 90-रा० स्था० 1/121-77 दिनांक 11 जनवरी 1977 — भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक, ने, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों को धारण करते हुए मूल नियम 30 (I) के इतीय रन्तुक के प्रधीन प्रामे प्रादेश मिलने तक भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, के कनिष्ठ प्रशासन, ग्रेड (वेतनमान 1500-60-100-100-2000 रु०) में स्थानापन्न रूप में प्रत्यक के सामने दी गई तिथियों से सहर्ष पदोन्नत किया है।

1. श्री ए० के० चक्रवर्ती	विक्षेष कार्य श्रधिकारी कार्यालय मुख्य नियन्त्रक, भ्रायात व निर्यात, नई दिल्ली ।	16-12-76
2. श्री धीरेन्द्र कृष्ण	वित्त भधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।	22-12-76

सं० 866-रा० स्था० 1/सी० 22/पी० एफ ०- $II^{\dagger}$  दिनांक 8 मार्च $_{4}^{*}$  1977--श्री ए० एन० चक्, भा० ले० तथा ले० प० सेवा, ने 19 फरवरी, <math>1977 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार (II) महाराष्ट्र नागपुर के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

2. श्री धक् को धागे धादेश मिलने तक महालेखाकार ग्रेड के स्तर H (2250-2500 ह०) में स्थानापन्न रूप से दिनोक 19-2-77 से नियुक्त किया गया है।

मं० 1028, रा० स्था० 1/एस०-173/पी० एफ०, दिनांक 15 मार्च 1977--श्री के० शशिधरन, भा० ले० तथा ले० प० सेवा, को श्रपना नाम "के० एस० मेनन" रहाने की श्रन्मति दी गई है।

सं० 1412 रा० स्था० 1/121/77, दिनांक 15 सप्रें ल 1977 — भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक ने, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के वरिष्ठ समय-मान के श्रिष्ठकारी श्री के० डी० दवे को वित्त श्रिष्ठकारी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का पद धारण करते हुए, मूल नियम 30(I) के द्वितीय परन्तुक के ग्रिधीन ग्रागे श्रादेश मिलने तक भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के किन्छ प्रशासन ग्रेड (वेतनमान 1500-60-1800-100-2000 ह०) में स्थानापन्त रूप में 25 फरवरी <math>1977 से सहुर्ष पयोग्नत किया है।

सं० 1701-रा० स्था० 1/326-71—भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों को धारण करते हुए, मूल नियम 30 (1) के द्वितीय परन्तुक के ग्रधीन ग्रागे ग्रादेश मिलने तक महालेखाकार स्तर II ग्रेड (2250-125/2-2500 रु०) में स्थानापन रुप में प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री डी० के० अक्रवर्ती उप सलाहकार (वित्त) 8-10-76 लोक उद्यम ब्यूरो, वित्त मंत्रालय, मई दिल्ली 21-12-76 तक ।

 श्री के० ग्रार० वालिगा संयुक्त सिचव 20-12-76 (ग्राई०एफ०ए०) श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली ।

3. श्री के श्रार पार्थ- वित्तीय सलाहकार, 19-2-77 मारथी राजस्थान नहर बोर्ड, जयपुर।

सं 1962 रा स्था 1/14-87/पी एफ , दिनांक 19 मई 1977—-कुमारी मालाश्री चक्रवर्ती को उनकी शादी होने के परिरणामस्बरूप अपना नाम श्रीमती मालाश्री प्रसाद रखने की श्रनुमति दी गई है।

सं० 6100-रा० स्था० 1/25-76, दिनांक 27 दिसम्बर 1976—भारतीय लेखा उत्ता लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके सामने दी गई तारीख से भा० ले० तथा ले० प० सेवा के किनष्ठ समय-मान में स्थायी रूप से नियुक्त किया गया है।

श्री सी० एस० मरूला 8-7-75
 श्री ए० के० बनर्जी 8-11-75 (ग्रपराह्म)
 कुमारी प्रवीण प्रोहरी 30-11-75
 श्रीमती रमा मूराली 16-5-76
 श्री ग्राजित गांगुली 16-5-76
 श्री टी० एन० ठाकुर 8-7-75

7ः श्री समर रे	30-11-75
8. श्रीके० जी० महालिंगम	2-2-76
9. श्री एच० ग्रार० बिहागरा	30-11-75
10. श्री रोचिला सैयवी	7- <b>7-</b> 75 (भ्रपरा <b>ह्न</b> )
	ए० एच० जंग,
	संयुक्त निवेशक

#### रक्षा मंत्रालय

भारतीय ब्रार्डनेन्स फैक्टरियाँ मानिदेशालय, ब्रार्डनेन्स फैक्टरियाँ

कलकत्ता--69 दिनांक 1 जुलाई, 1977

सं० 1 | 77-एच०—-राष्ट्रपित, ने डा० एस० डी० चड्छा, सङ्गायक सर्जन ग्रेड-I ग्रार्डनेन्स फैक्टरी, देहरादून को दिनाक 1-5-1977 से एक वर्ष की सेवा बृद्धि की स्वीकृति प्रदान की है।

> डा० एस० भट्टाचार्य, महानिदेशक

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1977 प्रायात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/1134/76-प्रशासन (राज०)—सेवा निवृत्ति की ध्रायु होने पर, संयुक्त पुष्य नियन्त्रक, श्रायात निर्मात, बम्बई के कार्यालय में श्री एस० ए० तालिब स्थानापन्न नियन्त्रक, ध्रायात एवं निर्मात ने 31 मई, 1977 के दोपहर बाद से उस पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० एस० गिल मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियात

# बस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय बम्बई, दिनांक 25 जून 1977

सं० 18(1)/73-77-सी० एस० बी०-Ш---बस्त्र (मिन्त-प्रचित्त करघों द्वारा उत्पादन) नियन्त्रण श्रादेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्वारा वस्त्र श्रायुक्त की अधिसूचना सं० टी०सी० (32-ए)/59 विनांक 16 मार्च, 1959 में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संगोधन करता हं, श्रथीत्:--

उक्त भ्रधिसूचना से संलग्न सारणी में स्तम्भ 1, 2 श्रौर 3 में कमसंख्या 1 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जायेंगी अर्थात् ——

	]	Z	3
"1	(एक)	राज्य वस्त्र नियन्त्रक एवं महाराष्ट्र भरकार के उप सचिव	महाराष्ट्र
	(द्यो)	वस्त्र ग्रीर सुत नियन्त्रक, नागपुर	*** ** <b>*</b>

1

3

महाराष्ट्र

(तीन)	संयुक्त निवेशक हाथ करघा, शक्ति-		
	चलित करवा श्रीर सहकारी		
	वस्त्र (प्रशासन) नागपुर		
(चार)	संयुक्त निदेशक हाथ करचा, शक्ति-		
	चलित करघा ग्रौर सहकारी वस्त्र		

2

- (तकनीकी) नागपुर (पांच) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथ करघा, शक्तिचलित करघा धौर सहकारी वस्त्र निदेशालय, नागपुर
- (छः) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथ करघा, शक्तिचलित, करघा ग्रौर सहकारी वस्त्र निदेशालय, नागपुर
- (सात) क्षेत्रीय उप-निदेशक हाथ करघा. शक्तिचलित करघा ग्रीर सहकारी वस्त्र निदेशालय, सोलापुर
- (माठ) सहायक वस्त्र नियन्त्रक
- (नौ) वस्त्र निरीक्षक गण
- (दस) राजस्व विभाग के अधिकारी जो मंडल निरीक्षक से नीचे की श्रोणी के नहीं।

(ग्बारह) पुलिस विमाग के अधिकारी जो सब-इन्स्पैक्टर से नीचे की श्रेणी के।

> गौरी शंकर भागंव संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

(वस्त्र विभाग)

हयकरवा विकास भायुक्त कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1977

सं० 50011/30/76-डी० सी० एच०--राष्ट्रपति श्री छी० एस० वी० झय्यर को 1 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्म) से, 1 वर्ष के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई, में निवेशक के पद पर पुर्नीत्युक्त करते हैं।

सं० 50011/30/76-डी० सी० एच०—राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई के निदेशक, श्री डी० एस० घी० श्रय्यर को, निवर्तन आयु हो जाने पर उनको 30 जून, 1977 (श्रपराह्न) से सरकारी नौकरी से निवृत्त होने की अनुमित प्रवान करते हैं।

एन० पी० सेशाब्री संयुक्त विकास प्रायुक्त (हथकरका) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 जून 1977

सं ०प्र-1/1 (1096) — राष्ट्रपति, इन्जीनियरी सेवा परीक्षा, 1975 के परिणाम के आधार पर नामित श्री कामेश्वर चौधुरी को विनांक 1 जून, 1977 के पूर्वीह्न से तथा आगामी आदेशों तक के जारी होने तक भारतीय पूर्ति सेवा (ग्रुप ए) के ग्रेड-111 में परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

2. भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III में नियुक्त होने पर श्री चौधुरी ने दिनांक 1 जून, 1977 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) का पदभार संभाल लिया।

सं० प्र-1/1(1071)—-राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा श्रायोग की सिकारिश पर श्री सुरेश कुमार गेरा को दिनांक 1 जून 1977 के पूर्विह्न से ग्रीर ग्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड-11) के पद पर परिवीकाधीन नियुक्त करते हैं।

2. भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III में नियुक्ति होने पर श्री गेरा ने विनांक 1 जून, 1977 के पूर्विह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (प्रशिक्षण ध्रारक्षी) का पद भार संभाल लिया।

> (प्रशासन *शाखा*-15) दिनांक 30 जून 77

सं ० प्र-15/28 (217) / 77— राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिववालय सेवा के ग्रेख-I के स्थायी अधिकारी श्री डी ० एस० दुग्गल की दिनांक 21 जून, 1977 से म्रागामी म्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (प्रशासन) के पद पर केन्द्रीय सिववालय सेवा के सलैक्शन ग्रेड के वेतन में नियुक्त करते हैं।

कीरत सिंह उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, विनांक 23 जुन 1977

सं० ए-17011(10)/77-प्र०-6---राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में सहायक निरीक्षण निदेशक, श्री एस० कृष्ण को दिनांक 2 जून 1977 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेष-III की इन्जीनियरी शाखा में उपनिदेशक निरीक्षण के पद परस्थानापन्त रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कृष्ण ने दिनांक 25 मई, 1977 के पूर्वाह्न को पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली में सहायक निवेणक निरीक्षण (इन्जी०) का पद भार छोड़ दिया और 2 जून, 1977 के पूर्वाह्म से कलकत्ता निरीक्षण मण्डल, कलकत्ता में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) का पदभार संभाल लिया।

## दिनांक जून 1977

सं० ए-17011(121)/77-प्र०-6---राष्ट्रपति, संघ लोक संवा ग्रायोग द्वारा नामित उम्मीदवार श्री सजीत कुमार गांगूशी को दिनांक 7-6-1977 से ग्रागामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-<sup>I</sup>) के ग्रेज-III की धातुकर्म गाखायें स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गांगूली ने दिनांक 7-6-77 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार संभाल लिया।

> सुर्यप्रकाश उप निदेशक (प्रशासन)

## नई दिल्ली-1, दिनांक जून 1977

सं० ए-17011/(123)/77-प्र-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने वर्नपुर निरीक्षण मण्डल में स्थायी भण्डार परीक्षक (धातु) श्री एस० एन० को दिनांक 25 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

# दिनांक 29 जून 1977

सं० ए-17011/111/76-प्र-6—पूर्ति तथा निपटान महा-निवेशालय के स्थायी भण्डार परीक्षक (इन्जी०) तथा स्थानापन्न सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (इम्जी०) श्री एस० पी० गुप्त ने दिनांक 10 मई, 1977 से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है और उसी तारीख से उनका नाम पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय की सूची से हटा दिया गया है।

> सूर्यप्रकाश उप निवेशक (प्रशासन) कुर्ते महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान

#### भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

## भारतीय संग्रहालय

कलकता-700016, दिनांक

1977

मं० 4-135/76/स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान, सर्वेक्षण, श्रीमती कल्पना तिवारी को इसी सर्वेक्षण के मुख्यालय कलकला में सहायक मानव-विज्ञानी (भौतिकी) के पद पर श्रस्थायी रूप से 16 मई, 1977 की श्रपराह्म से श्रगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

> जी० टी० थोमस वरिष्ठ प्रशासनिक मधिकारी

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

# देहरादून, दिनांक 28 जून 1977

सं० 5239/718-ए—- प्रधोलिखित स्थानापन्न प्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखाधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 'बी') के पद पर 480 द० प्रति माह वेतन पर 840-40-1000 द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में, उनके सामने दी गई तारीख से उन्हें श्रगल भादेश दिये जाने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किये जाते हैं:—

फ्र० नाम सं॰	तारीख	कार्यालय जिसमें नियुक्ति की गई
1. श्री ए० एस० रावत	13-6-77 (पूर्वाह्म)	दक्षिण मध्य सर्विल हैदराबाद
2. श्रो एम० डी० डबराल	14-6-77 (पूर्वाह्म)	पूर्वोत्तर सकिल, गिलांग
		के० एल० खोसला मेजर जनरल, रत के महासर्वेक्षक नियुक्ति अधिकारी)

# 'सू<mark>चना भ्रीर प्रसारण मंत्रा</mark>लय

#### प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1977

सं० एन० 32014/2/76-प्रशासन-1-- निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री के० सी० सिंहल को प्रकाशन विभाग में लेखा प्रधिकारी के पद पर 27-11-76 से स्थायी रूप से नियुक्स करते हैं।

इन्द्रराज सिंह उप निदेशक (प्रशासन), कृते निदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1977

सं ० ए०-19019/4/76-प्रशासन-1—श्री सी० वी० श्यामा सुन्दर ने स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, नई विल्ली, से ध्रपना तबावला हो जाने के फलस्वरूप, 12 मई, 1977 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलीर में सांख्यिकीय के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 36-7/73-प्रणासन-1—राष्ट्रपति ने महालेखाकार का कार्यालय, हरियाणा, चंडीगढ़ के लेखा अधिकारी श्री एन० एन० पार्मी को 30 मई, 1977 पूर्वाह्र से श्रागामी श्रादेशों तक विलिग्डन ग्रस्पताल, नई दिल्ली में लेखा श्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के भाषार पर नियुक्त किया है।

सं० 15-1/75-प्रशासन-1—गोवा, दमन व दीव सरकार के स्वास्थ्य सेवा निवेशालय में मनोविज्ञानी (साइकोलोजिस्ट) के पद पर प्रपना चयन हो जाने के फलस्वरूप श्री पी० के० चक्रवर्ती ने मानसिक रोग ग्रस्पताल (ग्रंब केन्द्रीय मनोचिकित्सा संस्थान) कांके, रांची से 30 भप्रैल, 1977 की भपराष्ठ से क्लीनिकी मनोविज्ञानी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

#### दिनांक 2 जुलाई 1977

सं० ए०-32014/5/77(एच० क्यू०)-प्रशासन-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के सर्वश्री बी० झार० मेनकर और सुरेख कुमार को क्रमशः 13 मई, 1977 (पूर्वाह्म) भौर 3 जून 1977 (पूर्वाह्म) से झागामी झादेशों, तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय भौषध मानक नियंत्रण संगठन में सकनीकी झिंछकारी के पदों पर झस्थायी झाछार पर नियुक्त किया है।

## दिनांक 5 जुलाई 77

सं०ए० 31014/1/77-प्रशासन-1—स्वास्त्य सेवा महा-निवेशक ने श्री जी० पी० जगी को 24 मई, 1977 से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में प्रशासन मधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी माधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 31013/2/77 (जे० माई० पी०) प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशका ने श्री एस० जार्ज को 1 मार्च 1976 से अवाहरजाल स्नातकोत्तर जिकित्सा शिक्षा और धनु-संघान संस्थान पाँडिचेरी में सहायक लेखा अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी शाधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32013/9/76 (सी॰मार॰माई॰) प्रशासन-1—राष्ट्रपति, ने श्री एस० एम० शाह, उप सहायक निदेशक (नान मेडिकल) केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली, को 27 मई, 1977 पूर्वीह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) के पद पर अस्थायी शाधार पर नियुषत किया है।

2. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जे के सिक्का को 30 मई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक आर्किटैक्ट के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32012/3/76(भार० ए० के०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक, ने श्री होतजन्य के छुट्टी चले जाने पर श्री एच० एस० वर्मा, कार्यालय, श्रीक्षक, राजकुमारी भ्रमृतकौर निसंग महाविद्यालय, नई विल्ली को 4 मंत्रैल, 1977 पूर्वाह्म से 26 मई, 1977 भपराह्म तक उसी महाविद्यालय में प्रशासनिक मधिकारी के पद पर नियक्त किया है

सं० ए० 12025/31/76 (एफ० आर० एस० एल०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति, ने कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) में उप तकनीकी सलाहकार श्री पी० के० ढींगरा को 14 जून 1977 पूर्वीह्म से श्रागामी आदेशों तक खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद के निदेशक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/5/77 (सी० झार० भाई०)प्रशासन-1---स्वास्म्य सेवा महानिवेशक ने श्री हीरालाल वागंनियों को 30 मई, 1977 पूर्वाह्म से भागामी भादेशों तक केन्द्रीय भनु-संघान संस्थान कसौली में सहायक विद्युत् इंजीनियर के पद पर भस्यायी भाधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-30/73-प्रशासन-1---प्रापना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती लिल्ली मैथ्यूज ने 4 जून, 1977 प्रपराह्म से राजकुमारी प्रमुतकौर निसंग महाविद्यालय, नई विल्ली में क्लिनिकल इन्स्ट्रक्टर के पद का कार्यभार छोड़ विया ।

सं० 13/4/75-प्रशासन-1—-राष्ट्रपति ने बा० बलराज सूर भौर बा० जी० एल० सब्बरवाल को क्रमशः 13 धगस्त, 1970 भीर 7 धन्त्वर, 1974 से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के धन्तर्गत जूनियर स्टाफ सर्जन (डेन्टल) के स्थायी पत्रों पर स्थायी भाषार पर नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल उप निवेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1977

सं० ए०-11017/5/76-के०स्वा०से यो०-1--स्वास्च्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० बी० सिंह को 25 फरवरी, 1977 की पूर्वाह्म से 30 जून 1977 तक या नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सरकार स्वास्च्य योजना, बंगलौर में भ्रायुर्वेदिक कार्य चिकित्सक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए-12026/64/77-के०स्वा०सेवा-II--भ्रपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० नगेंन्द्र सिंह, कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी (तवर्ष) ने 16-4-1977 प्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के प्रन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी के पव का कार्यभार छोड़ दिया है।

> राजकुमार जिम्दल उप निवेशक प्रशासम

# नई दिल्ली, दिनांक 30 अून 1977

सं० 6-57/70-की० सी०---केन्द्रीय क्रोषधि प्रयोगशासा, कलकता में भेंवजगुण विज्ञानी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० जॅ० साहा, तकनीकी क्रधिकारी (भेंवज विज्ञान) ने उसी प्रयोगशासा में 11 मार्च, 1977 पूर्वाह्न से प्रपने पद का कार्य-भार छोड़ दिया है।

एस० एस० गठोसकर भोषधि नियन्त्रक (भारत)

# परमाणु ऊर्जा विभाग (ऋष एवं भंडार निवेशालय)

## मुम्बई-400 001, दिनांक 3 जून 1977

सं० क० भ0 नि० 23/4/77/स्था०/11187---परमाणु ऊर्जा विभाग के क्य एवं भंडार विभाग के निदेशक ग्रपने निदेशक ग्रपने निदेशक ये प्रियान के सहायक क्रय ग्रधिकारी श्री एम० नारायणन के स्थान पर जिनकी छुट्टी मंजूर हो गई है इसी निदेशालय के एक ग्रस्थायी क्रय सहायक श्री दत्ताराम रामचन्त्र सरवारे की सहर्थ भाधार पर ६० 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 2 मई, 1977 से 4 जून 1977 तक सहायक क्रय ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पीं० एस०/23/4/77-स्था०/11195--परमाणु ऊर्जा विभाग के कय एवं भंडार विभाग के निदेशक, अपमे निदेशक्य के सहायक कय अधिकारी श्री की० एल० ठाकुर के स्थान पर, जो अब कय अधिकारी नियुक्त हो गयें हैं इसी निदेशक्य के एक अस्थायी कय सहायक श्री निकुरली श्रीकान्तैया शियरामु को दिनांक 25 अश्रेल, 1977 से 10 जून 1977, तक, रुपयें 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तवर्ष आधार पर सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी॰ जीं॰ कुलकर्णी सहायक कार्मिक प्रधिकारी

## (नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र)

#### हैदराबाद-500762, दिनांक 1 जुलाई 1977

सं0- पी० ए० ग्रार०/0705/1605--मुख्य कार्यपालकः, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्च, श्री वी० हनुमन्तराव, सहायक लेखाकार को 26-5-1977 से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिए नाभिकीय सम्मिश्च, हैंदराबाद में सहायक लेखा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनौंक 2 जुलाई 1977

सं० पी० ए० ग्रार०/0705/1607—मुख्य कार्यपासक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री, प्रवरण कोटि ग्राशुलिपिक को 21-6-1977 से 27-7-1977 तक या भ्रागामी श्रादेशों, जो भी पहले हो, तक के लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव, प्रशासन ग्रधिकारी

#### (परमाणु खनिज प्रभाग)

## हैदराबाद-500 016, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं०ए० एम० डीं०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जी विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक घरथायी सहायक लेखा ग्रधिकारी श्री डी० एस० इसरानी

को इसी प्रभाग में 4 जून 1977 के पूर्वाह्न से लेकर 4 जुलाई 1977 के प्रपराह्न तक श्री के० पी० शेंखरन, लेखा प्रधिकारी-II जो खुट्टी पर गयें हैं, के स्थान पर पूर्णतः प्रस्थायी रूप से लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ध्रधिकारी

#### पर्यटन और न गर विमानन मंत्रालय

#### (भारत मौसम विज्ञान विभाग)

## नई दिल्ली-3, दिनांक 2 जुलाई 1977

सं०ई(1)00927—वेंधणालाओं के महानिवेशक, श्री के० सी० पोरेल, को 24 मई, 1977 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रावेश मिलने तक भारत मौसम सेवा मुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा मुप-बी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्म रुप में नियुक्त करते हैं।

श्री पोरेल, वेंधणालाओं के उप महानिवेशक (जलवायु विकान) पूर्णे के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

सं० ई(1)06823—वैधशालाओं के महानिदेशक, वैध-शालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में व्यावसायिक सहायक श्री राजेंन्द्रप्रसाय, को 8 जून 1977 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश मिलने तक भारत मौसम सेवा वर्ग-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा में वर्ग-बी) सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री राजेंन्द्र प्रसाद , वैधशालाझों के महानिवेशक के मुख्य कार्यालय, नई विल्ली में ही तैनात रहेंगें।

सं० ई(1)07023—वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक (उपकरण), पुणें के कार्यालय भारत मौसम विशास विशास विशास में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० गंगोपाध्याय को 25 अप्रैल 1977 से श्रागामी धादेश मिलने तक भारत मौसम सेवा, वर्ग-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, वर्ग-बी) में सहायक मौसम विशानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री गंगोपाध्याय निदेशक (उपकरण) पुणें के कार्यालय में ही सैनाग रहेंगें।

सं० ई(1)/07217—वैधणालाओं के महानिवेशक, श्री के के विज्ञवर्तीको 24 मई, 1977 के पूर्वीह्न से आगामी धावेश मिलने तक भारत मौसम सेवा वर्ग-वी (केन्द्रीय सिविक सेवा वर्ग-वी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती, वैद्यशालामों के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) पूर्ण के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

> गुरुमुख राम गुप्ता, मौसम विज्ञानी कृते वेंधशासाओं के महानिदेशक

#### नई दिल्ली-3, दिनांक जुन 1977

सं० ई (1) 04248—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत निदेशकः, उपकरण पृणें के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री पी० श्रार० नायर, निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर 31 मई 1977 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए।

एस० स्नार० एन० मणियन भौसम विज्ञानी कृते वैधशालाश्रों के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई क्लिली, दिनांक 16 जन 1977

मं० ए०-32013/6/77-ई०सी०—-राष्ट्रपति, ने श्री के० गुरेन्द्र, तकनीकी श्रिधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को 30 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से 6 मास के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी श्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, पालम में तैनात किया है।

#### दिनांक 27 जन 1977

मं० ए० 32013/1/77-ई० सी० — राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय मंचार नियंत्रक, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम के श्री के० के० नारा-यण, तकनीकी स्रधिकारी को श्री एस० के० चन्त्रा, तकनीकी स्रधिकारी की छुट्टी रिक्ति में 30-5-1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थ भाधार पर विष्ठि तकनीकी स्रधिकारी के ग्रेड में निमुक्त किया है भीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/17/76-ई० सी० —राष्ट्रपति ने श्री वी० के० कालरा, सहायक निदेशक संचार (मुख्यालय) नागर विभाजन विभाग को श्री एन० सी० नाथ, क्षेत्रीय नियंत्रक संचार सफ्तवरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली की छुट्टी रिक्ति में 4 जून, 1977 पूर्वाह्न से तदर्थ श्राधार पर क्षेत्रीय नियंत्रक मंचार के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/17/76-ई० सी० —राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो सहायक संचार को 3 जून, 1977 (पूर्वाह्म) से 30-4-1978 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इसमें से जो भी पहले हो, उपनिदेणक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तवर्षे ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है भीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टैशन पर तैनात किया है:—

ऋभे नाम	वर्तमान	कार्यभार ग्रह्ण	स्टेशन जिस
सं०	नैनासी	करने की तारीख	पर स्थानित-
	स्टेशन		रण/तैनाती
			की जाती है
1. श्री एम०	मु <b>च्या</b> लय	3-6-77 (पूर्वाह्र	) मुख्यालय
एस० कुष्ण	न	उपनिदेशक	
ì		संचार के रूप में	
2. श्री ए०	मुख्यालय	3-6-77 (पूर्वाह्न)	नियंत्रक संचार
एन० न⊺थ		नियंत्रक संचार -	वैमानिक
		के रूप में	स्टेशन नई
			विल्ली।

सं० ए० 32014/4/76-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विभावन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री ए० मी० दत्त, तकनीकी सहायक को 29-4-1977 (श्रपराह्न) से अन्य श्रादेश होने तक नियमित श्राक्षार पर महायक तकनीकी श्रिष्ठकारी के पद पर तैनात किया है श्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, गौहाटी में तैनात किया है ।

(एतद्ब्रारा इस कार्यालय की दिनांक 17-5-77 की श्रधि-सूचना सं० ए० 32014/4/76-ई० सी० रह की जाती है)।

सं० ए० 32014/4/76-ई० सी०—महानिदेणक नगर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री सी० टी० राजन, तकनीकी सहायक को 31-3-1977 (पूर्वाह्म) से श्रन्य श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर सहायक तकनीकी श्रिधकारी के ग्रेड म नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमामिक संचार स्टेशन, मद्रास में तैनात किया है।

(एतव्द्वारा इस कार्यालय की दिनांक 17 मई, 1977 की ग्रिधिसूचना सं० ए० 32014/4/76-ई० सी० की मद संख्या 2 रह की जाती है) ।

पी० सी० जैन सहायक निदेशक प्रशासन

#### मई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1977

सं० ए० 32013/10/77-ई०-I — महानिदेशक ने गर विमानन ने श्री एच० के० चक्रवर्ती,स्थानापन्न वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष (स्थायी पुस्तकाध्यक्ष) को इस विभाग मे मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (ग्रुप बी -राजपन्नित) के पद पर रुपए 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो-40-1200 के वेतनमान में 14-6-77 से 6 महीने की ग्रवधि के लिए या पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमे मे जो भी पहले हो. नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स सहायक निदेशक प्रशासन

#### केन्बीय महस्य शिक्षा संस्थान

#### बम्बई-400058, दिनाँक 30 जून 1977

सं०-1-73-77---निदेशक, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, बम्बई श्री पीठ डी० बारी की 23-7-1974 से स्किपर (ग्रुप 'बी' ग्राराजपन्नित) से स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> डा० एस० एन० <mark>डिये</mark>दी निदेशक

#### नौवहन और परिवहन संभ्रालय

#### नौबहन महानिदेशालय

## बम्बई-400001, विनांक 4 जुल।ई 1977

सं० 9-ए० डो० एम० एन०(1)/76—नौवहन महानिदेशक, विभागाय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर एतद्द्वारा श्री ग्रार० के० गुप्ते, तदर्थ रूप से स्थानापन्न कार्यकारी ग्रीधकारी/फैट इनवेस्टिगेटिंग श्रफसर को 1 जून, 1977 से ग्रागामी श्रादेशों तक लंबी समयाविध के ग्राधार पर कार्यकारी ग्रीधकारी/फैट इनवेस्टिगेटिंग ग्रफसर के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एम० श्रोचाणी नौयहन उप-महानिदेशक

#### विदेश संचार सेवा

## बम्बई, दिनांक 27 जून 1977

मं० 1/370/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के एतद्-द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक श्री बीठ केठ सूरी को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 30-8-76 से लेकर 21-9-76 (दोनों दिन समेत) तक की अविधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं 1/370/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के एतद्दारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक श्री बीं के के सूरी को एक धल्पकालीन रिकत स्थान पर 8-11-76 से लेकर 22-11-76 (बोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/370/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के एतव्द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक श्री बी० के० सूरी को एक ग्रत्यकालीन रिक्त स्थान पर 29-11-76 से लेकर 1-1-77 (दोनों दिन समेत) तक की ग्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रवन्धक नियुक्त करते हैं।

सं 1/370/77-स्या०—-विदेश संचार सेवा के एतद्वारा मई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक श्री बी० के० सूरी को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 21-2-77 से लेकर 19-3-77 (बोनों विन समेत ) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी प्रणासन अधिकारी कृते महानिदेशक

#### बम्बई, दिनांक 27 जून 1977

सं० 1/265/77-स्था०---कलकत्ता माखा के पर्यवेक्षक श्री कान्टेण्टाइन डीस्जा को, जो 16-9-1976 से 9-5-1977 तक (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए तवर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रवन्धक नियुक्त किए गए थे। 10 मई, 1977 के पूर्वाक्ष से और आगामी आदेशों तक कलकत्ता माखा में नियमित तौर पर स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रवन्धक नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/411/77-स्था०---बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री जे० एम० डीसित्या को 11 जून, 1977 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों तक मब्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/429/77-स्था०—मद्रास शाखा के तकनीकी सहा-यक श्री एल० सत्यनारायण को 16 फरवरी के पूर्वाह्न से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सह।यक ग्राभियंता नियुक्त किया जाता है।

> पु० ग० दामले महानिदेशक

#### केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय

पटना, दिसांक 29 जून 1977

मं० 11(7) 1-स्था०/77/8027/5/7/77—भारत सरकार राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, मर्ड दिल्ली के ग्रादेश सं० 34/77, दिनांक 11-3-77 जैसा कि संशोधन ग्रादेश सं० 46/77, दिनांक 18-4-77 द्वारा संशोधित किया गया, श्री एस० ग्रार० भटाचार्य, ग्राधिक ऋणी 'व' केन्द्रीय उत्पाद समाहतिलय, शिलींग को 700-40-900-व० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न ग्राधिक श्रेणी 'ग्र'/सहायक समाहती (निम्न वेतनमान) के रूप में नियुक्त किया गया। उपर्युक्त ग्रादेश के ग्रनुसरण में इम कार्यालय के स्थापना ग्रादेश सं० 107/77 विनांक 30-4-77 के ग्रनुसार श्री भटाचार्य ग्राधिक श्रेणी 'ग्र' के रूप में सीमाशुक्त, पटना में दिनांक 28-5-77 के पूर्वाह्म में कार्यभार ग्रहण किए।

हरिनारायण साहु समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटमा

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1977

सं० 6/77—श्री ए० आर० शर्मा, कार्यालय अधीक्षक, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निरीक्षालय (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) नयी दिल्ली को, श्री बी० के० हाजरा, सहा-यक मुख्य लेखा श्रीकारी के छुट्टी चले जाने से रिक्त हुए स्थान पर दिनांक 20-6-77 के (पूर्वाह्न से) 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

> सु॰ वेंकटरामन निरीक्षण नि<mark>देश</mark>क

	केन्द्रीय जल श्रायोग		
नई	दिल्ली-110022, दिनांक 28 जून 1977	क्र० सं०	श्रधिकारी का नाम
	० 32014/1/77-प्रशा० पांचः——विभागीय पदो-	36.	श्रीटी० ग्रार० शर्मा
	' (वर्ग-'बी') की सिफारिश पर ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल	37.	श्री कें० एल० स्निपाठी
ग्रायोग श्रपन <u>े</u>	प्रमाद से निम्नलिखित ग्राधिकारियों को केन्द्रीय जल	38.	श्री एस० बी० भट्टाचार्य
आयोगमें अधि	तिरिकत सहायक निवेणक/महायक ग्रिभियंता के पदक्रम	39	श्री ग्रार० कें० घ्रोहरी
	80-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०	40.	श्रीमती घो० ग्रार्० ललिता
रो० -40-12	00 के वेतनमान में दिनांक 3 जून, 1977 के पूर्वाह्म	41.	श्री वाई० पी० सिंह
से श्राग।मी ह	मदिश तक स्थान।पन्न रूप में नियमित रूप से नियुक्त	42.	श्री वी० ग्रार० के० रेड्डी
करते हैं:		43.	श्री फ्रार० एन० घोष
		44.	श्री के० पाकीर रेडडी
%० स०	श्रधिकारी का नाम	45.	श्री जे० पी० बरमानी
		46.	श्री पी० बी० गोयल
1.	श्री बी० के० मजूमदार	47.	श्री वी० बाई० राममूर्ति
2.	श्री के० रामा राव	48.	श्री जी० रघुनाथ
3.	श्री नरेन्द्र मोहन साहा	49.	श्री टी० वी० रामम
4.	श्री एम <b>०</b> ठी० राधाकृ <sup>ट</sup> ण	50.	श्री बी० बी० मुखर्जी
5.	श्री सी० एस०   राव	51.	श्री एस० एम० एन० सक्सेना
6.	श्री एस० एम० यूजाउद्दीन	52.	श्री हरियंकर चौधरी
7.	श्री एस० के० बजाज	53.	श्री ग्रार० सी० भग्नवाल
8.	श्री एम <b>० सूब्बारेड्डी</b>	54.	श्री कुलदीप सिंह
9.	श्री एस० आर जगवानी	55.	श्री वी० के० राजेन्द्र दास
10.	श्री कैलाम नाथ	56.	श्री जलालुद्दीन
11.	श्री सी० पी० बता	<b>5</b> °7.	श्री वी० वेंक्टेण्बर
12.	श्री के० पी एस० सेंगर	58-	श्री बी० साथीराज्
13.	श्रीवी०के० चक्रवर्ती	59.	श्री ए० रंगानायकल्
14.	श्री एस० एम० कंसल	60.	श्रीमती बीग्रास्ट्रीस मार्टीन
1 5.	श्री श्रनिल कुमार मोहिता	61.	श्री एम० रामचन्द्रन
16.	श्री श्रतुल कुमार	62.	श्री ग्रार० के० तलवार
17.	श्री एच० बी० तिवारी	63.	श्री कें साथीसन
18.	श्री श्रार० देवासहायम	64.	श्री कें बलकृष्णन
1 9.	श्री एल० वेंकटारस्नम्	65.	श्रीमती मी० विजयलक्ष्मी, ग्रम्मा सी० एस
20.	श्री किणोर कुमार सिंह	66.	श्री वी० पी० सिंह
2 1.	श्री पी० एस० बारिक	67.	श्रीमती रमार्नः रोय
22.	श्री ग्रारं० ग्रारं० गर्मा	68.	श्री ग्रार० रघुरामा राव
23.	श्री पी० सां० जोम	69.	श्री पी० के० गंगाधरन
24.	श्री जे० पी० केशरी	70.	श्री वी० ग्रज्युथन कुट्टी
	श्री वी० एन० राम	71.	श्री जंनारधन बाब् ग्रार
2.5.	श्री मनोहर खुगलानी	71. 72.	श्री एम० मेटी
26.	श्रो नगहर पुराणामा श्रो नागेश्यर प्रसाद	72. 73.	श्री एम० के० सेन गुप्ता
27.	का नाग्यपर प्रमाप श्री ग्रार० के० खन्ना		श्री भ्रार० के० दस्ता
28.		74.	श्री संदीप साहा
29.	श्री एव ० एस० सिंह	75.	त्रा सदाप साहा श्री जी० एस० नायर
30.	श्री एत्र नागाराजन	76.	
31.	श्री बी० विजय कुमार	77.	श्री पार्थानंदी श्रीवी०एन०कथपालिया
32-	श्री श्रीकान्त बक्सी	78.	
33.	श्री सुरेश चन्द्र	79.	श्री एम० के० राजगोपाल और जोगिज्य गिन
34.	श्री कें। कें।	80.	श्री जोगिन्द्र सिंह
35.	श्री ए० के० जीरथ		(जन्म तिथि 4-11-34)

स्री का नाम  81. श्री एम० के० कानन 82. श्री के० एम० श्रीड० वेशीकाचार 83. श्री वी० एम० श्रीड० वेशीकाचार 84. श्री वी० एम० श्रीडचन 84. श्री वी० एम० गुलाटी 85. श्री व्यवस्ट डी० गुजा 86. श्री जांगिन्दर मिह (जन्म निश्च 10-2-37) 87. श्री एम० नागेश्वर राव 88. श्री ग्रांच० सी० भाटिया 89. श्री निश्चा गोपाल दाम 90. श्री के० आई० केल्यूप्रम 91. श्री एम० एम० बादरा 92. श्री के० आई० केल्यूप्रम 93. श्री जे० एम० कादरा 94. श्री यहादुर मिह 95. श्री ती० एम० छाद्यु। 96. श्री रिव प्रकाण विद्रित्वण 97. श्री जे० एम० छाद्यु। 98. श्री प्रेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० व्यवसा 101. श्री श्रार० के० डायल 102. श्री हरणीत मिह 103. श्री श्रीत कुमार 104. श्री द्रार० एम० विट्डल राव 105. श्री बी० वा० राव 106. श्री प्रमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वी० डा० एम० विट्डल राव 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धमंत्रीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० पी० मोगल 112. श्री कुर्जा नमह 114. श्री डी० पी० मोह 115. श्री झामन मिह 116. श्री आग० एम० र्याचा 117. श्री जी० एम० द्रुमा 118. श्री एम० एम० प्रांचा 119. श्री प्रमान पाट्रव 120. श्री एम० एम० व्रांचा 121. श्री एम० एम० मुर्वा 122. श्री एम० एम० मुर्वा 133. श्री एम० एम० प्रांचा 144. श्री श्रीजप्त प्रमान मिह 155. श्री झामन मिह 166. श्री आग० एम० र्याचा 177. श्री जी० एम० द्रुमा 188. श्री एम० एम० मुर्वा 199. श्री सामन मिह 110. श्री प्रमान पाट्रव 111. श्री जी० एम० द्रुमा 112. श्री प्रमान पाट्रव 120. श्री एम० एम० मुर्वा 121. श्री एम० एम० मुर्वा 122. श्री एम० एम० मुर्वा 123. उपर्यक्त श्रीधकारी केल्द्रीय जल श्रीचो में श्रीतिरिक्ट		
82. श्री के० एस० श्राई० देशीकाचार 83. श्री वी० एन० श्रीखरन 84. श्री बी० एम० गुनाटी 85. श्री बंगिटस्ट डी० श्रुणा 86. श्री जांगिन्दर मिह (जन्म निश्च 10-2-37) 87. श्री एग० नागेण्यर राव 88. श्री ग्राई० सी० भाटिया 89. श्री जत्या गोपान दाम 90. श्री अगरेर गिह 91. श्री एम० एम० बादरा 92. श्री के० ग्राई० केन्यूधन 93. श्रो जे० एन० बादरा 94. श्री वहादुर मिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रुव प्रकाण विविध्य 97. श्री जे० एन० पूर्विया 98. श्री पे० के० घोषा 100. श्री जो० एम० बध्या 100. श्री जो० एम० बध्या 100. श्री प्रांच के० डायल 102. श्री हरजीन मिह 103. श्री एअगि० कुमार 104. श्री एम० एन० बुद्धा 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री प्रमचन्द गुप्ता 107. श्री बी० वी० राव 108. श्री एम० एन० गुप्ता 109. श्री वी० वी० मार्गि 108. श्री एम० एन० गुप्ता 109. श्री वो० वी० मार्गि 110. श्री वो० वी० मार्गि 111. भी जी० एन० मुप्ता 112. श्री बो० निर्मि 113. श्री के० मो० माहा 114. श्री कुमान मिह 115. श्री के० मो० माहा 116. श्री प्रमच प्रमच व्या 117. श्री जी० एन० दुन्ना 118. श्री प्रमाण प्रमच व्या 117. श्री जी० एन० दुन्ना 118. श्री प्रमाण प्रमच वावव 120. श्री प्रमाण प्रमच वावव 120. श्री प्रमाण प्रमच वावव 121. श्री फुम प्रमच वावव	क० संब	प्रधिकारी का नॉम
83. श्री बी० एन० श्रीवरन 84. श्री बी० एम० गुनाटी 85. श्री वर्षटस्ट डी० श्रा शि वर्षटस्ट सिंह (जन्म निश्च 10-2-37) 87. श्री एम० नागेण्यर राव 88. श्री याई० सी० भाटिया 89. श्री तथा गोपाल वाम 90. श्री अगरेर गिह 91. श्री एम० एम० बावरा 92. श्री के० ग्राई० वेरुम् प्रमः 93. श्री जे० एन० खावड़ा 96. श्री राव प्रकाण विदलिण 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री पी० के० घोष 100. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री पी० के० घोष 100. श्री जो० एम० बाववा 101. श्री पार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रीत कुमार 104. श्री ए० ग्रार० एम० विट्ठल राव 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री प्रमचन्द गुप्ता 107. श्री बी० डी० मिरानी 108. श्री एम० एम० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मुप्ति 111. श्री जी० एन० मुप्ति 111. श्री जी० गोपल 112. श्री क्रे० गो० साहा 114. श्री क्रे० गो० साहा 115. श्री के० गो० साहा 116. श्री ग्रार० एम० रंगवा 117. श्री जी० एन० दुमा 118. श्री राव एम० एक० गुप्ता 119. श्री प्रभा लाल गावव 120. श्री एम० एन० व्रा	81.	श्री एस० के० कानन
84. थी बी० एम० गुलाटी 85. थी वर्गटम्ट डी० गूजा 86. थी जांगिन्दर मिह (जन्म निथ 10-2-37) 87. थी एग० नागेण्यर राव 88. थी याई० सी० भाटिया 89. थी मत्या गोपाल दाम 90. थी अजमर गिह 91. थी एम० एग० बादग 92. थी के० आई० देन्स्पृथन 93. थो जे० एन० कावण 94. थी बहादुर मिह 95. थी बी० एन० छावड़ा 96. थी रिव प्रकाण विदलिण 97. थी जे० एन० पूनिया 98. थी प्रेम सिह 99. थी प० के० घोष 100. थी जी० एम० बधवा 101. थी प्रार० के० डायल 102. थी हरजीत मिह 103. थी एजीत कुमार 104. थी ए० थार० एम० विट्ठल राव 105. थी बी० वी० राव 106. थी प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. थी बी० डी० मिरानी 108. थी एम० एल० गुप्ता 109. थी धमेवीर 110. थी प्रेमचन्द्र गुप्ता 109. थी धमेवीर 110. थी प्रेमचन्द्र गुप्ता 111. थी जी० एन० मूर्ति 111. थी जी० मिरानी 112. थी बुटा मिह 113. थी के० गी० साहा 114. थी खुटा मिह 115. थी के० गी० साहा 116. था प्रार० एम० देआ 117. थी जी० एल० दुआ 118. था प्रभावा प्राराण प्रवाण 117. थी जी० एल० दुआ 118. था प्रभावा प्रवाण 119. थी प्रभावा प्रवाण 120. थी एक कि० विल्याम 121. थी के० एन० वा	82.	
86. श्री वर्गस्ट डी० शृजा 86. श्री जांगन्दर सिंह	83.	श्री वी० एन० श्रीधरन
86. श्री जांगिन्दर सिंह	84.	श्री बी० एम० गुलाटी
(जन्म निश्च 10-2-37)  87. श्री एगण नागेण्यर राव  88. श्री प्राईण सीण भाटिया  89. श्री नत्या गोपान दाम  90. श्री फर्मण एगण जावग  91. श्री एमण एगण जावग  92. श्री केण ग्राईण केल्यूधन  93. श्री जेण एनण खावण  94. श्री बीण एनण छावज़  96. श्री रिव प्रकाण बिदलिण  97. श्री जेण एनण पूनिया  98. श्री भेम सिंह  99. श्री पीण केण घोष  100. श्री जीण एमण बधवा  101. श्री हरणीत सिंह  103. श्री एण आगण एमण विद्ठल राव  श्री एण आगण एमण विद्ठल राव  श्री भेमचन्द्र गुप्ता  104. श्री पण प्रमण्या  105. श्री बीण वीण राव  106. श्री भेमचन्द्र गुप्ता  107. श्री बीण हीण सिंगल  108. श्री एमण एनण प्रात  109. श्री धमंत्रीण  110. श्री पण एनण प्रता  111. श्री होण पण पारल  श्री श्री केण साम सिंह  113. श्री केण साम सिंह  114. श्री श्री एण एमण रेणाया  115. श्री झामन सिंह  116. श्री आरण एमण रेणाया  117. श्री जीण एनण दुआ  118. श्री एमण एण मुक्ता  119. श्री पण एनण प्रता  119. श्री पण एनण प्रता  110. श्री जोण एनण दुआ  111. श्री जोण एनण दुआ  112. श्री पण एनण प्रता  113. श्री जोण एनण दुआ  114. श्री जोण एनण दुआ  115. श्री पण एण प्रवानी  116. श्री एमण एण मुक्ता  117. श्री जोण एनण दुआ  118. श्री एमण एण मुक्ता  119. श्री पण लाण मुक्ता  121. श्री एण पण पमांठानी  122. श्री केण एनण यना	85.	श्री बपटिस्ट डी०'शूजा
87. श्री एगण नागेण्यर राव 88. श्री आई० सी० भाटिया 89. श्री नत्या गोपान दाम 90. श्री अजमेर गिह 91. श्री एमण एमण जायम 92. श्री के० आई० वेल्स्प्रम 93. श्री जे० एमण अपूर 94. श्री वहादुर मिह 95. श्री वी० एमण छायड़ा 96. श्री रिव प्रकाण बिदलिण 97. श्री जे० एमण पुनिया 98. श्री भेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एमण बघवा 101. श्री श्रीण कुमार 102. श्री हरणीन मिह 103. श्री श्रीण कुमार 104. श्री ए० आरण एमण विट्ठन राव 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री भेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री बी० वी० मिरानी 108. श्री एमण एमण पुन्ता 109. श्री धमंत्री 110. श्री पी० एमण पुन्त 111. श्री होण पाण मात 112. श्री के० सी० मात 114. श्री होण सिह 115. श्री के० सी० मात 116. श्री श्रीचन्द 117. श्री जी० एमण दुमा 118. श्री एमण एमण दुमा 119. श्री पाण एमण पुन्ता 119. श्री पाण एमण प्रवामा 119. श्री पाण एमण प्रवामा 120. श्री पाण प्रवामा 121. श्री कि० एमण स्वामा 122. श्री के० प्रवामा	86.	
88. श्री आई० सी० भाटिया 89. श्री नत्या गोपाल दाम 90. श्री फ्रजमर मिह 91. श्री एम० एम० जायम 92. श्री के० आई० वेल्प्यन 93. श्री जे० एल० कपूर 94. श्री चहादुर मिह 95. श्री बी० एन० छायहा 96. श्री रिव प्रकाण चिदलिश 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री प्रेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० वधवा 101. श्री शार० के० डायल 102. श्री हरजीत मिह 103. श्री श्रील कुमार 104. श्री ए० आर० एम० विट्ठल राव 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री श्रीमचन्द गुप्ता 107. श्री वी० डी० मिरानी 108. श्री धमंत्रीर 110. श्री धमंत्रीर 110. श्री धां एम० एन० गुप्ता 109. श्री धमंत्रीर 110. श्री पी० एन० पूर्ति 111. श्री हो० पी० मोयल 112. श्री कुरा मिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री कुरा मिह 115. श्री कार सो० साहा 116. श्री आंग० एम० द्र्या 117. श्री जी० एम० द्र्या 118. श्री प्रमा मान मिह 119. श्री प्रमा मान गावव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री ए० एन० यूना		
89. श्री तत्था गोपाल दाम 90. श्री अजमर गिह 91. श्री एम० एम० बावरा 92. श्री के० आई० वेल्स्इन 93. श्री जे० एल० कपूर 94. श्री वहादुर मिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण विविष्ण 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० बघवा 101. श्री जी० एम० बघवा 101. श्री गर० के० डायल 102. श्री हरजीत मिह 103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० श्रार० एम० विट्ठल राव 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री प्रमन्द गुप्ता 107. श्री वी० वी० मिर्गनी 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री ही० गी० गोपल 112. श्री के० मी० मोहा 114. श्री के० मी० मोहा 115. श्री के० मी० मोहा 116. श्री ग्री एम० एन० दुआ 117. श्री जी० एन० दुआ 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल प्रवा 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एन० यना	87.	
90. श्री अजमर गिह 91. श्री एम० एम० बावग 92. श्री के० आई० वेल्स्घन 93. श्री जे० एल० कपूर 94. श्री बहादुर सिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण विविषण 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० बघवा 101. श्री झार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रीत कुमार 104. श्री ए० झार० एम० विट्ठल राव श्री श्रीत कुमार 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री प्रमचन्द्र गुप्ता 107. श्री बी० वी० मिरानी 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री जी० गोपल 112. श्री के० सो० साहा 114. श्री का० सोठ साहा 115. श्री का० सोठ साहा 116. श्री आर० एम० रेवाया 117. श्री जी० एन० रेवाया 117. श्री जी० एन० रेवाया 118. श्री एम० ए० सदनानी 119. श्री प्रभा लाल गावव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एन० रना	88.	
91. श्री एस० एस० बाबरा 92. श्री केठ ग्राई० केल्स्प्रस्त 93. श्री केठ ग्राई० केल्स्प्रस्त 94. श्री बहादुर सिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण विदिल्ण 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री पे० के० घोष 100. श्री जी० एस० बघवा 101. श्री ग्री० केठ डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री ए० झार० एस० विट्ठल राव 104. श्री ए० झार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वा० राव 106. श्री पेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री बी० डी० सिरानी 108. श्री एस० एस० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० गुप्ता 111. श्री डी० गि० गोपल 112. श्री के० सो० साहा 114. श्री के० सो० साहा 114. श्री का० सो० साहा 115. श्री झामन मिह 116. श्री ग्रार० एस० रंग्यया 117. श्री जी० एस० रंग्यया 117. श्री जी० एस० रंग्यया 117. श्री जी० एस० रंग्यया 118. श्री एम० ए० सदनानी 119. श्री पत्रा लाल गावव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एस० रना		
93. श्री के० ग्राई० वेल्यूघन 93. श्री जे० एल० कपूर 94. श्री बहादुर मिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण विदिलिण 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री पे० क० घोष 100. श्री जी० एस० वधवा 101. श्री श्रार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० श्रार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वं।० राव 106. श्री प्रेमचन्द गुप्ता 107. श्री वो० डी० मिरानी 108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० गि० गोपल 112. श्री बुटा मिह 113. श्री के० सा० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्रा ग्रार० एस० रंगवा 117. श्री जो० एस० दुन्ना 118. श्री एएस० ए० पदनानी 119. श्री प्रा लाल पहिष्य 120. श्री ए० क० विश्वाम 121. श्री एव० विश्वाम 122. श्री ए० क० विश्वाम 121. श्री एव० विश्वाम		*
93. श्री जे० एल० कपूर 94. श्री बहादुर मिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण बिदलिश 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री प्रेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० वधवा 101. श्री श्रार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रीत कुमार 104. श्री ए० श्रार० एम० विट्ठल राव 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वी० डी० मिरानी 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० पी० मोपल 112. श्री बूटा मिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्रा ग्रार० एम० रेवावा 117. श्री जी० एन० दुम्रा 118. श्री एम० ए० भदनानी 119. श्री प्रा लाल महत्व 120. श्री ए० के० दिख्वाम 121. श्री एन० वा		
94. श्री बहादुर सिह 95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण विद्यालिण 97. श्री जे० एन० पूर्तिया 98. श्री प्रेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० बधवा 101. श्री श्राग्ठ के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रीत कुमार 104. श्री ए० झार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वी० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री बी० डी० मिरानी 108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री प्रेमचेर 111. श्री ही० पी० गोपल 112. श्री बूटा सिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्रा ख्रार० एस० रेवावा 117. श्री जो० एल० दुखा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रकाल माहव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री एन० विश्वाम 122. श्री ए० के० प्रवानी		· ·
95. श्री बी० एन० छावड़ा 96. श्री रिव प्रकाण विदिलिण 97. श्री जे० एन० पूनिया 98. श्री प्रेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० बघवा 101. श्री श्री ए० के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रीत कुमार 104. श्री ए० श्रीर० एम० विट्ठल राव 105. श्री बी० वं१० राव 106. श्री प्रेमचन्द गुप्ता 107. श्री बी० डी० मिरानी 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धमंत्रीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० पी० मोपल 112. श्री बूटा सिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्री श्रीचन्द 117. श्री जी० एम० दुश्रा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल पादव 120. श्री एक० विश्वाम 121. श्री के० एन० यना		
96. थी रिव प्रकाण विदलिण 97. थी जे० एन० पूनिया 98. थी प्रेम सिह 99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एम० वधवा 101. श्री श्रार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिह 103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० श्रार० एम० विट्ठल राव 105. श्री बी० वं।० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वो० डी० मिरानी 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री प्रार० एम० मृति 111. श्री डी० गी० गोपल 112. श्री बूटा सिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री झामन सिह 115. श्री झामन सिह 116. श्री झामन सिह 117. श्री जी० एम० दुआ 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल पादव 120. श्री एक० विश्वाम 121. श्री के० एम० यना		
97. श्री जे० एन० पूनिया  98. श्री प्रेम सिंह  99. श्री पी० के० घोष  100. श्री जी० एम० वधवा  101. श्री श्रार० के० डायल  102. श्री हरजीत सिंह  103. श्री श्रजीत कुमार  104. श्री ए० श्रार० एम० विट्ठल राव  105. श्री बी० वा० राव  106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता  107. श्री वो० डी० मिरानी  108. श्री एम० एल० गुप्ता  109. श्री धर्मवीर  110. श्री पी० एम० मृति  111. श्री डी० गी० गोपल  112. श्री बूटा सिंह  113. श्री के० सो० साहा  114. श्री ख्रार० एम० रचावा  117. श्री जी० एम० दुश्रा  118. श्री एम० ए० पदनानी  119. श्री प्रभा लाल पादव  120. श्री एक० विश्वाम  121. श्री एक० विश्वाम  122. श्री क० एन० वना		· ·
98. श्री प्रेम सिंह  99. श्री पी० कं० घोष  100. श्री जी० एम० वधवा  101. श्री ग्राग्ठ कं० डायल  102. श्री हरजीत सिंह  103. श्री श्रजीत कुमार  104. श्री ए० ग्राग्ठ एम० विट्ठल राव  105. श्री बी० वा० राव  106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता  107. श्री बी० डी० मिरानी  108. श्री धमंत्रीर  110. श्री धमंत्रीर  110. श्री श्री ग्रांठ प्रता  111. श्री जी० पी० पोपल  112. श्री ब्रांमह  113. श्री के० सी० साहा  114. श्री ख्रांच सिंह  115. श्री झामन सिंह  116. श्री ग्रांठ एम० प्रवाया  117. श्री जी० एन० दुग्रा  118. श्री प्रांच एन० प्रवाया  117. श्री प्रांच एन० प्रवाया  118. श्री प्रांच प्रां		
99. श्री पी० के० घोष 100. श्री जी० एस० वधवा 101. श्री श्रार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिंह 103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० ग्रार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वा० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वो० डी० मिरानी 108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धमंत्रीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० पी० गोपल 112. श्री बुटा सिंह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिंह 116. श्री ग्रार० एस० रंजावा 117. श्री जी० एस० दुग्रः 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रां लाल गादव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री एव० वी० रामवंद्यानी 122. श्री ए० एन० वना		
100. श्री जी० एस० वधवा 101. श्री श्रार० के० डायल 102. श्री हरजीत सिंह 103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० श्रार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वं।० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वं।० डी० मिरानी 108. श्री एस० एस० गुप्ता 109. श्री धमंत्रीर 110. श्री पी० एस० मृति 111. श्री डी० गी० गोयल 112. श्री बूटा सिंह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिंह 116. श्री ग्री० एस० रेगावा 117. श्री जी० एस० दुग्रा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा नाल गावव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एस० वता		*
101. श्री श्रार० के उडायल 102. श्री हरजीत सिंह 103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० श्रार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वं।० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वी० डी० मिरानी 108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मश्रीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० पी० गोयल 112. श्री बूटा सिंह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिंह 116. श्री आर० एस० रेवावा 117. श्री जी० एस० दुश्रा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री एस० ए० मदनानी 119. श्री एक० विश्वाम 120. श्री ए० क० विश्वाम 121. श्री के० एस० वता		
102. श्री हरजीत सिंह  103. श्री श्रजीत कुमार  104. श्री ए० श्रार० एस० विट्ठल राव  105. श्री बी० वंा० राव  106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता  107. श्री वी० डी० मिरानी  108. श्री एस० एल० गुप्ता  109. श्री धर्मश्रीर  110. श्री पी० एन० मृति  111. श्री डी० गी० गोगल  112. श्री बूटा सिंह  113. श्री के० सो० साहा  114. श्री श्रीचन्द  115. श्री झामन सिंह  116. श्री ग्रार० एस० रंगावा  117. श्री जी० एल० दुग्रा  118. श्री एम० ए० मदनानी  119. श्री पन्ना वाद्य  120. श्री ए० के० विश्वाम  121. श्री के० एल० वता		
103. श्री श्रजीत कुमार 104. श्री ए० झार० एस० विट्ठल राव 105. श्री बी० वं।० राव 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वो० डी० मिरानी 108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एत० मृति 111. श्री डी० पी० गोपल 112. श्री बूटा मिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्री झापन सिह 117. श्री जी० एल० दुझा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल महब्व 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एल० वता		
104. श्री ए० खार० एस० विट्ठल राष्ट्र 105. श्री बी० वं।० राष्ट्र 106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता 107. श्री वी० डी० मिरानी 108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी० गी० गोपल 112. श्री बुटा सिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री श्रीचन्द्र 115. श्री झामन सिह 116. श्री खार० एस० रंगावा 117. श्री जी० एल० दुख्रा 118. श्री एम० ए० सदनानी 119. श्री प्रभा लाल पादव 120. श्री ए० के० विकास 121. श्री के० एल० वता		
105. श्री बीठ वाठ राष  106. श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता  107. श्री वीठ डीठ मिरानी  108. श्री एम० एन० गुप्ता  109. श्री धर्मवीप  110. श्री पी० एन० मृति  111. श्री डीठ पी० गोयल  112. श्री बुटा मिह  113. श्री केठ गो० माहा  114. श्री श्रीचन्द  115. श्री झामन मिह  116. श्री झामन मिह  117. श्री जी० एन० दुआ  118. श्री एम० ए० मदनानी  119. श्री पभा नाल गादव  120. श्री ए० केठ विश्वाम  121. श्री केठ एन० वता		
107. श्री बीठ डीठ मिरानी 108. श्री एम० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डीठ पी० गोयल 112. श्री बूटा मिह 113. श्री केठ गो० साहा 114. श्री शीचन्द 115. श्री झामन मिह 116. श्री आरं० एम० रंगावा 117. श्री जी० एल० दुआ 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल गादव 120. श्री ए० केठ विश्वाम 121. श्री एक० वाल	105.	,
108. श्री एस० एल० गुप्ता 109. श्री धर्मशीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री जी० गीवल 112. श्री बूटा मिह 113. श्री के० गी० माहा 114. श्री श्री जन्द 115. श्री झामन मिह 116. श्री झामन मिह 117. श्री जी० एस० देश्रा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री पभा माल माहब 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एस० वता	106.	श्री प्रेमचन्द्र गुप्ता
109. श्री धर्मवीर 110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी॰ पी० गोयल 112. श्री बृटा सिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री झामन सिह 115. श्री झामन सिह 116. श्री आर० एस० रेबाबा 117. श्री जी० एस० दुआ 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल महब्व 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री के० एस० बना	107	श्री वी० डी० मि <b>गर्न</b> ।
110. श्री पी० एन० मृति 111. श्री डी॰ गी० गोयल 112. श्री बूटा सिह 113. श्री के० सो० साहा 114. श्री शीचन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्री झापन सिह 117. श्री जी० एल० दुग्रा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री प्रभा लाल महब्व 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री एक० वाल	108.	थी एम० एल० गुप्ता
111. श्री जी श्री पायल 112. श्री बूटा मिह 113. श्री के शो शाला 114. श्री श्री जन्द 115. श्री झामन सिह 116. श्री झामन सिह 117. श्री जी शाल दुआ 118. श्री एम श्री प्राल प्रवास 119. श्री प्राल प्रवास 120. श्री एक श्री शालाम 121. श्री एक वार यात्रा	109	
112. श्री बूटा सिंह  113. श्री के० सो० साहा  114. श्री श्री लग्द  115. श्री झामन सिंह  116. श्री झामन सिंह  117. श्री जी० एस० रेवावा  117. श्री जी० एस० दुआ  118. श्री एम० ए० मदनानी  119. श्री प्रभा लाल महन	110.	`
113. श्री के० सो० साहा  114. श्री श्रीचन्द  115. श्री झामन सिंह  116. श्री झामन सिंह  117. श्री जी० एस० दुझा  118. श्री एम० ए० सदनानी  119. श्री पन्ना नाद्य  120. श्री ए० के० श्रिश्वाम  121. श्री एत० बी० रामधंडानी  122. श्री के० एस० बना	111.	
114. श्री श्रीज़न्द 115. श्री झामन सिह 116. श्री झामन सिह 117. श्री जी० एस० रेबाबा 117. श्री जी० एस० दुझा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री पुस्रा लाल महन		**
115. श्री झामन मिह 116. श्रा खार० एम० रंगावा 117. श्री जी० एल० दुद्धा 118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री पश्रा लाल गादव 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री एव० बी० रामवंडानी 122. श्री के० एल० बना	113.	
116. श्रा ख्रार० एस० रंगावा 117. श्री जी० एस० दुखा 118. श्री एस० ए० सदनानी 119. श्री पक्षा लाल महिब 120. श्री ए० के० विश्वास 121. श्री एव० बी० रामवंडानी 122. श्री के० एस० वसा		
117. श्री जी ० एल ० दुश्रा 118. श्री एम ० ए० मदनानी 119. श्री पश्री लाल गादव 120. श्री ए० के० श्रिक्ताम 121. श्री एव० बी ० रामबंडानी 122. श्री के० एल० बना		
118. श्री एम० ए० मदनानी 119. श्री पश्चालाल महिब 120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री एव० बी० रामवंडानी 122. श्री के० एन० बना		
119 श्री पक्षा लाल माह्य 120 श्री ए० के० ब्रिग्वाम 121 श्री एव० वी० रामघंडानी 122 श्री के० एल० वना		<b>→</b>
120. श्री ए० के० विश्वाम 121. श्री एव० बी० रामघंडानी 122. श्री के० एन० बना		
121. श्री एव० वी० रामवंडानी 122. श्री के० एन० बना		
122 थी केंग्ला बना		

2. उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जन भ्रायोग में भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पदक्रम में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

# दिनांक 30 जून 1977

मं० ए० 19012/627/77-प्रशा० पांच—सघ लोक सवा आयोग द्वारा उनके चयन के परिणामस्त्रस्य प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग श्री किणोर चिल्लामनी केलकर को केन्द्रीय जल प्रायोग श्री किणोर चिल्लामनी केलकर को केन्द्रीय जल प्रौर विद्युत प्रतुसंधान केन्द्र, पुणे में महायक ग्रनुसंधान श्रीधकारी (इंजीनियरिंग दूर-संचार) के पद पर ४० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतसमान में दिनांक 11 जुन, 1977 के पूर्वाह्म से एनद्द्राया नियुक्त करने हैं।

श्री किशोर चितामनी केलकर उसी तारीख अर्थात् 11-6-77 से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेगे।

> जसबंत सिंह, ग्रवर सचिव, **क्रुरें** ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग

### केर्द्राय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 जून 1977

सं० 6/6/77-प्रणासन-2--श्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री नवीन चंद्र, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इन्जीनियरी (वर्ण-2) सेवा में ग्रतिरिक्त महायक निदेशक/महायक ग्रीभियन्ता के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में 11-4-77 (ग्रपराह्म) से श्रन्य श्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

सन्तोष बिग्वास. स्रवर सचिव

#### उसर रेलवे

#### प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1977

सं० 5 — उत्तर रेलवे के निम्नलिखन स्थाना-पक्ष सहायक हंजीनियरों (दर्जा-2) को उस रेलवे पर प्रत्यक के सामने दी गयी नारीख से दर्जा 2 सेवा में सहायक डंजीनियर के रूप में स्थापी कर दिया गया है: —

ऋम सं०	नाम	स्थायीकरण की तिथि
1. 2		8-5-1969
2. 8	शीएस० जे० ग्रानन्द	1-6-70
3. 8	बी एम <b>० एम० गोविला</b>	9-8-1972
4. %	गी केयर सिंह	9-8-1972
5. s	<b>त्री सुरेन्द्र मोह</b> न	22-4-1973
6. 5	श्री ए० डी० सहगल	1 4-5-1 9 7 3
7. 5	श्रीपी० एन० गायल	1-5-1974
8.	श्रीजी० एम० बन्सल	1-11-1974

उत्तर रेलवे के निम्नलिखित महायक इंजीनियरों के स्थामी-करण हो निथियों में निम्नलिखित संशोधन किये गये हैं:--

<del>क्र</del> म सं०	नाम	जिस तिथि से पहले स्थार्यः किये गयं थे	की संशोधित
ा. श्रोप	ग्च० के० शर्मा	8-5-69	2 4- 2-70
2. થી	ग़न <b>्सी० चतुर्वेदी</b>	1-6-70	28-4-71

एस० सी० मिश्र महाप्रबन्धक

# पूर्ति और पुनर्वास संत्रालय

(पुनर्वास विभाग) मख्य यान्निक अभियंताका कायलिय

# प्नवीस भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-761003,दिनांक 2 जुलाई 1977

संव भीव 2/97—श्री राजाराम बर्निया कार्यालय अधीक्षक, मुख्य विश्वित अभिवंता का कार्यालय पुनर्वाम भूमि उद्धार संगठन, जपुर (उड़ीमा) को विभागीय पदोन्नित समिति की सिकारिण पर दिनांक 1-7-77 के पूर्वाह्न से महायक प्रशासन अधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप वी) के पद पर 650-30-740-35-880-दव रोज-40-960 रुपय के वेतन मान में पदोन्नित दी जाती है। उप-र्यवत दिन से 2 वर्ष की अवधि के लिये उन्हें परिक्षा पर रखा जाता है।

श्री राजाराभ बलैया ने दिनांक 1-7-77 के पूर्वाह्न में महायक प्रणासन-अधिकारी-III के पट पर कार्य भार पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन, जेपुर-कारापुट (उड़ीमा) में सभाला।

एम० पट्टनायक, ले० कर्नल (सेवा-निवृत्त) मुख्य यातिक स्रक्षियंता

त्रिधि, :पाय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्यविभाग)

कम्पनियों के पिनस्ट्रार का कार्यालय

कर्मनी अधिनियम 1956 श्रीर मैसमं धोलपुर एग्रो एण्ड कार्टेज डण्डस्ट्रीज प्राथवेट लिमिटेड के विषय में।

#### ग्वालियर, दिनांक जुलाई 1977

गं 1190-- एम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की अध्याप (5) के अनुसरण में एक्द्रारा यह सूचना दी जाती है कि मेथर्स पोलपुर एप्रो एण्ड काटेन इण्डस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट विधा गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी श्रश्चितियम, 1956 श्रौर मैमर्स राजस्थान कार्न्स कस्पनी प्रायंवट निमिटेंड के विषय में। ग्वालियर, दिनांक जुलाई 1977

मं० 1192 -- कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रन्सरण में एतद्हारा यह सूचना दी जानी है कि मेसर्स राजस्थान फार्मर्स कम्पनी प्रायवेट निमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर ने काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटिस हो गई है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और मेमर्म धोलपुर कोलोनाईजर्स एण्ड एग्रो डवलपर्मेट कस्पनी घाउनेट लिमिटेड के निषय में।

## ग्वासियर, दिनांक जुलाई 1977

सं० 1193—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उनधारा (5) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना की जाती है कि मेसर्स धीलपुर कोलोनाईजर्स एण्ड एग्रो डबलपमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम याज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर मेसर्स धोलपुर एग्रीकल्चरल कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में।

# ग्यालियर, दिनांक जुलाई 1977

संव 1194—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण में एतदृहारा यह सूचना दी जाती है कि मेलर्स धोलपुर एग्नीकल्चरल कम्पनी प्रायदेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रोर मेसर्म धोलपुर हार्टिकल्चर एण्ड एग्रीकल्चर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में ।

# ग्वास्प्रियर, दिनांक जुलाई 1977

संव 1197—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की अपधारा (5) के अनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना ही जाती है कि मैसर्स धोलपुर होर्टिकल वर एण्ड एग्रीकल वर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्म धीलपुर फायनेन्सीयर्म एण्ड इन्वेस्टर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटोड के विषय में।

# ग्वालियर, दिनाक ज्लाई 1977

मं रा 1198--कापनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की जनधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि मैसमें धोलपुर फाइनेन्समें एण्ड उन्वेस्ट्रमें कम्पनी आयवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उन्त कम्पनी विश्वदिस हो गई है।

कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 भीर मेसर्स धोलपुर मर्केन्टाईल एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेंड के विषय में।

#### ग्वालियर, दिनांक जुलाई 1977

सं० 1199—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धोलपुर मर्केन्टाईल एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेंड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उकत कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर मेससं धौलपुर काँमिशियल एंड एग्रो प्राँडक्टस कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में ।

### ग्वालियर, दिनांक जुलाई 1977

सं० 1201—कम्पनी घ्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के घ्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर कौमधियल एण्डोएग्रो प्रोडक्टस कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट विया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जसराज बोहरा, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी मिधिनियम 1956 मौर पंजाब राजस्थान गुडस केरीयर्स प्राईवेट लिमिटड के विषय में ।

# चन्दीगढ़, दिनांक 2 जुलाई 1977

सं० जी/स्टेट०/560/2535—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पंजाब राजस्थान गुडस केरीयसे प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा। ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

सत्य प्रकाण नायल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पं० हि० व चन्दीगढ़

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 न्यू बिल्ट फर्निचर प्राइवेट लिमिटेड (समापन भ्रन्तर्गत के विषय में।

#### कलकत्ता, दिनांक 2 जुलाई 1977

कम्पनी घ्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के घ्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि ध्रादरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 2 जुलाई 1977 के ध्रादेणानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का घ्रादेण दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकता को उपका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक, कम्पिनियों का सहायक रिजस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, कलकसा कम्पनी म्रधिनियम, 1956 म्रौर विदर्भा सिमेंट लिमिटेड के विषय में।

#### बम्बई, दिनांक 29 जून 1977

सं० 17623/560 (3)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधार (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विदर्भ सिमेंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

व्ही० वाय० राणे, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र।

सम्पनीज श्रिधिनियम 1956 भीर फोर्जिग एण्ड कास्टिंग लिमिटेड के विषय में।

#### कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं० 5992-ए/3781-एल० सी०— कम्पनीज् श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन. माह के श्रवसान पर फौजिंग एण्ड कास्टिंग लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्, रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनीज, उ०प्र० कानपुर।

कार्यालय, भ्रायकर भ्रायुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1977

# आवेश सं० 33/रा० अ० 1977-78

सं० ६०-1/पदोन्नित/भाय० श्रिधि० (2)/77-78/2580— अगले आदेश होने तक निम्निलिखित निरीक्षकों को आयकर श्रिधिकारी (श्रेणी-2) के पद पर कार्य करने के लिए ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी 40-1200 के वेतनमान में, उन अधिकारियों को कार्यमुक्त करके जिनके स्थान पर इन्हें तैनात किया गया है, उनके कार्यभार संभालने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है:——

- थी सुरजीत सिंह,
- 2. श्री बी० पी० श्रोक्ता।
- 2. ये पदोन्नतियां :
- (1) बिना सूचना के श्रधिकारी के गायब रहने
- (2) श्रिधकारी के निलंबित रहने के कारण हुई रिक्तियों पर की जा रही है।

यह स्पष्ट किया जाता है कि लंबी श्रवधि के बाद सर्बंधित श्रधिकारी के कार्य पर तौट श्राने या बहाल कर दिए जाने पर यदि उस समय कोई नियमित रिक्ति नही हुई तो पदोन्नत श्रधिकारियों को निरीक्षक के पद पर वाणिस

लौटना पड़ेगा । पदोन्तन किए जा रहे निरीक्षक इस बात का ज्यान रखें।		<ol> <li>इन पदोन्नितयों के परिणामस्वरूप, निम्निलिखत तैनाती व स्थानान्तरण तुरत करने के भ्रादेश दिए जाते हैं:</li> </ol>	
क्रम ग्रधिकारी का पं० नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानान्तरण के बाद तैनाती	ग्रभ्युन्ति
1 2	. 3	4	5
1. श्री बी० दयाल	ग्रायकर ग्रधिकारी डि-3 (1) व 3 (34) का ग्रतिरिक्त कार्यभार ।	श्रायकर ग्रिक्षकारी (जुडि०-1	) श्री जे० सी० मल्होन्ना (स्था- नांतरित) के स्थान पर
2. श्री जे०सी० मल्होत्र	ा श्रायकर ग्रिधकारी (जुडिशि- यल-1)।	म्रायकर मधिकारी डि०-3 ( 1 ) व   3 ( 34 )	) श्री वी० दयाल (स्थानान्तरित) के स्थान पर
3. श्री भगवंत सिंह	मायकर म्रधिकारी डि०-3 (3)	उनकी सेवाएं ग्रायकर ग्रायु	क्त (2) को सौंपी जाती हैं।
4. श्री कें ० एस० मिन्ह	गुन भायकर अधिका <b>री</b> डि०-3(27)	उनकी सेवाए ब्रायकर श्रायु	क्त (2) को सौंपी जाती है।
5 श्री बी० एच० लल	. ,		क्त (4) को सौंपी जाती हैं।
6. श्री जे० एस० शर्मा		v	क्स (4) को सौंपी जाती हैं।
7. श्री मुरजीत सिंह	पदोन्नत होने पर	भ्रायकर ग्रधिकारी तीसर। भ्रतिरिक्त सेलरी सर्किल	कु० नानकी म्रवतारमनि (स्था- नान्तरित) के स्थान पर
8. नानकी श्रवतारमनि क	(कु०) भ्रायकर म्रधिकारी तीसराभ्रति- रिक्त सेलरी सर्किल	उनकी सेवाएं श्रायकर भ्राय	क्त (4) को सौंपी जाती हैं।
9. श्री वी० पी भ्रोह	ग पदोन्नत होने पर	भ्रायकर भ्रधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्किल-1	भ्रगले धादेश होने तक उन्हें भ्रस्थायी रूप से तैनात किया जाता है। वे श्री एम० जी० गर्मा को उस भ्रतिरिक्त कार्य- भार से मुक्त करेंगे जो वे श्री डी० एन० तारा की छुट्टी के कारण सभाले हुए थे।

**म**वतार सिंह, आयकर भ्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली। धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक भागकर शायुक्त (निरीक्षण)

भूमि सं० सि० ग्रर्जन रेंज-III ,कल० का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 30 जन 1977

निर्वेश सं० 391/ग्रर्जन रेंज-ITI/77-78/कल०---यतः, मृद्ये, किणोर सेन,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपण से ग्रधिक है

स्रोग जिसका सं० 68/5/डी है तथा जो बालिगंज प्लेस, कलकता में स्थित है (स्रीर उससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकटर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्थीन दिनांक 17 जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण निव्या निव्या गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण निव्या निव्या गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिनियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ल) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रस्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाष्ट्रिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रत: धव, उक्त घ्रधिनियम को धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269 य की उपधारा (1) के घ्रधीम, जिम्निसिखित व्यक्तियों, ग्रचीत् :--

- श्री केदारेश्वर घोष
- (भ्रन्तरक)

- सर्व श्री:
  - (1) बिज मोहन नियरेषाला
  - (2) मुरारी लाल तिखरेवाला
  - (3) बनवारी लाल तिबरेवाला
  - (4) जगवीश प्रसाद निवरेवाला
  - (5) भूष्ण कूमार तिबरेवाला
  - (6) प्रकाश चन्द्र निबरेबाला
  - (7) प्रमोद कुमार निबरेवाला श्रीर
  - (8) प्रदीप कुमार तिबरेबाला। (श्रन्तरिती)

को <mark>बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त</mark> सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उमत सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुको

68/5/डीं०, बालीगंज प्लेम, अलकत्ता का चार भंजिला कार पाय 3 कठा 2 छटांक जनीन, दलिलासं० 185, 1977 का जो कि रजिस्ट्रार शाफ एसोरेंस करास्ता के सामने रजिस्ट्री किया गया है।

> कियो ( सेन, प्रजन रेंज-III जलकत्ता 54, र**फी श्रहमद** विद्वाई रोड कलकत्ता-16।

दिनांक: 30 जुन 1977।

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०-----

%।यकर अधिनियम, 1801 (1961 वा 43) की।

घःरा 2.69-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्राई० एस० एक्यू रेंज- II कल 0 का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1977

निर्देश सं० एस० 10/म्रार०-II77-78~--यतः, मुझे म्रार० भी० लालभीया.

धायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269 ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ध्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 237/17-एस० हैं तथा जो डायमण्ड हारबर रोड, पी० एस० श्रलीपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, श्रलीपुर सदर 24-पराकास में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1-11-76 गो

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अर्थ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई विसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रज, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मग्रीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—

া श्री नन्दल(ल जालान

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सीता देवी जालान श्रीर जवाहर मल जालान (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्र**जंन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीव। व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रमुक्त गव्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20क में यथापरिभाषित है, बही ऋषं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुद्धी

सम्पत्ति नं2 23-ग/17-ग्स०, डायमण्ड हारवर रोड. कलकत्ता, पी० एस० श्रलीपुर में तीन मंजिला पलेढ नं० 3/सी है।

जमीन का परिमान 1720 स्क्बेयर फुट है।

आर० भि० लालभोया. महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 11, रफाअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-161

दिनांक 5 जुलाई 1977। मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन, सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्राई० एसी० एकई० रेंज-II कल० का कार्यालय

निर्देश सं० एस० 11/म्रा<sup>--</sup>०- | 77-78 | कल०—यतः, मक्को, म्राप्ट भि० लालभोया.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 23-ए० 17 है तथा जो डायमण्द हारबर रोड, पी० एस० श्रलीपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिसीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय सब-रजिसार, श्रलीपुर सदर 24-परगनास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1809 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-11-76 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रम, उक्त र्घाधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त घिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रणीतः —— 1. श्री ईन्दर चौंद जालान

(श्रन्तरक

2. श्रीमती परंद लाल जालान श्रॉंग श्रीमती शास्ति देवी जालान (श्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहां श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 23-ए०/17-एस० डायमण्ड हारबर रोड. पी० एस० म्रलीपुर, पंचम तला में फ्लेट नं 5-सी० है। जमीन का परिमान 1720 स्क्वेयर फुट है।

> अ।र० भि० लालभोया, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 14, रफीग्रहमद कियव।ई रोड,

> > क्लकवात-16 ।

दिनांक 5 जुलाई 1977। मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राई० ए० सी० एक्युजिशन, रेंज-II का कार्यालय कलकत्ता दिनांक 5 जुलाई 1977

निर्देश सं० ए० सी०-12/स्रा $^{7}$ ०-II/77-78---यतः, मुझे स्रार० वी० लालभीया,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23-0.0/17-17स० है तथा जो डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-53 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब-रिजस्ट्रार, श्रलीपुर सदर, 24-परगनास में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 25-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर (भन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धिधिनयम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिथाने में सुविधा के लिए:

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत् :--- 1. मैं० जे० बी० इन्वेस्टमेंट ट्राफ्ट, 10, बी० ग्रार० वी० वी० रोड, कलकत्ता-1 (श्रन्तरक)

2. श्री मन्ना लाल जालान पी० 35, बी० के० पाल ए.बैन्यू, कलकत्ता-5। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों झीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, नेः ब्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

प्लाट 4/सी०, बसन्त बिहार, 23-ए/17-एस० डाटगण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-53।

> श्रार० वी० लालभौया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 54 रफीश्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16।

बिनांक 5 जुलाई 1977 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्राई० ए० सी० एक्यू रेज--II कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1977

निर्देश सं० ए० सी० 13/श्रार०-II/कल०/77-78---यतः, महो. श्रार० वी० लालभोया.

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' वहागया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 23/17-एस० है तथा जो डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी कार्यालय सब-रिजस्ट्रीर, भ्रलीपुर सदर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रात्तिरत की गई है और मुझे यह विष्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पिर यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात श्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में भुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण भें, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रथील् :--- मैसर्स जी० बी० इन्बेस्टमेंट ट्रस्ट (भन्तरक)

 श्री इन्दर चन्द जालान ग्रीर श्रीमती चन्द्रकला जालान (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या सत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर वदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

"वसन्त बिहार" मकान नं० 23/10-एस०, श्रायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता में एक फ्लेट है, जमीन का परिमाण 1660 स्क्वेयर फुट है।

> धारं बी कलालमोया, सक्षम प्राधिकारी, संहायक अध्यक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 24 रकी बहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16।

बिनांक 5 जुलाई 1977। मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भाई० ए० सी० एक्युजिशन रेंज-II कलकसा, दिनांक 5 जुलाई 1977

निर्देश सं० ए० सी०-14/प्रार०-II/कल०/77-78---यतः, भुक्षो, श्रार० वी० लालमोया.

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 23-ए/700-ई है तथा जो कायमण्ड हार-बर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय रिजस्ट्रार आफ एशुरेंस, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है ग्रीर यह कि भन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाग्नत उपत ग्रिधिनयम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिविनयम था भन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

भतः, तथः, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के धमुद्धरण में, में, उस्त अधिनियम की घारा 269-भ भी अपनारा (1) के प्रजीन निम्मिणिवत स्थितियों, अपनिहः—

- श्रीमती सुधारानी बसु, 23/3, गोरयाहाट रोड, कलकत्ता (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम गोपाल मिस्न, 69-सीं |ई० ब्लाक पी० त्यू म्रालम पुर, कलकत्ता-43 (मन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकोंगे।

स्पाका करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन 4.02 [काठा, 23-ए/700-६० डायमण्ड हारबर रोड, कलकता।

द्यार० बी० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II कलकत्ता 24 रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकता-16

दिनांक : 5 जुलाई 1977

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, दिल्ली-14/14 क, श्चासफश्चली रोड, नई दिल्ली-1नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1290/मार्च-2(3)/ 76-77----ग्रतः, मुझे, जे० एस० गिल, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/-रुपए से मधिक है श्रीर जिसकी सं० 21 ब्लाक 127 है तथा जो हनुमान रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 19 मार्च 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त भ्रिष्ठितयम, के भ्रिष्ठीम कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

महीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या प्रान्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: मब, उनत अधिनियम, की धारा 269-न के मनुसरक में, मैं, उक्त मधिनियम, की घारा 269-न की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- 1. श्री कैलाश कुमार दिलवाली पुन्न श्री बी० के० दिलवाली, निवासी 22, जोर बाग, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- 2. मैं० प्रिया इन्टरप्राईज मोल प्रोप्राईटर श्रीमती के० बल्कर पत्नी श्री एस० टी० श्रलुकर, निवासी 59/27, डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्वंन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यवितयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पद्यों का, को उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ढाई मंजिला बंगला जो कि प्लाट नं० 10 जिसका क्षेत्रफल 4063.75 वर्ग फुट ब्लाक नं० 127 जिसका म्यूनिसिपल नं० 21 जो कि हनुमान रोड़, नई विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

उत्तर : मैन रोड,

पूर्व : जायदाद नं० 2.3

दक्षिण : सर्विस लेन

पश्चिम : जायदाद नं० 191

जोगिन्दर सिंह गिल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज-1, विल्ली, मई विल्ली-1

क्तिकः 28 जून 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 4/14क, श्चासफद्मली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 जुन 1977

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/1176/नव० 1(1)/76-77—म्रत: मुझे, जे० एस० गिल, आयक्तर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई०-271 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिश्तिष्टम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; यौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: थ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रवसरण में,में उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्तलिखित, व्यक्तियों, ग्रर्थात् ——

- 1. कौरा राम छावड़ा पुत्र श्री फतह चन्द, निवासी
  37 ईस्ट केनल रोड, देहरादून, जोकि ग्राजकल फलेट नं०
  33-डी० ब्लाक ग्रीर पाकेट बी०, जनकपुरी, नई दिल्ली
  (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गनवन्ती टी० मीरचन्दानी पत्नी स्व० श्री टी० एन० मीरचन्दानी निवासी ई-87 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (श्रस्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यवितयों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य न्यदित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुवत शब्दों ग्रीर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनयम, के शब्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

#### ग्रमुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट नं० 271 जिसका ब्लाक नं० ई०, क्षेत्रफल 249 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटरकेलाश-II नई दिल्ली, 48 के गांव बहापुर में निम्न प्रकार चिरा हुआ है:—

पूर्व : मकान नं० ई-269 पश्चिम : मकान नं० ई-273

उत्तर : सर्विस लैन दक्षिण : सष्टक

> जोगिन्दर सिंह गिल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 28 जून 1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 दिल्ली-14/14क, श्चासफग्नली मार्ग, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1977

निर्देश मं० ध्राई० ए० सी०/एनयु० 1/1201/दि० 1 (1)/76-77—यत: मुझे, जे० एस० गिल, धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ध्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ए-19 है तथा जो निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक 1 दिसम्बर 1976 को

पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्
प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्स श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घ्राय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्:--- 1. श्री निरमल कृष्ण उप्पल पुत्र श्री बी॰ एल॰ उप्पल, निवासी श्रार-28, माडल टाउन, ग्रम्बाला (हरियाणा)

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती णोभा अरोड़ा पत्नी स्व० श्री यू०एस० अरोड़ा, ए-19, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली (ग्रन्तिरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधनियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिले सरकारी क्वार्टर लीज होल्ड ब्रिधिकारों सहित जिसका नं० ए-19 जो कि निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है:—

उत्तर : सर्विम लैन

पूर्व : प्लाट नं० ए-18 पूर्वी निजाम्हीन

दक्षिण : सङ्क पश्चिम : सङ्क।

> जोगिन्दर सिंह गिल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 30 जून 1977

पक्ष प्राई० टी० एन० एस० ----

आयकर श्रधितियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क. श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1977

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० III/1230 (5)/76-77—यतः, मुझे, ए० एल० सूद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मी० 41-ए का श्राधा हिस्सा है तथा जो शिवाजी पार्क, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-76 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान प्रसिप्तस के लिए अन्तिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिमात से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तिनित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत श्रन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर धिधिनयम, 1922 (1922 वा 11) या 'उनत धिधिनयम' या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

ग्रत: श्रव, उबत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिंखत व्यक्तियो, श्रर्शत .—-4—166GJ/77

- श्री सलेख चन्द गुप्ता, बी० ए०, बी० टी० पुत्र श्री कपूरिया मल, निवासी गांव व पोस्ट डान्सा, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. (i) श्री विजय कुमार बन्मल, (ii) श्री शंकर दास बन्मल पुत्र श्री जय नारायण बन्मल ए०-21 शिवाजी पार्क, रोहनक रोड, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मिकि ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षप-

- (क) इस गूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
  कूचना की नामील में 30 दिन की श्रविधि, जी भी
  श्रविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीनत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस राचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनु सूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 511 वर्ग गज है का श्राधा हिस्सा जो कि सी $\circ/14$ -ए० णिवाजी पार्क, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : मड़क

पूर्व : प्लाट सी०-41-ए का बाकी हिस्सा

पश्चिम : प्लाट सी०-89 ए दक्षिण : प्लाट नं० सी-40

> ए० एल० सूद, सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 2 जुलाई 1977।

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुवस (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1
4/14क, भासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 1 जुलाई 1977

निर्देश सं० भाई० ए० सी० /एक्यू०/III/1238/2/76-77 ——•प्रतः, मुझे, ए० एल० सूद मायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये रे। ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० एफ-10 है तथा जो भगवान दास नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 20-11-76 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वायस सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों)भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही

(क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बादत, उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धनया भ्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धनकर भ्रिधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निकित व्यक्तियों अर्थातु :---

- 1. श्री राम सिंह पुत्र श्री केसर सिंह (2) श्री दीवान सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह 346 रानी बाग, शक्र बस्ती, दिल्ली। (श्रन्सरक)
- श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री ग्रार० एल० जैन,
   श्रशोका पार्क एक्सटैन्शन, नई दिल्ली-26 (ग्रन्निर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूलना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त ग्राधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुषुची

एक मंजिला मकान जो कि 339 वर्ग गज के फीहोल्ड प्लाटपर बना है जिसका नं० एफ०-10 है फ्रौर भगवान दास नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

उत्तर : प्लाट नं० एफ-11 दक्षिण : प्लाट नं० एफ 9-ए,

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

ए० एल० सूद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांकः 1 जुलाई 1977।

मोहरः 🌣

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1977

निर्देश सं श्राई० ए० सी० एक्यु० III/ 577(11) / 76-77 — अतः मुझे ए० एल० सूद,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मूल्य 25,000/- रुपए स आधक ह

श्रौर जिसकी सं० 123-124 है तथा जो डबल स्टोरी,
न्यु रिजन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में पूर्व रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकरिण श्रिधकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरिण श्रिधकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरिण श्रिधकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरिण श्रिधिकाम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-11-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तित की गई है भीर
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और श्रन्तिएक
(श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रर्थातु:-- (1) श्री लक्षमण दास पुत्र श्री तिहल राम निवासी 123 डबल स्टोरी, न्यू रिजन्द्र नगर, नई दिल्ली रिजस्ट्र ग्रटारनी श्री मनोहर सिंह भल्ला पुत्र श्री सुन्दरसिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी०ए० टेकचन्दानी पुत्न श्री ए० डी० टेकचन्दानी, निवासी 124 डबल स्टोरी, न्यू रिजन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री भारत भूषण (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उबत ग्रिधिनियम, के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दो मंजिला सरकारी बना क्वार्टर नं० 123, 124 जी कि न्यू० रिजन्द्र नगर, नई दिल्ली मैं निम्न प्रकार से स्थित हैं:—— उत्तर : लेन,

दक्षिण : स**ड़**क पूर्व : खाली जगह

पश्चिम : मकान नं० 121/122

ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज III, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख : 2 जुलाई, 1977

फार्यालय, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्गन रेंग III, दिल्ली -1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 77

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी० / एक्यू०/ III/ 1239 (4)-76-77:—प्रतः मुझे, ए० एल० सूद धायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— र० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए० 12 है तथा जो इन्दर पुरी नई दिल्ली में स्थित है ( ग्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है ), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख नवस्वर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रिति-फल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोतित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीस, निम्निजिस व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) श्रीमती साधना थावनी पत्नी डा० हीरो थाव र्नी निवासी 2 ए० विलिग्डन हौसिपिटल, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री कें एल खुराना निवामी ए० 559 कालका जी नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० ए० 12 है और 207. 1/2 वर्ग सज भूमि के प्लाट पर बना है तथा इन्दर पुरी नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तरः सर्विम लेन पूर्वः प्लाट नं० ऐ० -11 पश्चिमः प्लाट नं० ऐ० -12

दक्षिणी : सड़क

ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ना**रीख** : 2 जुलाई, 1977

प्रह्म ग्राई० टी० एन० एस०----

थायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली-1
्र/14क, आसफअली वार्ग, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनाक अलाई, 77

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० / एनए० / III/ 565 (4)/
एस० आर० III/ नवस्वर/76-77 -- का मुझ, ए० एल० सूद, धायकर शिधित्यम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उवत शिधित्यम' नहा रक्षा है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिनारी के, यह विश्वास करने मा नारण है कि स्थावर स्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पाए से शिधिक है ग्रीर जिसकी सं० 14/2613 तम 2636 है, तथा जे। बदनपूरा, करोल वाग, नई दिल्ली में स्थित है

(ग्रीर इससे उपाबद्ध ्रिंग्रन्युची में पूर्ण रूपासे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी ये कार्यालय दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकृकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिपल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे थह विश्वास परने वा बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उस्त ग्रिधि-नियम, वे श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रब, उक्त श्रिधिनयम, की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थातः—

- (1) 1. श्रीमती तेज कौर पर्त्ता, स्वर्गीय श्री कृपा राम ग्रोबराय, निवासी 4/2613, बेदनपुरा, करौलबाग। नई दिल्ली।
  - श्री मनोहरलाल, सुयुव श्री कृषा राम, निवासी ए०-33 फ्तेह नगर, दिल्ली।
  - 3. श्री मुरिन्द प्रकाश मुपृत श्री कृपा राम, निवासी 7/33, श्रन्भारी रोइ, दिश्यागंग, दिल्ली। अपने लिए तथा (4) श्री हरबन्स सिंह श्रोबराय, मुपृत्र श्री कृपा राम के लिए स्पैशल श्रदाश्नी।
  - 5. श्री वरणजीत, सुभुत्र स्वर्भीय श्री कृपाराम ग्रोबराय, निवासी सी०-23 ग्राक्त नगर, दिल्ली-52

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान भाग, पत्नी सरदार राजा शिह. 2635, वैक स्ट्रीट, कराल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मैं० मैटरो डाइवलीनरस

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस र्चना के राजपत्त में प्रकार ने की तारी ख से 45 दिन की प्रविध में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत ग्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकाकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

एक मजिला मकान जोकि 122 बर्ग गंज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं 0 14/2613 तथा 2636 है, लीज होल्ड प्लाट पर जिसका नं 010 है, बेदनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : खसरा नं० 252 पश्चिम खसरा नं० 250

उत्तर : रोड़ दक्षिण : स्ट्रीट

> ए० एल० सूद सक्षम अ**धिकारी**

सह।यक <mark>श्रायकर</mark> ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 6-7-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर फ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज' III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुन, 1977

निर्देश मं श्राई० ए० मी । एक्यू० / III / 1244 (4) / 76-77: श्रतः मुझे, ए० एल० सूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 17 है. तथा जो श्रणोक नगर मन्यू निपल मानिट दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976

(1908 का 16) के अधीन, तीराख दिसम्बर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और भन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त द्याधिनयम, के श्रधीन कर देने के झन्तरक के दाथिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत:, ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:--

- (1) श्री बृज किशोर पुत्रश्री बाबू राम निवासी एफ० के 472 कष्णा गली कोटला मुबारकपुर नई दिल्ली (श्रम्तरक)
- (2) श्री श्रमर नाथ पुत्र श्री चौधरी राम निवासी डब्ल्यू० जैंड० III ए० शिव नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान नं० 17 जो कि ग्रशोक नगर, मन्यू सिपल्ल मार्किट ग्रशोक नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर : खाली जगह दक्षिणी : सड़क । पूर्व : दुकान नं० 18 पश्चिम : दुकान नं० 16

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III ; दिल्ली ; नई दिल्ली

तारीख : 30-6-1977

प्ररूप प्राई०टी०एन० एस०——— घायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

वायलिय, सहायक शायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज दिल्ली -1 नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई, 1977

निर्देश सं श्राई० ए० सी० | एक्यु० | II | 1262 | 7 | 76-77:—- अतः मुझे, ए० एल० सूद आयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रीधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 |- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी संव डब्ल्यूव जैंडव -33 है तथा जो प्लाट नंव 9एव, कृष्ण पुरी दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14/1/1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिध-नियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त्र) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-वर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्— (1) श्रीमती राज रानी उर्फ वीरा अलि। पत्नी श्री प्राणनाथ बक्शी, निवासी डब्ल्यू० जैंड०, 33 ए०, कृष्णापुरी दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज राती बिन्दरा पर्ता श्री कृष्ण लाल बिन्दरा निथासी डब्ल्यू० जैड -33 कृष्णापुरी निलक नगर के पास, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति श्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं० 9 ए० पर, जिसका क्षेत्रफल 166. 2/3 वर्ग गज है, बना है भ्रौर कृष्णापुरी दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर : सङ्क

दक्षिण : मकान नं० 18

पूर्वः गली 10फुट

पश्चिम : मकान नं० 33 ए०।

ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2/7/1977

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

वार्यालय, सहायव रायकर धायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कार्यालय काकिनाडा, दिनाक 28 जून, 1977

सं० ऋष्टि० ए० सी० नं० ३९६ :—यतः, मुझे एन० के० नागराजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम घरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- इपमें से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० 340/2 बी० राजमन्द्री है, जो राजमन्द्री में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है ), रिजिस्ट्रीफर्ना अधिकारी के कार्यालय राजमन्द्री में भारतीय रिजिस्ट्रीफरण शिंघिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख 23-11-1976 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उबत अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित गई किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की श्रावत, जनत ग्राध-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- ख) ऐसे किसी छाय या किसी धन या भन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मिध-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के श्रिधीन, निम्मिल खित व्यक्तियों श्रयात — (1) श्री रेड्डि रामचन्द्राराय राज्यसन्द्री

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारायणवास, राजमन्ड्री

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मकिन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 तिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी शन्य क्यवित द्वारा शशोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्नों का, जो उक्त श्रिष्ट-नियम वे श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अभुमुखी

राजमन्द्री रिजिस्ट्री ब्राधिकारी से पाक्षिक यत 30-11-76 में पंजीकृत दस्कावेज नं 3963/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुद्ध (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाड हैं

तारीख: 28-6-77

प्रक्ष भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

वार्यालय, सहायक भ्रायक्षर भ्रामुक्स (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 जून 1977

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 397 :—यतः, मुझे एन० के० नागराजन,

भायकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से श्रिविक है।

श्रीर जिसकी सं० 552, वार्ड नं० 3 श्ररन्डले पेट हैं, जो गुनुट्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गुन्दुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 6-11-76

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच, ऐसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उक्त ग्रिश्वितयम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितयम, या धन-कर भिष्ठितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छापने में सुविधा के लिए।

भतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के बाधीन, निम्मविखित व्यक्तियों, धर्मात्:— (1) श्री रामिनेनि श्रंकम्मा गुन्दूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रहमल्ल रामिरेड्डि , गुन्टूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिण्यः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के झध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस झध्याय में विया गया है ।

# अमुसूची

गृन्ट्र रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5088/76 से निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, स**क्षम प्राधिकारी,** स**हाधक मायकर मायुक्त (निरीक्षण),** अर्जन रेंज, काकिना**डा**

तारीख : 28-6-1977

मोहर:

5—166GI/77

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर श्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा काकिनाडा, दिनांक 30 जून 1977

सं० श्रार०ए०सी० नं० 398 :— यतः मुझे, एन० के० नागराजन

ब्रायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 5-28-109 भीमवरम है, जो भीमवरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाब ब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भीमवरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-11-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269क के ग्रमु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269क की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, ग्रयीत्:—-

- (1) श्री गडन्नाडि स्त्यन्नारायणा, भीमव<sup>र</sup>म (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी करिमेरका अय्यन्न, भीमवरम (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त ग्रधिनियम के ग्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भीमवरम रिजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पांक्षिक ग्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2948/76 में निगमित ग्रनुसूची संम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रुजंन रेंज, काकिनाडा।

**सारीख : 30-6-1977** 

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, काकिनाडा काकिनाडा, दिनांक 5 जुलाई 1977

सं० म्रार० ए० सी० नं० 399 :----यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- हपये से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं 16 हाजी साहेब पेटा है, जो विजयनगरम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकर्रा ग्रिधिनारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 1-11-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हैं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः भव, उन्त मिधिनियम की धारा 269म के धनुः सरण में, मैं, उन्त मिधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के मिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) 1. श्री जि॰ सत्यनारायण 2. जे॰ सीतारामूर्ती,
  3. श्री जे॰ रात्यसुन्दरराव 4. जे॰ जानकी
  रामवतारम, (5) जे॰ सूर्याराव, विजयनगरम।
  (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती थन्डमूरि राजरत्नम 2. यन्डमूरि इस्वरराव, विजयनगरम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विम की श्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध खाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, खो उक्त भिन्न-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

विजयनगरम रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्सावेज नं० 3200/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, काकिनाडा।

**तारीख:** 5-7-1977

## प्रकप भाई० टी० एन० एस० -

# भायकर घिवित्यम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त, निरीक्षण

ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 जुलाई, 1977

सं० म्रार०ए०सी० नं० 400:—यतः, मुझोएन० के० नागराजन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है)की धारा 269 च के भ्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ए० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7, 13, 14, श्रीर 15 हाजी साहेब पेट है, जो विजयनगरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-11-76 को

का 16) के प्रधीन, तारीख 1-11-76 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त ग्रिंगियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर; या
- (का) ऐसी कि नी आप या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम,' या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-न के घनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:-- (1) श्री जे॰ सत्यन्नारायणा, (2) जे॰ सीतारामूर्ति, (3) जे॰ सत्य सुन्दराराय, (4) जे॰ आनकी रामवतारम, (5) जे॰ सूर्याराय विजयनगरम।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) यन्डपल्ली बोज्जय्या, (2) श्रीमती यन्डपल्ली वेंकटरमनय्या, विजयनगरम ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त शक्ति-नियम,' के शब्दाय 20-क में यद्या परिभाषित हैं, बही सर्वे होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

विजयनगरम रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3239 76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागरा जन, स**लम प्राधिकारी,** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 5-7-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1977

निवेश सं० 3715/76-77---यतः, मुझे, एस० राजरट-नम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के

श्रद्यीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्नका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से अधिक है

न्नीर जिसकी सं**०** 45/3 टी० एस० सं० 3324 है तथा जो वार्ड 6, तन्जाऊर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० म्रांर० 1, तन्जाऊर (डाक्मेण्ट 2771/76) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारी**ख** 18-10-1976।

- प्रवॉक्त सम्पत्ति उचित के को बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिप भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्त⊩ रितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; धीर/या
  - (ख) ऐसी किसी पाय या फिसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 1.1) या खक्त मधिनियम या धन-कर मधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

थतः घव, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के घमुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० नरसिंहन; एस० रामराजन; एस० संपत्त; श्रीमती चित्रा धाराम्दन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० बालामनि श्राचि

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करकेपूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारीखा से 45 दिन की अथि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी शन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आप सर्केंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वही धर्ष होना को उस घष्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

तन्त्राउर, नन्चिकोट्टै रोड, डोर सं० 45/3 में भूमि और मकान (सन्जाऊर वार्ड सं० ६, टी. एस. सं० 3324)।

> एस० राजरटनम, सक्षम अधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-, मद्रास

सा**रीख: 4-7-**77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर धायुवन (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$ , मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 4 जुलाई 77

निदेश सं० 5341/ 76-77: --- यतः, मुझे, एस० राज-रहवम,

भायकर ग्रिशिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रिशी सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिशिक है

भौर जिसकी सं० 20/1 रंगनाथन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास 17, में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० धार० II, मद्रास नार्थ ( डाकुमेन्ट 4147/76), में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भक्तूबर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या जन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थौत्:-- (1) श्री एस० योगरत्नम, एस० राजरटनम; एस० नवरत्नम, श्रौर एस० सेल्बरत्नम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० एस० रत्नम

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैंस के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्म होगा, जो उस भश्याय में विया गया है।

## अनु**सूच**ी

मद्रास, टी० नगर, रंगनाथन स्ट्रीट डोर सं० 20/1, में  $2\frac{1}{2}$  ग्रउण्ड की भूमि (मकान के साथ)

एस० राजरटनम, **सक्षम प्राधिकारी,** सहायक **धायकर धायुक्त (निरीक्षण),** ग्रजैन रेंज-<sup>IL</sup>, मद्रास

तारीख : 4-7-77

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याक्षय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रज-II, मत्रास-६००००६

मद्रास-600006, दिनांक 30 जून 77

निदेश सं० 5349/76-77 :---यतः, मृक्षे, एस० राज-

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 2, जगडाम्बाल स्ट्रीट, है जथा जो मग्रास 17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० I सैदापेट (डाकुमेन्ट 755/76), में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नव-म्बर, 1976 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झम्तरित की गई है झौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से झिंछक है और झन्तरक (झन्तरकों) और झन्तरिती (झन्त-रितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्यात नहीं किया वया है:—

- (क) धन्तरण से धुई किसी धाय की वावत उकत धांधानियम के धांधान कर देने के धन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उकत ग्रिप्तियम की घारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिप्तियम की घारा 269-घ की उपग्रारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री भार० राममूर्ति;
श्रीभार० सुत्रमनियन;
श्रीभार० जयरामन;
श्रीभार० पूर्यकुमार;
श्रीमती भार० रामतिलगम;
श्रीमती भार० बदमा;
श्रीमती कोकिला नागराजन;
श्रीमती श्रार० मैतिलि; भौर
श्रीमती सत्यवामा

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सीतासिद्दम श्रम्माल

( मन्तरिती )

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

उक्त संपाल के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, नहीं धर्य होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

## समुसुची

मद्रास 17, टी० नगर, जगडाम्बाल स्ट्रीट्र, डोर सं० 2 में 4 ग्रउण्ड भ्रौर 204 स्कुयर फीट (मकान के साथ)

> एस० राजरटनम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भाषुक्त (निरीक्षण). ग्रजन रॅज, मद्रास

**सारीख: 30-6-77** 

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून, 1977

निदेश सं॰ 5369/ 76-77 --- यतः, मुझे, एस० राज-रतनम

प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 25,000/- दे ग्राधिक है

भीर जिसकी प्लाट सं० 9 भीर 10, केयित गार्डन्स, कर्पगम भवन्यू ; सान्तोम, मद्रास, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता भिक्तारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास ( डाक्सेन्ट 1202/76) में, रिजस्ट्रीकरण भिन्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 25-11-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिंचित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंघित्यम, या घन-कर मिंघित्यम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की घारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्णातः—

- (1) श्री एस० एन० लाल श्रीर श्रीमती सरला लाल (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बी० प्रमेस्वरि

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मद्रास, सान्तोम, सौत बीच रोड़, में 2.52 ग्रंडण्ड जिसका भार० एस० सं० 4297/1 (भाग ) (प्लाट सं० 9 ग्रीर 10, ले ग्राउट 136/71) (डाकुमेन्ट 1202/76)।

> एस० राजरतनम सक्षम अधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त, श्रजैन रेंज-II, मद्रास

सारीख: 30-6-7**7** 

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-II मद्राम

मद्राय-600006. दिनांक 30 जून, 1977

निदेश सं० 5373/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरतनम् ।

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उथत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 45/4 ए, न्यू सौत वेस्ट बोग रोड, मद्राम-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण म्प मे वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्राम (डाकुमेन्ट 1010/76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-11-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्य-मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (भ्रन्तरको) भौर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--~

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त धिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :---

(1) श्री बी० तरकरामन

(श्रन्तरक)

(2) श्री जी० मुदाकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीसर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्धों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होना, जो उस श्रध्याय में दिया है।

## अनु**सूची**

मद्रास 17, टी० नगर, न्यु सौत वेस्ट बोग रोड, डोर सं० 45/4 ए में 2 ग्राउण्ड श्रौर 1464 स्कुयर फीट (मकान के साथ) (श्रार० एम० सं० 151/2; टी० एस० सं० 7425/ 4)।

> एस० राजरसनम स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

नारीख : 30-6-1977

प्ररूप भाई० टी० एम० एस० --

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के शिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-ध, मद्राम

मद्रास, दिनांक 30 जून 1977

निवेश सं० 5379/ 76-77:---यन:, मुझे, एस० राजरतनम्,

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट सं० 5026, श्रश्ना नगर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० प्रमास (डाकुमेन्ट 4494/76) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनत प्रिधिनयम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्निस्वित व्यक्तियों, प्रथीत :--- (1) श्री बी०एन० किट्टप्पा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० गजेन्द्रन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उन्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्प**ध्धीकरण:---इसमें प्रयु**वत शब्दों भौर पदों का, जो उन्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित**हैं**, वही श्रर्थ होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

#### अनु सुची

मन्नास, मन्ना नगर, प्लाट सं० 5026 में 1 ग्राउण्ड भ्रौर 1200 स्क्युर फीट (मकान के साथ)।

(मद्रास, वेस्ट ग्र० ग्र० नगर, ब्लाक मं० पांच, पहला स्ट्रीट, प्लाट सं० 5026) (डाकुमेण्ट 4494/76)।

> एस० राजरतनम् सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीख: 30-6-1977

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प(1) के प्रधीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 60/61, एरंडवना, क**र्वे** रोड, पूना पूना-411004, दिनांक 2 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/कोपड़ा/ग्रक्तू०'76/ 333 — यतः मृक्षे, श्रीमती पी० ललवानी,

प्रायकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव सव कव 5, 6, 7, 8, 8 ए, 9, 10, 11, 12 और 13 है तथा जो चोपडे, जिव जलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण हुए से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चोपड़े में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तुबर 76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया अतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किसत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त आहि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) एंस्री किसी धाय या किसी धन या धन्य शास्तिकों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जामा चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के खिबे;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिमियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपप्रारा (1) के प्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री चन्द्रकांत फकीरचन्द अग्रवाल, इंदौर (एम० पी०)।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रमीरचन्द मदनलाल ग्रग्नवाल, चोपद्या, जि० जलगांव।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिमे एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिशा क्या है।

## अनुसूची

स० ऋ० 5, 6, 7, 8, 8 ए, 9, 10, 11, 12 और 13 चोपडा, जि० जलगांव जनीन और इसके उपर की विल्डिंग और मशीनरी, जमीन का क्षेत्रफल 1184 वर्गयई स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 629 श्रक्तूबर'76 को सब-रजिस्ट्रार, चोपडा के दंपतर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मामुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, पूना

तारीख. 2-7-1977

मोइर:

## प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

**अर्जन** रंग, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1977

निर्देश मं० सी० ए० 5/जलगोब/श्रक्तृत्रर 76/334—यनः मुक्षे श्रीमती पी० लखवानी

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियमं कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी मं० सी० टी० एस० क० 1982 (पार्ट). विसनजीनगर, जिल्लापेठ जलगाव है, तथा जो जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण म्लप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जलगांव में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भीर अन्तरित (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) ध्रन्तरण से हुई िकसी ध्राय की बाबत, उक्त घिधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब, उक्त भिवितियम की धारा 269 ग के श्रमुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की घारा 269 च की उपधारा (1) के भिधीन, किम्तिकित व्यक्तियों प्रयोगः:---

- (1) 1. श्री स्वातिक चन्द्र दामोदर वेद
  - 2. श्री हरीभाई दामोदर वेद
  - 3. श्री हरगों विद दामोदर वेद
  - 4. श्री प्रवीतचन्द्र दामोदर वेद

सभी रहने वाले, जिल्लापेठ, विसनजीनगर, जलगांव (अन्तरक)

- (2) श्री कुमनदास विसनजी वेद, नवीपेठ, जलगांव (भ्रन्तरिती)
- (3) 1. श्री त्रियक गामराव धोबी
  - 2. श्री रामदास फकीरा शिरसाके
  - 3. श्री रामदास फकीरा शिरसाके
  - 4. श्री रामदास न्वशीराम लोहार
  - श्री रमेण श्रीधर गंगापूरकर
  - 6 श्री पारसमल समर्थमल गांधी
  - 7. श्री रामदास राधु पाटील
  - श्री दगडू रामचन्द्र कदम
  - 9. काणीनाथ यकाराम खड़क

सभी रहने वाले 53 से 90 तक. जिला पे०, विसनजीनगर, जलगांव ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धिकरण: - इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रध्याय 20क में परि-भाषित है, वहीं श्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमु सूची

प्राप्तर्टी सी०टी० एस० क० 1982 (पार्ट) जमीन ग्रॉर मकान, विसनजीनगर, जिल्हा पे०, जलगाव।

(जैंस कि रजिस्ट्रीकृत्त विलेख ऋ० 1469 य, दि० 29-10-76 को सब रजिस्ट्रार जलगांव के दफ्तर में लिखा है )।

> श्रीमती पी० ललवानी मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख : 6-7-1977

## प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भंटिका कार्यालय

भंटिडा. दिनांक 2 जुलाई 77

निदेश नं० ए०पी० ७ / ७७-७४:—-यतः, मुझे, पी० एन० मलिक.

षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिमारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है, तथा जो अंकर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण चप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुवर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और अन्तरन (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः स्रब, उमत श्राधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उम्त श्रिधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रियोत् :--- (1) कुमारी राजिन्द्र कौर पुत्नी श्री अर्जन सिंह, द्वारा श्रवतार सिंह चन्ना पुत्र श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री नत्था सिंह, गांव शंकर तहसील नकोदर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह पुत्र श्री इन्द्र मिहगांव गंकर तहसील नकोदर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहम्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की सार्राख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिसबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त जन्दों श्रीर पदां ना, जो 'उम्स श्रधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथे हागा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

17 कनाल 10 मरले जमीन जो गांव शंकर तहसील नकोदर में हैं जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1704, 1976 अक्तूबर में है ।

> पी० एन० मिलका, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भंटिडा

तारीख: 2/7/7*7* 

प्ररूप श्राप्टी टी० एन० एस०------

आयकर ग्रिवितम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज भंटिङा

भंटिडा, दिनांक 2 जुलाई 77

मं०नं० ए०पी० 6/72-78:—यतः, मुझे पी० एन० मिलकः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मृह्य 25,000/- २० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संव जैसा कि श्रनुसूची में दिया गया है। तथा जो शंकर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नकोदर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तबर, 1976।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण विखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के म्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रबं, उक्त श्रधिनियमं, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्: ——

(1) श्री राजिन्द्र कौर पुत्री श्री म्रर्जन सिंह द्वारा भ्रवतारी सिंह चन्ना गांव शंकर तहसील नकोदर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती करतार कौर विधवा दौलत सिंह गांव णंकर तहसील नकोदर ।

(भ्रन्तरिनी)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है, (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति धारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

19 कनाल 18 मरले जमीन जो कि गाव शंकर तहसील नकोदर में है जैसा कि रिजिस्ट्री नं० 1705 श्रक्तुबर, 1976 में है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भंटिडा

तारीखा : 2/7<sup>1</sup>77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन मूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भंटिङा कार्यालय भंटिङा, विनाक 2 जुलाई 1977

निवेण नं० ए० पी० 10/77-78-स्यतः, सुझो, पी० एन० मिलक,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के मिनियम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूहम 25,000/- क्पए से भ्रष्टिक है

श्रौर जिसकी संब्धनुसूची में दिया गया है तथा जो शंकर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तुबर, 1976 को

पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को जिन्हों भारतीय झाय-कर झिंधनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त झिंधनियम, या धन-कर झिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीम; निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) कुमारी ज्ञान कौर पुत्नी अर्जन सिंह द्वारा श्रवतार सिंह चन्ना पुत्र श्री इन्द्र सिंह पुत्र नत्था सिंह गांव शंकर तहसील नकोदर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चानन कौर पत्नी श्रवसार सिंह गांव णंकर तहमील नकोदर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं बो में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।
- (4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है (बह् जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्द है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी। श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पथ्धीकरणः --इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर पतों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के भध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अमुसूची

17 कनाल 10 भरले जमीन जोकि गांव एंकर में है। तहसील नकोदर है। जैसा रजिस्ट्री नं० 1729 ग्रक्तूबर, 1976 में हैं।

> पी० एन० मलिक, स**क्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, भंटिङा

तारीख : 2/7/77

प्ररूप आई० टी • एन० एस०--

प्रायकर **श्रधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सु**चना** भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, **भं**टिडा भंटिडा, दिनांक 2 जुलाई 77

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- हपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो शंकर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्तित में वास्तिक रूप मे प्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाष्ट्रिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के भनुक सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत:—— (1) कुमारी ज्ञान कीर पृत्री ऋजेन सिंह द्वारा श्रवनार सिंह चन्ना, गांव शंकर, तहसील नकोदर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह, गांव शंकर, तहसील नकोदर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में मस्पत्ति है )
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

## अनुसूची

11 कनाल 3 मरले जमीन जो शंकर गांव और तहसील नकोदर में है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1730 श्रक्तूबर, 1976 में दिया गया है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, महायक <mark>श्रासकर श्रामुक्त (निरीक्षण</mark>), श्रर्जन रेंज, भंटिखा ।

तारीख : 2<del>-</del>7-77

मोहर ।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

ध्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

## श्रर्जन रेंज, भंटिडा

भंटिडा, दिनांक 2 जुलाई, 77

निदेश नं प्राप्त ४/ ७७-७४:----यतः मुझ, पी० एन० मलिक,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में विया गया है। तथा जो शंकर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1976

पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का अारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
7—166GI/77

(1) कुमारी रिजन्द्र कौर पुत्री अर्जन सिंह द्वारा श्रवतार सिंह चन्ना गांव शंकर तहसील नकोदर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह, शंकर, तहसील नकोदर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे क्ची रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब स किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुखो

11 कनाल 3 मरले जमीन जो कि गांव णंकर तहसील नकोदर में है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1706 अक्तूबर, 1976 में है

> पी० एन० मलिक मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 2-7-77

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०--

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायां स्वयं भायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिखा

भंडिटा, दिनांक 2 जुलाई, 77

निदेश नं ० ए० पी० 11/77-78:---यतः, मुझे, पी० एन० मिलक

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैंसा कि श्रनुसूची में है तथा जो शंकर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर धन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर शिधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्रधीन नम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--- (1) भुमारी शान कौर पुत्री अर्जन सिंह द्वारा श्रवतार सिंह जीना गांव शंकर सहसील नकोधर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती करतार कौर विधवा दौलत सिंह गांव शंकर तहसील नकोदर

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं ० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिविभीग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

## अनुसूची

19 कनाल 16 मरले जमीन जो कि शंकर गांव में हैं जैसा कि रिजि॰ नं॰ 1728 श्रक्तूबर, 1976 में हैं।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 2-7-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 5 जुलाई 1977

निदेश नं० श्रमृतसर/ /77-78:----थतः, मुझे, एस० के० गोयल,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के भधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

थ्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 38 है तथा जो मजीठा रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नथम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रत: ग्रंब उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम,' की धारा 269-घ की उक्सारा (1) के ग्राधीन निम्निणिखत व्यक्तियों, ग्रापीत्:--- (1) श्री घरनदास सूरी पुत्र श्री राम लाल सूरी निवासी हाल 81, एनी बसन्त रोड, बार्ली बाम्बे-18 एवं श्रीमती कमला सूरी पत्नी श्री राम प्रकाश द्वारा श्री राम प्रकाश निवासी 81, एनी बसन्त रोड, वार्ली बाम्बे-18-।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती श्रमला विधवा श्री शिव कुमार निवासी 38, मजीटा रोड, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किन रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना <sup>अ</sup>आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ख किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धतिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कोठी नं० 38, स्थित मजीठा रोड, ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख संख्या 4124 नवम्बर, 1976 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रमृतसर तहसील में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

तारीख: 5-7-1977

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काय लिय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज - 3

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई, 1977

निदेश स० ए० सी० क्यू० -23-7-1247 (582) | 16-6| 75-76:—-यत:, मुझं, एस० सी० परीख श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास इरने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 637, राजकोट है, जो 5/9 पचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1961 (1908 का 16) के श्रधीन, 8-12-1976।

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिष्ता से घांधक है और अन्तरक (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम, के श्रशीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्रीमती शारदाक्षेन छगनलाल बीराणी, दीवान-परा चौक, राजकोट

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री हरिकशन दास विट्ठलदास पारेख, तथा (2) श्रीमती नीलम देवी हरिकशन दास पारेख, मालवीया नगर, राजकोट ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त मञ्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 250-2-99 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 637 (पैकी) हैं तथा जो 5/9 पंचनाथ प्लाट पर राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 20-9-76 वाले बिक्री दस्सावेज नं० 2483 में विया गया है।

एस० सी० पारीख स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज-3, अहमदाबाद

तारीख : 5-7-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1977

निदेश नं ० 150-एस० / ग्रर्जुन ---ग्रतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त भिधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु० से भिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान 150/2 नया 282 है तथा जो तरीनपुर, जिला सीतापुर में स्थित (ग्रॉर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सीतापुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ,तारीख 11-11-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है, भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में मधिक है भौर अन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त प्रिधिनियम, के ग्रधीम कर देने के झग्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्ष्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्री राजेन्द्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामा देवी

(ग्रन्तरिती)

(3) बिक्रेंता

को यह सूचका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामीस से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मश्रोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान नं0 152/2 नया 282, तरीनपुर जिस्ता सीतापुर।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

तारीख: 7-7-77

प्ररूप भाई० टी॰ एम० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जुलाई 77

निदेश नं० ए० पी०-1680/---यत, मुझ बी० एस० दिह्या आयकर धिधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो महल्ला 19, जालन्धर कैंट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नयम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिये ग्रन्तिति की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्तर ग्रिधिनियम की धारा 269ग के शनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीम निम्नितिबल व्यक्तियों, ग्रिधीत् :--- (1) श्रीमती लीला वत्ती बाहरी विश्ववा श्री हर सहाए बाहरी, वासी जालन्धर, (2) श्रीमती वीरन देवी पत्नी श्री किशोरी लाल सियाल, वासी गंगा रोड, जालन्धर, (3) श्री लीला वत्ती गुप्ता विधवा श्री रत्न चन्दगुप्ता, वासी महल्ला जालन्धर केंद्र, निष्पादक सनारम धर्म स्त्री सतसंग सभा वेदांत मण्डल, जालन्धर कैंट।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री रश्न लाख, वासी गंगा रोड, जालन्घर केंट।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीमती सुन्दरी देवी (वह श्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धर)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो उक्त भिश्विमियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3809 नवम्बर, 76 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया स्वाम प्रधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्कार

तारीख: 5-7-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर,दिनांक 5 जुलाई, 1977

निदेश नं० ए० पी०-1681:---यसः, मुझे, बी० एस० दहिया

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में है तथा जो सब्जी मण्डी जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सै धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नयम्बर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रधिनियम के घ्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और 'या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रक्षः ग्रब, उक्त प्रश्निनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपचारा (1) के प्रधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

- (1) श्री कस्तूरी लाल, शाम लाल पुत्र श्री राजाराम 2. सुमन प्रभा पुत्री श्री राजा राम पुत्री गंगा राम, एन० एन०-310 गोपाल नगर, जालन्धर। (श्रन्तरक)
- (2) मंगत राम, सुभाष चन्द्र पुत्र श्री निहाल चन्द पुत्र श्री उत्तम चन्द, 216-महल्ला करार खान, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिमोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध हैं) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4140 नवम्बर, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस**०** दहिया स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-7-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 5 जुलाई, 77

निदेश सं० ए० पी० , 1682 / :— यतः, मुझ बी० एम० दिह्या आयक्तर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो सब्जी मण्डी, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, सारीख दिसम्बर, 1976। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है, ग्रीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए सय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत **एक्त** अधिनियम, के भधीन कर देने के भ्रन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रमु-मरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्री चमन लाल पुत्र श्री शंकर दास पुत्र श्री राम किशन मकान नं० एन० एन० 496, महल्ला करार खान जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री वीरीन्द्र कुमार पुत्र श्री हंस राज पुत्र श्री फतेह चन्द, डब्ल्यू० ई०, 126, ग्रली महला , जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में ऊपर है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहरूताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की झविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षितिकम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्ब होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

## **ग्रमुस्**ची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4981 दिसम्बर, 76 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है

> बी० एस० दहिया, स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक** आयकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रजंन रेंज जालन्धर

तारी**ख** : 5/7/77

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 77

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी० / भोपाल/ 77-78/873:—--अतः, मुझ रा० कु० बाली धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/— द० से ग्राधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान, कमरे हैं, जो मन्दसौर में स्थित हैं, (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रिजस्ट्रीकरण घिषिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-11-76

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्यित मही किया गया है:—
  - (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त झिंछ-नियम, के झिंडीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
  - (च) ऐसी किसी झाय या किसी जन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव उक्त प्रधिनियम की घारा 269ग के प्रमुसरण में, में. उक्त प्रधिनियम की घारा 269 च की उपघारा (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 8—166GI/77 (1) श्री सेठ फूलचन्द चिद्यानी पुत्र रोठ चतुर्भुज चियानी निवासी जनकपुर, मन्दासीर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रम्ण क्मार पुत्र श्री सज्जन लाल (2) श्री सज्जन लाल दोनों निवासी जनकपुर,ा सन्दसौर । (यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविधि, जो
  भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्यहोगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

न्नादर्श होटल के कमरे व दुकानें स्थित मुखर्जी चौक, मन्द-सौर ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपास

सारीख: 5-7-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 77

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० एक्वो० भोपाल/ 77-78:—
874:—-ग्रत:, मुझ, रा० कु० बाली
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रधिक है,

भ्रौर जिसकी दुकान ह, जो मन्दसौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-11-76। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) मीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रेश, उन्त ग्रिधिनियम, की द्यारा 269-ग के ग्रनुसरण में, 'क्त ग्रीधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:---

- (1) श्री सेठ फूल चन्द्र चिवानी पुत्र सेठ चतुर्भुज चिचानी निवासी धाम कुटागली, जनक पुरा, मन्दसौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सज्जन लाल पुत्र श्री मन्ना लाल जी निवासी जनकपुरा, मन्दसौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मादर्श होटल की युकानें स्थित मुखर्जी चींक, मन्द्रक्रीर।

्रा० क० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

तारीखा: 5-7-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 77

निवेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्बी० / भोपाल / 77-78/ 875:—-ग्रतः, मुझ, रा० कु० बाली

धायकर श्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्रीधिक है धीर

शीर जिसकी बुकान व कमरे हैं, जो मन्दसौर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूणं रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 1-5-11-76'।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रियक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिन्न नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लि; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रम-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भव, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्निशिखत व्यक्तियों, भर्मात् :→-  श्री सेठ फूल चन्द चिचानी पुत्र श्री चतुर्भुज चिचानी निवासी धामकुट गली, जनकपूरा, मन्दसौर (मप्र० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री सुनील कुमार (भ्रवयस्क) पुत्र श्री सज्जनलाल
  - (2) श्री सज्जन लाल पुत्र श्री मन्नालाल जी
  - (3) श्री भ्रनिल कुमार त्रपुत्र श्री रामनरायण जी सभी निवासी जनकपुरा मन्दसौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, कही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भ्रादर्ग होटल की दुकानें व कमरे स्थित मुखर्जी मौक, मन्दसौर।

रा० कु० वासी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज , भोपाल

तारीख: 5ब७४७७

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई, 77

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी० / भोपाल/ 77-78/ 876:— ग्रत:, मुझ, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं ० दुकान व कमरे है, जो मन्दसौर में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध स्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रिजस्ट्रीकृत द्राधिनियम, 1908( 1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 15-11-76।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से यक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जनत श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ग्रसः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री सेठ फूल चन्द्र चिचानी पुत्र श्री चतुर्भुज श्री चिचानी निवासी जनकपुरा , मन्दसौर

(भन्तरक)

(2) 1. श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री राममारायण जी 2. श्री सज्जन लाल जी पुत्र श्री मन्नालाल जी दोनों निवासी जनकपुरा मन्दसौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी झालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशम की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास किश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिवियम के अध्याय 20 क में यथा परिचा-वित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

श्रादर्श होटल की दुकानें व कमरे स्थित मुखर्जी चौक, मन्दसौर ।

> रा० कु० वाली सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज , भोपाल

तारीख: 6-7-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्ष सहायक झायकर भ्रायुक्त, भ्रजन रेंज, बिहार पटना।

पटना, दिनांक 2 जुलाई 1977

निर्देश सं॰ III-258|मजैन| 77-78| 625---यतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसकी सं० हो० 183 एवं बा० सं० 1 है, तथा जो मकतपुर, गिरिडीह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रन् सूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 3-11-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वस से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरित (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भायकी बाबस उक्त भाध-नियम के भाकीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रतः श्रव, उत्तरं ग्रविनियम, की घारा 209-न के प्रनुसरण में, में, उत्तरं प्रविनियम की घारा 269-न की उपघारा (1) के जबीब निम्मनिक्ति व्यक्तियों, प्रचीत् :---

- (1) श्रीमती मधुरिका मिल्ल, श्री श्रसीम नाथ मिल्ला सा॰ 101 जी॰, बी॰ एल॰ एफ॰, न्यू श्रनीपुर, कलकत्ता 53 एवं श्री श्रसीम नाथ मिल्ला सा॰ 103 ए॰ बी॰ एल॰ एफ॰, न्यू ग्रलीपुर, कलकत्ता-53। (अन्तरक)
- बिहार माईका एक्सपोर्टस एसोसिएशन, पो० गिरिडीह
   जिला गिरिडीह। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धां प्रयास :--इसमें प्रयास शब्दों और पदों का, जो उसत द्याद्यितमा के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अमुसूची

जमीन मय मकान रक्बा 3 बीघा, जो 'ग्रान्सि निवास' कहलाता है ग्रीर मकतपुर, गिरिडीह में हैं तथा डो० सं० 183, वार्ड मं० 1 है तथा जिसका विवरण धस्तावेज सं० I-4260 दिनांक 3-11-76 में पूर्ण है।

> ज्योतीग्द्र नाथ, ग्रजंन रेंज, बिहार,

पटना ।

विमांक 2 जुलाई 1977 मोहर:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th June 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 6th April 1977, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permament Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 27th May 1977 to 16th July 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 4th May 1977, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 29th May 1977 to 27th June 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 4th May 1977, the President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 29th May 1977 to 22nd June 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 4th May 1977, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 10th June 1977 to 30th June 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(5).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers Grade of the Service for a period of 46 days from 31st May 1977 to 15th July 1977 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 1st July 1977

No. A.38013/1/76-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri N. Lakshmanan, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June 1977 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Eats(A), dated the 24th November 1973.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 29th June 1977

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Adviser, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. P. Goel, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Section Officer (Spl.) in the Commission's office for a period of 46 days with effect from 20th June 1977, or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri J. P. Goel as Section Officer (spl.) will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance OM No. F. 10(24)-E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. for Advisor, Union Public Service Communion

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, the 30th June 1977

No. PF/K-18/72-Ad.V.—The services of Shri K. M. Perdeshi, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation were placed back at the disposal of State Government of Maharashtra with effect from 30th April 1977 afternoon.

P. S. NIGAM, Administrative Officer(E) Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 30th June 1977

No. O.II-80/77-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri F. L. R. Slama an IPS officer of Union Territory Cadre as Commandant in the Central Reserve Police Force.

2. Shri Siama took over charge of the post of Commundant 1st Bn. CRPF on the forenoon of 7th June 1977.

#### The 1st July 1977

No. O.II-79/69-Estt.—On the expiry of 15 days earned leave granted to him from 16th June 1977 to 30th June 1977, the services of Shri B. K. Tripathy Deputy Director (ISA), CRPF, New Delhi will stand replaced at the disposal of State Govt. of Orissa w.e.f. 1st July 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Director (Adm.)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 1st July 1977

No. 11/5/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Tomar, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of six months with effect from 9th June 1977 (forenoon) or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

The headquarters of Shri R. P. Tomar will be at Patna.

R. B. CHARI, Registrar General, India and ex-officio, Jt. Secy.

# MINISTRY OF FINANCE SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 28th June 1977

No. C/4,—Shri S. S. Johari, Inspector Control is appointed on an ad-hoc basis to officiate as Asstt. Chief Control Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vice Shri P. L. Narayanan, Asstt. Chief Control Officer proceeding on leave for 39 days from 15th June 1977 to 23rd July 1977.

No. S/3.—Further to this office Notification No. S/3/1274, dated 7th May 1977 Shri K. N. Domble, Store Keeper is allowed to continue to officiate as Stores Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 for a further period of 14 days from 19th June 1977 to 2nd July 1977 vice Shri M. L. S. Gangola, Stores Officer on leave.

R. VISWANATHAN, General Manager

# INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR

#### GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 2nd July, 1977

## No. 5808-GEI/326-71, dated 10-12-76

No. 2571-G.E.1/111-76—The Comptroller & Auditor General of India is pleased to appoint the following Officers of the IAAS to the Accountant General Level II Grade (Rs. 2250-125/2-2500) in an officiating capacity while holding the posts mentioned against them w.o.f. the date indicated against each until further orders under second provise to F.R. 30(I).

Shri M.A. Quadiri	Financial Controller, Jammu & Kashmir Industries Ltd., Srinagar.	4-9-76 (A.N.)
Shri A.M. Lankar .	Secretary, Finance, Deptt., Govt. of J & K, Srinagar.	4-9-76 (A.N.)
Shri D.B.S. Sachdov	Finencial Advisor & Chief Accounts Officer, Triveni Structurals Ltd., Naini, Allahabad.	14-9-76

#### No. 5972-GEI/L-16/PF, dated 27-12-76

Consequent on her marriage Kumari Anantha Lakshmi has been permitted to change her name to Smt. A. L. Ganapathi.

## No. 6040-GEI/R-42/PF-Pt. III, dated 21-12-76

Consequent upon his permanent absorpotion in the Minerals & Metals Trading Corporation of India Ltd., New Delhi, in public interest weef. 10th January, 1976, shri G. Ramaswamy, I.A.A.S., is deemed to have retired from Gott. service w.e.f. the same date in terms of Rule 37 of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

#### No. 6108-GEI/S-25/PF-IV, dated 24-12-76

On return from leave from 5th September, 1976 to 30th November, 1976 Shri N. G. Sen, I.A.A.S. has taken over as Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad on 10th December, 1976 (F.N.). He relieved Shri A.G. Narayanaswami, I.A.A.S.

## No. 90-GEI/121-77, deted 11-1-77

Comptroller & Auditor General of India is pleased to promote, in officiating capacity until further orders, the following officers of the I.A.A.S. to the Junior Administrative Grade of the I.A.A.S. (Scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) while holding the posts mentioned against their names w.e.f. the dates indicated against each, under the Second Proviso to F.R. 30(1).

1. Shri A. K. Chakra- berti	Officer on Special Duty in the Office of Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.	16-12-76
2. Dhirondra Krishna	Finance Officer, Delhi University,	22-12-76

#### No. 866-GEI/C-22/PF-III, dated 8-3-77

ShritA.N. Chaku, I.A.A.S. has taken over as Accountent General (II) Mahatashtra, Nagpur w.e.f. 19th February, 1977 (F.N.).

Dolhi.

2. Shri Chaku has been appointed to officiate in level m of Accountant General's grade (Rs. 2250-2500) w.c.f. 19-2-77 until further orders.

#### No. 1028-GEI/S-173/P.F., dated 15-3-77

Shri K. Shehidharan, I.A.A.S. has been permitted to change his name as "K. S. Menon",

#### No. 1412-GEI/121/77, dated 15-4-77

The Comptroller & Auditor General of India is pleased to promote Shri K. D. Dave, an officer in the Senior Time Scale of I.A.A.S., to officiate in the Junior Administrative Grade of the Service (Scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) while holding the post of Finance Officer, Banares Hindu University, Varanasi w.e.f. 25th February 1977 until further orders, under the Second proviso to F.R. 30(1).

#### No. 1701-GEI/326-71, dated

The Comptroller & Auditor General of India is pleased to appoint the following officers of I.A.A.S. to Accountant General Level II Grade (Rs. 2250-125/2-2500) in an officiating capacity while holding the posts mentioned against them w.e.f. the date indicated against each until further orders under Second provise to F.R. 30(1);

<ol> <li>Shri D.K. Chakra- vorty</li> </ol>	Deputy Adviser (Finance), Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, New Delhi upto 21-12-1976.	8-10-76
2. K.R. Baliga .	Joint Secretary (I.F.A.), Ministry of Labour, New Delhi.	20-12-76
3. K.R. Partha- sarathy	Financial Adviser, Rajasthan Canal Board, Jaipur.	19-2-77

#### No. 1742-GEI/34-76, dated 2-5-77

The post of Accountant General, Posts & Telegraphs. Delhi (temporarily designated as 'Officer on Special Duty, P&T Audit' after separation of P&T Accounts w.e.f. 1-4-76) has been changed as Chief Auditor (Posts & Telegraphs) Delhi. Consequently, the posts of Senior Deputy Accountant General and Deputy Accountant General in his office would also stand redesignated as Senior Deputy Chief Auditor and Deputy Chief Auditor respectively.

## No. 1962-GEI/14-87/P.F., dated 19-5-77

Consequent upon her marriage, Kumari Malashri Chakravarti has been permitted to change her name to Smt. Malashri Prasad.

#### No. 6100-GEI-24-76, dated 27-12-76

The following I.A.A.S. officers have been confirmed in the Junior Time Scale of I.A.A.S. w.e.f. the date shown against each :—

1. Shri C. S. Narula .				8-7-75
2. Shri A. K. Banerjee			. 8-	11-75 (AN)
<ol><li>Kumari Pravin Ohri</li></ol>				30-11-75
4. Smt. Rama Murali.				16-5-76
5. Shri Arjit Ganguly				16-5-76
6. Shri T. N. Thakur .				8-7-75
7. Shri Samar Ray .				30-11-75
8. Shri. K. G. Mahalingam	ı			2-2-76
9. Shri H. R. Bihagara				30-11-75
10. Shri Rochila Selawi				7-7-75
				(A.N.)

A. H. JUNG. Joint Director

#### MINISTRY OF DEFENCE

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES

## DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES Calcutta-69, the 1st July 1977

No. 1/77/M.—The President is pleased to grant extension of Services for one year with effect from 1st May 1977 to Dr. S. D. Chadha, Asstt. Surgeon Grade I, O. F. Dehra Dun.

Dr. S. BHATTACHARYA, Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 5th July 1977 IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6/1134/76-Admn(G)/4793.—On attaining the age of superannuation, Shri S. A. Talib, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay relinquished charge of the post on the afternoon of 31st May 1977.

> A. S. GILL. Chief Controller of Imports and Exports

## DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 25th June, 1977.

No.18(1)/73-77-CLB II :- In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Power-looms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amandment to the Textile Commissioner's Notification No. T. C. (32-A)/59, dated the 16th Murch, 1959, namely :-

In the table appended to the said Notification, in columns 1,2 and 3, for the existing entries against serial No. 1, the following shall be substituted, namely :-

2 1 (i) The State Textile Controller and

the Deputy Secretary to the Government of Maharashtra.

(ii) The Textile and Yarn Controller,

Nagour

(iii) Joint Director of Handlooms, Power looms and Co-operative Textiles (ADM), Nagpur.

(iv) Joint Director of Handlooms, Power-

looms and Co-operative Textiles (TECH), Nagpur.

(v) The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Power-looms and Co-operative Textiles, Nagour.

(vi) The Regional-Denuty Director,
Directorate of Handlooms, Powerlooms and Co-operative Textiles, Bombay.

(vii) The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Power-looms and Co-operative Textiles, Sholapur.

(viii) The Assistant Textile Controller.

(xi) Textile Inspectors.

(x) Officers of the Revenue Department not below the rank of Circle Inspec-

(ai) Officers of the Police Department not below the renk of Sub-Inspector.

Mahereshtra

3

G. S. BHARGAVA. Joint Textile Commissioner

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 28th June 1977

No. 50011/30/76-DCH.—The President is pleased to permit Shri D. S. V. Iyer, Director in the Weavers Service Centre, Bombay, to retire from Government service with effect from 30th June 1977 (afternoon) on attaining the age of superannuation,

No. 50011/30/76-DCH.—The President is pleased to reemploy Shri D. S. Iyer as Director in the Weavers Service Centre, Bombay, for a period of one year with effect from the forenoon of 1st July 1977.

N. P. SESHADRI, Jt. Development Commissioner (Handlooms)

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 29th June 1977

No. A-1/1(1096).—The President is pleased to appoint Shri Kameshwar Choudhury nominated on the results of the Engineering Services Examination, 1975 on probation in Grade III of the Indian Supply Service (Group 'A') with effect from the forenoon of the 1st June 1977 and until further of the content ther orders.

2. On his appointment to Grade III of Indian Supply Service, Shri Kameshwar Choudhury assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of the 1st June 1977.

#### (Administration Branch A-15)

#### The 30th June 1977

No. A-15/28(217)/77.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Duggal, a permanent Grade I officer of Central Secretarist Service as Director (Administration) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on pay in the Selection Grade of Central Secretariat Service with effect from the 21st June 1977 until further orders.

KIRAT SINGH, Dy. Director (Admn.)

#### (Administration Section A-1)

#### New Delhi-1, the 29th June 1977

No. A-1/I(1071).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Suresh Kumar Gera as Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service Group 'A') on probation with effect from the forenoon of the 1st June 1977 and until further orders.

2. On appointment to Grade III of Indian Supply Service Shri Gera assumed charge of post of Asstt. Director (Gr. I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of the 1st June

KIRAT SINGH, Dy. Director (Admn.) for Director

#### (Administration Branch A-6)

#### New Delhi, the 23rd June 1977

No. A-17011(10)/77-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. Krishna, Asset. Director of Inspection in the Figineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I to Officiate as Deputy Director of Inspection in the Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the forenoon of 2nd June 1977 until further orders.

Shri Krishna relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Engg.) in the Dte. General of Supplies and Disposals New Delhi on the forenoon of 25th May 1977 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle, Calcutta from the forences of the 2nd June 1977,

#### The 2nd July 1977

No. A-17011(121)77-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Sajit Kumar Ganguly, a candidate nominated by UPSC to officiate in the Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 7th June 1977, until further orders.

Shri Ganguly, assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of the Director of Inspection (Met.) Jamshedpur from the forenoon of 7th June 1977.

SURYA PRAKASH, Dy. Director (Admn.)

#### New Delhi, the 29th June 1977

No. A-17011(123)/77-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri S. Sen, permanent Examiner of Stores (Met.) in the Burnpur Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the same Inspection Circle under this Dte. General w.e.f. the forenoon of 25th February 1977 and until further orders.

No. A-17011/111/76-A6.—Shri S. P. Gupta, a permanent Examiner of Stores (Engg.) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) of the Directorate General of Supplies and Disposals has resigned from Government service w.e.f. 10th May 1977 and his name has been struck off the rolls of DGS&D from that date.

SURYA PRAKASH, Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

## ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

## INDIAN MUSEUM

Calcutta-700016, the 25th May 1977

No. 4-135/76/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Smt. Kalpana Tiwari to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey at Headquarters, Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 16th May 1977, until further orders.

C. T. THOMAS, Senior Administrative Officer

## SURVEY OF INDIA

## SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dohra Dun, the 28th June 1977

No. C-5239/718-A: —The undementioned Officiating Superintendents, Surveyor General's Office, are appointed to Officiate in the posts of Establishment & Accounts Officer (GCS Group 'B'), on adhoc, basic, in the Survey of India on pay of Rs. 840-00 p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB 40-1200 with effect from the date as stated against each until further orders:—

Sl. No.	Name	With offect from	Office to which posted.
1. Shri. A	A. S. Rawat .	13th June, 1977 (F/N)	South Central Circle Hyderabad.
2. Shri. N	M. D. Dabrel .	14th June, 1977 (F/N)	North Eastern Circle Shillong.

K.L. KHOSLA, Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 1st July 1977

No. A.31014/2/76-Admn.1.—The Director, Publications Division is pleased to appoint Shri K. C. Singhal substuntively against the post of Accounts Officer in the Publications Division with effect from 27th November 1976.

INDRAJ SINGH, Dy. Director (Admn.) for Director

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th June 1977

No. A-19019/4/76-Admil.J.—On transfer from the Directorate General of Health Services, New Delhi, Shri C. V. Shyama Sundara assumed charge of the post of Statistician, National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of the 12th May 1977.

No. 36-7/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Sharma, Accounts Officer in the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, to the post of Accounts Officer in the Willingdon Hospital, New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 30th May 1977 and until further orders.

No. 15-1/75-Admn.I.—Consequent on his selection for the post of Psychologist, Directorate of Health Services, Government of Goa, Daman & Diu, Shri P. K. Chakraborty relinquished charge of the post of Clinical Psychologist at the Hospital for Mental Diseases (now Central Institute of Psychiatry) Karke, Ranchi, on the afternoon of the 30th April 1977.

#### The 2nd July 1977

No. A.32014/5/77(HQ)Adm.f.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Sarvshri V. R. Mainkar and Surinder Kumar to the posts of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services with effect from the 13th May 1977 (Forenoon) and 3rd June 1977 (Forenoon), respectively, in a temporary capacity and until further orders.

#### The 5th July 1977

No. A.31014/1/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. P. Jaggi in a substantive capacity to the permanent post of Administrative Officer, Central Government Health Scheme, Delhi, with effect from the 24th May 1977.

No. A.31013/2/77(JIP) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. George in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Accounts Officer at the Iawaharlal Institute of post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the 1st March 1976.

No. A.32013/9/76-(CRT) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Saha, Deputy Assistant Director (Non-Medical), Central Research Institute, Kasauli to the post of Assistant Director (Non-Medical) in the same Institute with effect from the forenoon of the 27th May 1977, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12023/15/76(HQ) Admn.I.—On return of Shri R. C. Kumar, Assistant Architect from leave, Shri J. K. Sikka relinquished charge of the post of Assistant Architect, Dte. General of Health Services on the afternoon of 5th January 1977.

2. The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Sikka to the post of Assistant Architect in the Dtc. General of Health Services with effect from the forenoon of 30th May 1977 on an ad-hoc basis and until further orders.

No. A.32012/3/76(RAK)-Admn I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Shri H. S. Verma, Office Superintendent, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, to the post of Administrative Officer at the same college with effect from the forenoon of the 4th April 1977 to the afternoon of the 26th May 1977, vice Shri Hot Chand on Jeave,

No. 12025/31/76(FRSL)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Dhingra, Deputy Technical Adviser, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) to the post of Director, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 14th June 1977, and until further orders.

No. A.12025/5/77(CRI)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Hira I.al Wangneo to the post of Assistant Flectrical Engineer in the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 30th May 1977, in a temporary capacity and until further orders.

No. 9-30/73-Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation, Smt. Lily Mathews nee Abraham relinquished charge of the post of Clinical Instructor in the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 4th June 1977.

No. 13-4/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Balraj Sur and Dr. G. I.. Subharwal in a substantive capacity to the permanent posts of Junior Staff Surgeon (Dental) under the Central Government Health Scheme, Delhi, with effect from the 13th August 1970 and the 7th October, 1974, respectively.

S. P. JINDAL, (O&M) Dy. Director Admn.

## New Delhi, the 2nd July 1977

No. A.11017/5/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. B. Singh to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Bangalore on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th February 1977 or till 30th June 1977 or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

No. A.12026/64/77-CHS.II.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. Narendra Singh, Junior Medical Officer (ad-hoc) relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer under the C.G.H.S. Delhi on the afternoon of the 16th April 1977.

R. K. JINDAL, Dy. Director Admn. (CGHS)

## New Delhi, the 30th June 1977

No. 6-57/70-DC.—On his appointment to the post of Pharmacologist in Central Drugs Laboratory, Calcutta, Dr. J. Saha, Technical Officer (Pharmacology) relinquished charge of the post in the same laboratory with effect from the forenoon of 11th March 1977.

S. S. GOTHOSKAR, Drugs Controller (India)

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-400001, the 3rd June 1977

No. DPS/23/4/77-Est./11187.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Dattaram Ramchandra Sakhare, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 in the same Directorate with effect from 2nd May 1977 to 4th June 1977 vice Shri M. Narayanan, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77-Est./11195.—Director, Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri Chinkurli Srikantiah Shivaramu, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same

Directorate with effect from 25th April 1977 to 10th June 1977 vice Shri B. L. Thakur, Assistant Purchase Officer appointed as Purchase Officer.

B. G. KULKARNI, Asstt. Personnel Officer

#### (NUCLEAR FUEL COMPLEX)

Hyderabad-500762, the 1st July 1977

Ref. PAR/0705/1605.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. Hanumantha Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 26th May 1977, until further orders.

#### The 2nd July 1977

Ref. PAR/0705/1607.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, on ad-hoc basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 21st Juno 1977 to 27th July 1977, or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO, Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 4th July 1977

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer of the Atomic Minerals Division, as Accounts Officer-II in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 4th June 1977 to 4th July 1977 vice Shri K. P. Sckharan, Accounts Officer-II, granted leave.

S. RANGANATHAN,

Sr. Administrative & Accounts Officer

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd July 1977

No. E(1)00927.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. C. Porel as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 24th May 1977 and until further orders.

Shri Porel is posted to the office of the Dy. Director Geneial of Observatories (Climatology), Pune.

No. E(1)06823.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Rajendra Prasad, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologist in Indian Moteorological Service (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th June 1977 and until further orders.

Shri Rajendra Prasad remains posted to Headquarters office of the Director General of Observatorics, New Delhi.

No. E(I)07023.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Gangopadhyay, Professional Assistant, office of the Director (Instruments), Pune. India Meteorological Department as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th April 1977 and until further orders.

Shri Gangopadhyay remains posted to the office of the Director (Instruments), Pune.

• No. E(1)07217.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Chakraborty as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th May 1977 and until further orders.

Shri Chakraborty is posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.

G. R. GUPTA,
Meteorologist,
for Director General of Observatories

#### New Delhi-3, the 2nd July 1977

No. F(1)04248.—On attaining age of superannuation, Shri P. R. Nayar, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Instruments, Pune, India Meteorological Department, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st May 1977.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatorics

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th June 1977

No. A.32013/6/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. Surender, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular appointment to the grade is made whichever is earlier, with effect from the 30th May 1977 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Palam.

#### The 27th June 1977

No. A. 32013/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Narayan, Technical Officer, in the office of the Regional Controller of Communication, Calcutta Airport, Dum Dum to the grade of Senior Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from the 30th May 1977 (FN) vice Shri S. K. Chandra, Senior Technical Officer granted carned leave and to post him at the same station.

vice Shri S. K. Chandra, Senior Technical Officer granted carned leave and to post him at the same station.

No. A.32013/17/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Kalra, Assistant Director of Communication (Headquarters) Civil Aviation Department as Regional Controller of Communication on an ad-hoc basis with effect from 4th June 1977 vice Shri N. C. Nath, Regional Controller of Communication, Safdarjung Airport, New Delhi granted leave

ed earned leave.

No. A. 32013/17/76-E.C.—The President is pleased to appoint the following two Assistant Director of Communication to the grade of Daputy Director Controller of Communication on adhoc basis with effect from the 3rd June, 1977 (F.N.) and upto the 30-4-1978 or till regular appointments are made to the grade whichever is earlier and to post them at the station indicated against each:—

Sl. No.	Nam	.e	· <del></del>		<del></del>		<del></del>	Present station of posting	Date of assumption charge	Station to which trans- fe red/ported
1. Shri M.	S. Krishna	a			,	-		Headquarters	3-6-77 (F.N.) as Dy. Director of Communication.	Headquarters
2. Shri A.	N. Nath	•		. •		•	•	Headquarters	3-6-77 (F.N.) as Controller of Communication.	Controller of Comm. Acronautical Stn., New Delhi.

No. A.32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. C. Dutta, Technical Assistant in the Acronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 29th April 1977 (AN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Gauhati,

(This office notification No. A.32014/4/76-EC, dt. 17th May 1977 is hereby cancelled).

No. A.32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri, C. T. Rajan, Technical, Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 31st March 1977 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Madras.

(Item No. 2 of this office Notification No. A.32014/4/76-EC, dated the 17th May 1977 is hereby cancelled).

P. C. JAIN, Asstt. Director (Admn.)

#### New Delbi, the 29th June 1977

No. A.32013/10/77-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. K. Chakraborty, Officiating Senior Librarian (Permanent Librarian) in this Department to the post of Chief Librarian (Group 'B'—Gazetted) in this Department in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB— 40—1200, for a period of six months with effect from 14th June 1977 (Forenoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA, Asstt. Director of Admn.

#### CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION

Bombay-58, the 30th June 1977

No. 1-73/77/Estb/3970.—The Director, Central Institute of Fisheries Education, Bombay is pleased to appoint Shri P. D. Bari substantively to the permanent post of Skipper (Group B Non-gazetted) at this Institute with effect from 23rd July 1974.

Dr. S. N. DWIVEDI, Director

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400001, the 4th July 1977

No. 9-ADMN(1)/76.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of Shipping hereby appoints Shri R. K. Gupte, officiating Executive Officer/Freight Investigating Officer on ad-hoc basis as Executive Officer/Freight Investigating Officer on a long term basis with effect from the 1st June 1977 until further orders.

S. M. OCHANEY, Dy. Director General of Shipping

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay the 27th June 1977

No. 1/370/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 30th August 1976 to 21st September 1976 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

1/370/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 8th November 1976 to 22nd November 1976 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

1/370/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 29th November 1976 to 1st January 1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/370/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 21st February 1977 to 19th March 1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer, for Director General

#### Eombay, the 27th June 1977

No. 1/265/77-EST.—Shri Constantine D'Souza, Supervisor, Calcutta Branch, who was appointed as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity on ud-hoc basis for the period from 16th September 1976 to 9th May 1977 (both days inclusive) is appointed as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity as a regular measure in Calcutta Branch, with effect from the forenoon of the 10th May 1977 and until further orders.

No. 1/411/77-Est.—Shri J. M. D'Silva, Supervisor, Bombay Branch, is appointed as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in Madras Branch, with effect from the forenoon of the 11th June 1977 and antil further orders.

No. 1/429/77-EST.—Shri L. Satvanaravana. Assistant, Madras Branch is appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 16th February 1977, and until further orders.

> P. G. DAMLE, Director General

## OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

## Patna, the 29th June 1977

C. No. II(7)1-Et/77/8027.—Sri S. R. Bhattacharjee, Superintendent Group 'B' of Central Excise Collectorate, Shillong promoted under Government of India, Deptt. of Rev. and Banking, New Delhi's order No. 34/77, dated 11th Rev. and Banking, New Delhi's order No. 34/77, dated 11th March 1977, on purely ad-lioc basis to officiate as Superintendent Group 'A'/Assistant Collector (Jn. Scale). Central Excise/Customs in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300, as modified under order No. 46—77, dated 18th April 1977, assumed charge as Superintendent Group 'A' Customs Hqrs. Office, Patna on 28th May 1977 (F.N.) as per this office Estt. order No. 107/77, dated 30th April 1977.

> H. N. SAHU, Collector Central Excise, Patna

## DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL FXCISE

New Delhi, the 2nd July 1977

No. 6/77. [harma, Office No. 6/77. [C. No. Sharma, Office Supdt. Inspection & Audit (C. 1041/48/70].—Shri No. 6/7. [C. No. 1041/40/70].—SIRI A. R. Sharma, Office Supdt. in the Directorate of Inspection & Audit (Customs and Central Excise) New Delhi, is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 20th June 1977 (Forenoon) vice Shri B. K. Hajra proceeded on leave.

> S. VENKATARAMAN, Director of Inspection

67. 68.

69.

Shri Janardhan Babu R.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 28th June 1977

No. A.-32014/1/77-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairm n, Central Water Commission is pleased to appoint the following Officers to the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer in the Central Water Commission on a regular basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June, 1977 until further orders:—

## Name of Officer S. No. Shri B. K. Mazumdar Shri K. Rama Rao Shri Narinder Mohan Saha Shri M. D. Radhakrishan Shri C. S. Rao Shri S. M. Shujauddin Shri S. K. Bajaj Shri M. Subba Reddy Shri S.R. Jagwani Shri Kellash Nath Shri C.P. B tra Shri K.P. Sengar Shri B.K. Chakraborti 13. Shri S.M. Kansal Shri Anil Kumut Mohinta 14. 15. shri Atul Kumur Shri Atul Kumur Shri H.B. Tiwari Shri R. Devasahayam Shri L. Venkataratnam Shri Kishore Kumat Singh 18. 19. 20. 21. Shri Kishore Kumat Singh Shri P.S. Barik Shri P.S. Barik Shri P.C. Jose Shri G.P. Keshari Shri B.N. Ram Shri Menoher Khushalani Shri Nageswar Presad Shri R.K. Khanna Shri H. S. Singh Shri N. Nagarajan Shri B. Vij.ya Kumar Shri Srikanta Boxi Shri Suresh Chandra 27. 28. 29. Shri Srikanta Boxi Shri Suresh Chandra Shri K.K. Dey Shri A.K. Jerath Shri T.R. Sharma Shri K.L. Tripathy Shri S. B. Bhuttacharya Shri R. K. Ohri Smt. O.R. Lalita Shri Y.P. Singh Shri V.R.K. Reddy Shri R.N. Ghosh Shri K. Pakcor Reddy Shri J.P. Varshney Shri P.B. Goyal Shri V.Y. Ramamutthy 33. 40. 42. 43. 46. Shri V.Y. Ramamutthy Shri G. Raghundh 47 48. Shri T.V. Raman Shri B.B. Mukherjec Shri M.M.N. Saxona Shri Hari Shankar Choudhary Shri R.C. Aggarwal Shri Kuldip Singh Shri V.K. Rajendra Das 55. Shri Joleluddin Shri V. Venkateswar Shri V. Venkateswar Shri B. Sathiraju Shri A. Rengeneyaklu Smt. Beatrice Martin Shri M. Ramachendren Shri R.K. Telwer Shri K. Sethessen Shri K. Balakrishnan Shrimati C. Vijayalakshmi Amma C.S. Shri V.P. Singh Shrimati Ramani Roy Shri R. Raghurama Raco Shri P.K. Gangadharan Shri V. Achuthen Kuttay Shri Janardhan Babu R. Shri Joleluddin 58. 59. 60. 61. 64. 65. 66.

#### Sl. No. Name of Officer 72. Shri S. Maiti. 73. Shri S.K. Sengupta. 74. Shri R.K. Datta. 75. Shri Sandip Saha. 76. Shri G.S. Neir. 77. Shri Partho Nandi, 78. Shri V.N. Kathpalia. 79. Shri M.K. Rajagopal, 80. Shri Jogindor Singh. (D.O.B. 4-11-34) Shri N.K. Kannan, Shri K.S.I. Desikachar, Shri V.N. Sridharan, 83 Shri V.N. Stidnaran, Shri B.M. Gulati, Shri Baptist D'Souza, Shri Joginder Singh, (D.O.B. 10-2-37) Shri S. Nugeswara Reo. Shri I.C. Bhatia, 88, Shri A.C. Bhitta, Shri Natya Gopal Das, Shri Ajmer Singh, Shri S.S. Babra, Shri K.I. Velayudhan, Shri J. L. Kapoor, Shri Buhadur Singh, Shri B.N. Chhabra. 96. Shri Ravi Prakash Bindlish. Shri J. N. Poonia. 98. Shri Prem Singh. Shri P. K. Gosh. Shri G.C. Wadhwa. Shri R.K. Tayal. Shri Harjit Singh. Shri Ajit Kumar. Shri A R.S. Vittal 99. 100. 101. 102. 103. Shri Alu Kumar. Shri A.R.S. Vittal Rao. Shri B.V. Rao. Shri Prem Chand Gupta. Shri V.D. Motani. Shri S.L. Gupta. 104. 105. 106. 107. 108. 109. Shri Dharam Vir. Shri P.N. Murthy. Shri D.P. Gool. Shri Buta Singh. Shri K.C. Saha. Shri Sri Chand 113. 114. Shri Jamman Singh. Shri R.S. Randhawa. 115. Shri G.L. Dua. Shri M.A. Madnani, 118. Shri Pannalal Yadav. Shri A.K. Biswas. Shri H.B. Ramchandani. 119. 120. 121. 122. Shri K.L. Batra.

2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

## The 30th June 1977

No. A-19012/627/77-Adm-V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Kishore Chintamani Kelkar to the Post of Assistant Research Officer (Engineering Telecommunication) at the Central Water and Power Research Station, Pune. in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 11th June 1977.

Shri Kishore Chintamani Kelkar will be on probution for a period of two years with effect from the same date i.e. 11th June 1977.

JASWANT SINGH, Under Secy. for Chairman, C.W. Commission

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 4th July 1977

No. 6/6/77-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Navin Chandra, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class II) service in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th April 1977, until further orders.

S. BISWAS, Under Secy.

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 18th March 1977.

No. 5—The following Offg. Asstt. Civil Engineers (Class II) of Northern Rullway are confirmed in Class II Service of Asstt. Civil Engineer on this Rullway with effect from the dates noted against each:—

S. No	Nai	me	Date of Confir- metion		
1. Shri Ranjit Singh			,		8-5-69
2. Shri S.J. Auand .					1-6-70
3. Shri M.M. Govila					9-8-72
4. Shri Kehar Singh	,				9-8-72
5. Shri Surinder Mohan					22-4-73
6. Shri A.D. Sohgal .					14-5-73
7. Shri P.N. Goyal					1-5-74
8. Shri G.S. Bansal					1-11-74

The dates of confirmations of the following Asstt. Civil Engineers are revised as under:—

S.No. Name		Date of Confirma- tion already done	Date of Confirma- tion now revised
1. Shri H.K. Sharma	-	8-5-69	24-2-70
2. Shri N.C. Chaturvedi		1-6-70	28-4-71

S. C. MISRA, General Manager

# MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION (DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION Jeypore-764003, the 2nd July 1977

No. P.2/97.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri Raja Ram Balaiya, Office Superintendent, in the office of the Chief Mechanical Engineer, Rehabilitation Reclamation Organisation, Jeypore (Orissa) is promoted to the post of Assistant Administrative Officer (General Central Service Group 'B') in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the Forenoon of 1st July 1977. He is kept on probation for a period of 2 years, effective from the said date.

2. Shri Raja Ram Balaiya assumed the charge of the post of Assistant Administrative Officer-III, Rehabilitation Reclamation Organisation at Jeypore, Dist. Koraput (Orissa) on the forenoon of 1st July 1977.

M. PATTANAIK, Lt. Col. (Retd.) Chief Mechanical Engineer

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Agro and Cottage Industries Pvt. Ltd.

Gwalior-474001, the

July 1977

No. 1190.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Agro and Cottage Industries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Rajasthan Farmers Company Private Limited

#### Gwalior-474 001, the

No. 1192.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajasthan Farmers Company Pvt., 1.td., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Colonisers and Agro Development Company Pvt. Ltd.

#### Gwalior-474 001, the

No. 1193.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Colonisers and Agro Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Agricultural Company Pvt., Ltd.

#### Gwalior-474 001, the

No. 1194.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Agricultural Company Pvt., Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Horticulture and Agriculture Company Pvt. Ltd

#### Gwalior-474 001, the

No. 1197.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) off Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Horticulture and Agriculture Company Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Financiers and Investors Company Pvt. Ltd.
Gwalior-474 001. the

No. 1198.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Financiers and Investors Company Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Mercantile and Investment Company Pvt. Ltd. Gwalior-474 001, the

No. 1199.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Mercantile and Investment Company Pvt. Ltd., has been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dholpur Commercial and Agro Products Company Pvt. Ltd.

#### Gwalior-474 001, the

No. 1201.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Dholpur Commercial and Agro Products Company Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. R. BOHRA, Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of Companies Act, 1956 and of Punjab, Rajasthan Goods Carrier Private Limited

#### Chandigarh, the 4th July 1977

No. 9/Stat/560/2535/3840.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Punjab, Rajasthan Goods Carrier (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies, Punjab, Himachal Pradesh and Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1 of 1956 AND

In the matter of Nu-Bitt Furniture Private Limited

#### Calcutta, the

No. L/21548/H-D/1640.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act I of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court Calcutta on 2-9-71 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULIK Registrar of Companies, West Bengal, Calcutta

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Vidarabha Cement Limited.

Bombay-2, the 29th June 1977

No. 17623/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Vidarbha Cement Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE, Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of Companies Act, 1956 and of Forgings and Castings Limited

#### Kanpur, the 1st July 1977

No. 5992/3871-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Forgings and Castings Limited unless cause is shown to contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN, Registrar of Companies, U.P. Kanpur.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 21st June, 1977 Order No. 33/G.O. 1977-78

No. Est. 1/Promotions/I.T.Os/(II)/77-78/2580.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers (Class II) in the scale of Rs. 650-30-749-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200, with effect from the date they take over as such by relieving the officers in whose place they have been posted and until further orders:—

Sarvashri

1. Surject Singh 2. B. P. Ojha

These promotions are being made against the vacancies caused by :—

 (i) Officer missing without intimation.
 (ii) Officer under suspension.

It is clarified that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the officer/s cancerned the promoted officers will have to revert to the post of Inspector if there is no other regular vacancy at that time. It should be noted by the Inspectors being promoted.

3. Consequent upon these promotions, the following postings and transfers are ordered with immediate effect:—

Sl. No.	Name of the Off	leer			•	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	. 2	. ——— :				 3	4	5
	Sarvashri B. Dayal	• .			,	I.T.O. Distt. III (1) & III (34) as additional Charge	I.T.O. (Judl. I).	Vice Shri J. C. Malhotra
2, 3	J. C. Malhotra .				•	I.T.O. (Jud1. I)	I.T.O. Distt. III (1) and III (34)	Vice Shri B. Dayal tran- forred.
3. ]	Bhagwant Singh			,		I.T.O. Distt. III (3)	Services placed at the disp	osal of C.I.T. (II).
	K. S. Minhas					I.T.O. Distt. III (27)	Services placed at the dis	sposal of C.I.T. (II).
	B. H. Lalwani .				_	J.T.O. (On leave)	Services placed at the dis-	posal of C.J.T. (IV).
	I. S. Sharma .		Ċ			I.T.O. Distt. VI(7) Addl.	Services placed at the dispe	osal of C.I.T. (IV).
	Surject Singh .	·	,	•	•	On promotion	I.T.O. 3rd Addl. Sal. Cir.	Vice Miss Nanki Avta- ramani, transferred.
8.	Nanki Avtaramani	(Miss)				I.T.O. 3rd Addl. Sal. Cir.	Services placed at the disp	osal of C.J.T. (IV).
9.	B. P. Ojha .		•	•	•	On promotion.	I.T.O. Private Sal. Cir. I	Posted temporarily untifurther orders. Relieving Shri M. G. Sharma of the addl. charge held in the leave arrangement of Shri D. N. Tara.

AVTAR SINGH Commissioner of Incometax, Delhi-I New Delhi

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th June 1977

Ref. No.  $391/\Lambda cq.R-III/77-78/Cal.$ —Whereas, I, KISHORE SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 68/5/D, situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-1-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kedareswar Ghosh, alias Kedar Ghosh, 68/5D, Ballygunge Place, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri 1. Brij Mohan Tibrewala, 2. Murarilal Tibrewala, 3. Banwari Lal Tibrewala, 4. agdish Prasad Tibrewala, 5. Krishan Kumar Tibrewala, 6. Prakash Chandfa Tibrewala, 7. Pramod Kumar Tibrewala and 8. Pradeep Kumar Tibrewala—all of 11/A, Syed Sally Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Four storied brick built house together with the piece or parcel of land measuring three cottahs two chittacks at premises No. 68/5/D, Ballygunge Place, Calcutta under deed No. 185 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road
(3rd floor) Calcutta-16

Date: 30-6-1977

Seal:

### FORM ITNS...

(1) Nandalal Jalan, of 10, Biplabi Rash Behari Basu Road, Calcutta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Jhabarmal Jalan and 2. his wife Smt. Sita Devi Jalan, of P-35, B. K. Pal Avenue, Calcutta. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1977

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I R. V. Lalmawia

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, P.S.
Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Sub-Registerar Alignore Sadar 24-Pes on 1-11-1976

at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Pgs. on 1-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

10-166G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Premises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta, P.S. Alipore, Apartment No. 3/C on the 3rd floor measuring 1,720-sq. ft.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-7-1977

(Transferce)

### FORM ITNS-

(1) Shri Inder Chand Jalan, S/o, Late Gajadhar Jalan, of 10, Biplabi Rash Behari Road, Calcutta. (Transferor)

(2) 1. Sri Nundalal Jalan and 2. his wife Smt. Santi

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Devi Jalan, of P-35, B. K. Pal Avenue, Calcutta. GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1977

Ref. No. Ac-11/R-II/Cal/77-78.—Whereas I. R. V. I.ALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, P.S. Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Pgs. on 1-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Premises No. 23A/17-S. Diamond Harbour Road, P.S. Alipore, Calcutta. Apartment No. 5-C, on the 5th floor measuring 1,720 Sq. ft.

> R. V. LALMAWJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-7-1977

#### FORM ITNS ....

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1977

Ref. No. Ac-12/R-II/Cal/77-78.—Whereas, 1 R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23A/17-S, situated Diamond Harbour Road, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24- Pgs. on 25-11-1976 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. J. B. Investment Trust, 10, B.R.B.B. Road, Calcutta-1. (Transferor)
- (2) Shri Mannalal Jalan of P-35, B. K. Pal Avenue, Calcutta-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4/C, in Vasant Vihar at 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta-53.

R. V. LALMAWIA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1977

Ref. No. Ac-13/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 23A/17-S. situated at Diamond Harbour Road, Calcutta
tand more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Sub-Registrar, Alipore Sadar, on 25-11-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. J. B. Investment Trust, 10, B.R.B.B. Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri Inder Chand Jalan Smt. Chandrakala Devi Jalan, P-35, B. K. Pal Avenue, Calcutta-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One flat in Vasant Vihar at 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta having a covered area of 1,660- sq. ft.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-7-1977

(1) Sudha Rani Basu, of 23/3, Gariahat Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Ram Gopal Mitra, of 698E, Block-'P', New Alipore, Calcutta-53. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1977

Ref. No. Ac-14/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. I.ALMAWIA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A/700-E, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances. Calcutta on 22-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXELANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4.01 cottahs at 23A/700E, Diamond Harbour Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-7-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 28th June 1977

Ref. No. IAc/Acq.I/1290/Mar.II(3)/76-77.—Whereas I, J. S. Gill

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 2 Block No. 127 situated at Hanuman Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 19-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kailash Kumar Dilwali s/o Shri B. K. Dilwali r/o 22, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Priya Enterprises, Sole Proprietor—Mrs. K. Alukar w/o Shri S. T. Alurkar r/o 59/27, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2½ storey Bungalow on Plot No. 10, measuring 4063.75 sq. ft. in Block No. 127, bearing Municipal No. 21, situated at Hanuman Road, New Delhi and is bounded as under:—

North—Main Road. South—Service Lane. East—Property No. 23. West—Property No. 19.

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 28-6-1977

#### FORM ITNS ---

(1) Shri Kaura Ram Chhabra s/o Shri Fateh Chand, r/o 37, East Canal Road, Dehra Dun at present Flat No. 33-D, Block and Pocket B, Janakpurl, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 28th June 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/1176/Nov.I(1)76-77.—Whereas I. J. S. GILL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-271, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 2-11-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Gunvanti T. Mirchandani w/o Late Shri T. N. Mirchandani r/o E-87, Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 271 in Block E, measuring 249 sq. yds. in the residential Colony known as Greater Kallash-II, New Delhi-48 within the limits of Delhi Municipal Corporation in the Revenue Estate of Village Bahapur in the State of Delhi and bounded as under:—

East—House No. E-269. West—House No. E-273. North—Service Lane. South—Road.

J. S. GILL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 28-6-1977

, -<sub>Lv</sub> - .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (Transferor)

(1) Shri Nirmal Krishan Uppal 3/0 Shri B. L. Uppal, r/o R-28, Moden Town, Ambala (Haryana).

(2) Smt. Shobha Arora w/o Late Shri U. S. Arora, r/o A-19, Nizamuddin East, New Delhi,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 30th une 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/1201/Dec.I(1)76-77.-Whereas 1, J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A-19, situated at Nizamuddin East, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/ oΓ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A single Storeyed Government Built Quarter, along with Lease hold rights in the land; and structure thereto bearing No. A-19, Nizamuddin East, New Delhi, and bounded as under :-

North—Service Lane. South—Road. East—Plot No. A-18, Nizamuddin East.

West-Side Road,

J. S. GILL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 30-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd July 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/1230(5)/76-77.—Whereas I, A. L. SUD,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 of C-41-A situated at Shivaji Park, Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on 15-11-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
11—1660I/77

(1) Shri Sulekh Chand Gupta, B.A.B.T. S/o Kapuria Mal r/o Village & P.O. Dhansa, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Bansal, 2. Shri Shanker Dass Bansal s/o Shri Jai Narain Bansal r/o S-21 Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

l share of a free-hold plot of land measuring 255½ sq. yds (total area 511 sq yds) bearing Plot No. C/41-4 situated at Shivaji Park, Delhi and bounded as under:—
North—Road 30ft.

North—Road 30ft, South—Plot No. C-40, East—Remaining half plot No. C-41/A. West—Plot No. C-89-A.

A. L. SUD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 2nd July 1977

Seal;

#### FORM ITNS...

 Shri Ram Singh s/o Shri Kesar Singh 2. Shri Dewan Singh s/o Shri Sant Singh r/o 346 Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri R. L. Jain, 6 Ashoka Park Extension, New Delhi-26.

> > (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd July 1977

Ref. No. 1AC/Acq. III/1238(2)/76-77.—Whereas I, A. L. SUD

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961)

(Hereinafter referred to as in the Said Act)

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-10 situated at Bhagwan Dass Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on 20-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FYPLANATIONES—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A single storyed house constructed on a free-hold plot of land bearing Plot No. 10 in Block F measuring 334 sq. yds. situated in the colony known as Bhagwan Dass Nagar, Delhi and bounded as under:—

North—Plot No. F-11. South—Plot No. F/9-A. East—Road. West—Service Lane.

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this hotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2nd July 1977

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi-110001, the 2nd July 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/Nov./557/11/76-77.—Whereas I, A. I. SUD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G.B. Qr. No. 123/124 situated at Double storcy, New Rajinder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 30-11-1976 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachhman Dass s/o Shri Tahil Ram r/o 123 Double storey, New Rajinder Nagar, New Delhi as Regd. Attorney of Shri Manohar Singh Bhalla s/o Shri Sunder Singh.

(Transferor)

(2) Shri T. A. K. Teckchandani s/o Shri A. D. Teckchandani r/o 124 Double storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Bharat Bhushan. [Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double storey Government Built Qr. No. 123-124 situated in New Rajinder Nagar, New Delhi and bounded as under:

North—Lane.
South—Road.
Fast Creat Space.

East—Open Space. West—Property No. 121/122.

A. L. SUD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-111,
Delhi/New Delhi.

Date: 2-7-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd July 1977

IAC/ΛCQ. III/1239(4)/Nov./Sr.11/76-77.--Ref. No. Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. A-12 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sadhana Thawani w/o Dr. Hiro Thawani r/o 2-A Willingdon Hospital, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmila Devi w/o Shri K. L. Khurana r/o A-559 Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A single storyed house constructed on a plot of land measuring 207½ sq. yds. bearing Plot No. A-12 situated in the colony known as Inderpuri Colony, New Delhi and bounded as under:—

North—Service Lanc.
South—Road 30 ft. wide.
East—Plot No. A-11.
West—Plot No. A-12.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 2nd July, 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD.

NEW DEIHI-1(110001)

New Delhi, the 6th July 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/565(4)/Sr.III/Nov./76-77.--Whereas 1, A. L. SUD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XIV/2613 & 2636, situated at Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 10-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 1. Smt. Tej Kaur w/o Late Shri Kirpa Ram Oberoi, r/o 4/2613 Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi. 2. Shri Manohar Lal s/o Shri Kirpa Ram r/o A-33 Fateh Nagar, Delhi. 3. Shri Surinder Parkash s/o Kirpa Ram r/o 7/33 Ansari Road, Darya Ganj Delhi self and special attorney of 4. Shri Harbans Singh Oberoi, s/o Shri Kirpa Ram. 5. Shri Charanjit s/o Late Kirpa Ram Oberoi, r/o C-23 Shakti Nagar, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Smt. Gian Kaur w/o Sardar Raja Singh 2635 Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

(3) M/s Metro Drycleaners. [Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single storyed house constructed on a plot of land measuring 122 sq. yds bearing No. XVI/2613 & 2636, lcase-hold plot No. 10 situated at Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi, and bounded as under:—

North—Road. South—Street. East—Khasra No. 252. West—Khasra No. 250.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1977

(1) Shri Brij Kishore s/o Shri Babu Ram, r/o F-472 Krishan Gali, Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Nath s/o Shri Choudhary Ram WZ-111A, Shiv Nagar, New Delhi-18.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DEIHI-1(110001)

New Delhi, the 30th June 1977

Ref. No. 1AC/Acq.III/1244(4)/76-77.—Where as I, A. L. SUD

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 17 situated at Ashok Nagar Municipal Market, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 17 situated in Ashok Nagar Municipal Market, Ashok Nagar, New Delhi with the leasehold rights of the land under the said shop and bounded as under:—

North—Open. South—Veranda and Road. East—Shop No. 18. West—Shop No. 16

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 30th June, 1977

 Smt. Raj Rani alias Viran Wali w/o Shri Pran Nath Bakshi, r/o WZ-33A Krishna Puri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Raj Rani Bindra w/o Shri Krishan Lal Bindra w/o WZ-33 Krishna Puri, Near Tilak Nagar New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

### NEW DFI HI-1(110001)

- Ref. No. IAC/Acq.IΠ/1262(7)/76-77.—Whereas I, A. L. SUD
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WB-33, Plot No. 9-A situated at Krishna Puri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A house built on plot No. 9-A measuring 166.2/3 sq. yds situated in the abadi of Krishna Puri, Delhi and bounded as under:—

North-Road.

South-House on Plot No. 18.

East—Gali 10 ft.

West-Property of the vendor bearing No. WZ-33-A on plot No. 9-B.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 2nd July, 1977

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### FORM ITNS -----

 Reddi Ramachandrarao, S/o Pattabhi, Subashnagar, Rajahmundry-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narayan Dass, S/o Moolchand, Rajahmundry (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th June 1977

Ref. No. Acq. File No. 396.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 340/2B situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 23-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per the registered document No. 3963/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry, during the fortnight ended on 30-11-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1977

(1) Shri Ramineni Ankamma, S/o Venkayya, Arundal-peta, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Arumalla Ramireddy, S/o Venkata Subbareddi, Etukur Road, Guntur.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th June 1977

Ref. No. Acq. File No. 397.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T. S. No. 552, Ward No. 3 situated at Arundalpet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 6-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12--166G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule of property as per document No. 5088/76 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended. 15-11-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 28-6-1977

 Shri Gummadi Satyanarayana, S/o Venkayya, Auto Stores, Bhimavaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th June 1977

Ref. No. Acq. File No. 398,—Whereas, I N. K. NAGA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-28-109B situated at Rest House Road, Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhimavaram on 4-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Karlmeraka Atchanua S/o Gurranna, Bhinava-

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule of property as per the document No. 2948/76 registered before the Sub-Registrar, Bhimavaram during the fortnight ended on 15-11-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 30-6-1977

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinda, the 5th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 399.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 16 situated at Haji Sahebpeta Vizianagaram (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Vizianagaram on 1-11-1976

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

I. Jayanti Satyanarayana, S/o Late Appalanarasayya,
 Jayanti Seetharamurty, S/o Satyanarayana,
 Jayanti Satya Sundararao, S/o Satyanarayana,
 Jayanti Janakiramavataram G.P.A. Holder father J. Satyanarayana,
 Satyanarayana,
 Satyanarayana,
 Puligeddavari Street,
 Kothapeta, Vizianagaram.

(Transferors)

(2) 1. Smt. Yandapalli Rajaratnam, W/o Bojjayya, 2. Sri Y. Eswararao, M/G Mother Rajaratnam Gowduveedi, Kothapeta, Vizianagaram.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3200/76 registered before the Sub-Registrar. Vizianagaram during the fortnight ended on 15-11-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 5-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinda, the 5th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 400 .-- Whereas, I N. K. NAGA-

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. Nos. 7, 13, 14 and 15 situated at Haji Sahebpeta, Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vizianagaram on 1-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Jayanti Satyanarayana S/o Late Appalanarasayya,
   Jayanti Seetharamurty S/o Satyanarayana,
   Jayanti Satya Sundararao S/o Satyanarayana,
   Jayanti Janakiramavataram G.P.A. Holder father
   Satyanarayana,
   Jayanti Suryarao G.P.A. Holder father J. Satyanarayanan Puligeddavari Street, Kothapeta, Vizianagaram. (Transferor)
- (2) 1. Yendapalli Bojjayya S/o Late Ramaswamy, 2. Smt. Y. Venkataramanamma, W/o Bojjayya Gowduveedhi, Kothapeta, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3239/76 registered before the sub-registrar, Vizianagaram during the fort-night ended on 15-11-1976.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 5-7-1977.

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th July 1977

Ref No. F. 3715/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45/3, T.S. No. 3324 situated at Ward VI. Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR J, Thanjavur (Doc. No. 2771/76) on 18-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. Narasimhan, No. 5, V. O. C. Nagar, Thanjavur, 2. Shri S. Ramarajan, No. 15/3A Thadagam Road, Coimbatore, 3. Shri M. K. Krishnasamy residing at Delhi (Power Agent of Shri S. Sampath), 4. Smt. Chitra Aramudhan No. 20, Ramachandra Rao Road, Nageswarapuram, Madras-4.
 (Transferor)

(2) Smt. K. Balamani Achi, W/o Shri Kalairajah Chettiar No. 5/495 Adakkara St., Maharnombuchavadi, Thanjavur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 45/3 Nanjikottai Road, Thanjavur (T. S. No. 3324 Ward VI Thanjavur) (Doc. No. 2771/76 JSR I Thanjavur).

S. RAIARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Date 4-7-1977 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th July 1977

Ref No. F.5341/76-77.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20/1 Ranganathan St. situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR II, Madras North (Doc. No. 4147/76) on October 1976 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sarvashri 1. S. Yogarathianam, 2. S. Rajarathinam, 3. S. Navarathinam, 4. S. Selvarathinam, S/o Shri Shanmugasundara Nadar Panicka Nadar Kudiyuruppu Tiruchendur Taluk, Tirunelveli Distt. (Now residing at No. 4 Ranganathan St., Madras-17).

  (Transferor)
- (2) Shri P. S. Rathnam, S/o Shri R. Sivasundara Nadar No. 1 East Road, West C.I.T. Nagar, Madras-35.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2½ grounds (with building) situated at Door No. 20/1( also having Door No. 1/20) in some records) situated at Ranganathan Street, Thyagarayanagar, Madras (T.S. No. 5578 of Block No. 128).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Date: 4-7-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th June 1977

Ref. No. F.5349/76-77.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 situated at Jagadambal St., T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1 Saidapet (Doc. No. 755/76) on November 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sarvashri R. Ramamurthy; R. Subramaniam; R. Jayaraman; R. Suryakumar; Smt. R. Ramathilagam; Smt. R. Padam; Smt. Kokila Nagarajan; Smt. R. Mythili and Smt. Sathyabhama No. 10 Nathamuol St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. Seethalakshmi Ammal W/o Shri V, G. Ramaswamy Iyer No. 1 Vaidya Gurukkal St. Kancheepuram 631 502.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fron the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Grounds & 204 Sq. ft. (with building) situated at No. 2 Jagadambal Street, T. Nagar, Madras-17 (Survey No. 73-1) (Doc. No. 755/76—JSR I Saidapet).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Date: 30-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th June 1977

Ref. No. F. 5369/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 9 & 10 situated at "Keith Gardens", Karpagam Avenue, Santhome, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Mylapore (Doc. No. 1202/76) on 25-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. N. Lal S/o Dr. Raghunandan Lal; 2. Smt Sarla Lal W/o Shri S. N. Lal No. 40-F, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. B. Premeswari W/o Ramalingeswarudu No. 95 Broadway, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & building situated in South Beach Road, Santhome, Madras measuring 2.52 grounds comprised in R.S. No. 4297/1 (Part) being Plot Nos. 9 & 10 of the Layout L.A. No. 136 of 1971. (Registration sub-district of Mylapore and in the Registration District of Madras) Doc. No. 1202/76 SRO Mylapore).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Date: 30-6-1977

FORM ITNS-- -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th June 1977

Ref. No. F. 5373, 76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45/4A New South West Boag Road situated at T. Nagar,

Madras-17
(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO T. Nagar (Doc. No. 1010/76) on 17-11-1976 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ver 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13-166 G1/76

 Shri V. Tharakaraman No. 16 Sannidhi St., Villiyakkam, Madras-49.

(Transferor)

(2) Shri G, Sudhakar No. 5 Appaswarny Mudali St., Madras 600001.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 1464 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 45/4-A New South West Boag Road, T. Nagar, Madras-17. (R.S. No. 151/2, T.S. No. 7425/4).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II. Madras-6

Date: 30-6-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th June 1977

Ref. No. F.5379/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 5026 situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

JSR I. Madras North (Doc. No. 4494/76) on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. N. Kittappa S/o Shri V. N. Nagalingan? Pillai No. 12 Puduppet Street, Alandur, Madras-16.

(Transferor)

(2) Shri N. Gajendran S/o Shri T. K. M. A. Nataraja Chettiar No. 219/2 T. H. Road, Madras-8!.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring I ground and 1200 Sq. Ft. (with building) situated in the sanctioned plan of plot No. 5026, Anna Nagar, Madras. (Property at Plot No. 5026, 1st Street, 'V' Block, West A. A. Nagar, Madras). (Doc. No. 4494/76 JSR I Madras North).

S.RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Date: 30-6-1977

#### FORM ITNS\_\_\_\_

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

### (1) Shri Chandrakant Fakirchandji Agrawal, Indore (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Amatchand Madanlal Agrawal, Chopda, Dist. Jalgaon.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA 411004

Poona-411004, the 2nd July 1977

Ref. No. CA5/Chopda/Oct'76/333.--Whereas, I. Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Setion 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 5, 6, 7, 8, 8A, 9, 10, 11, 12 & 13 situated at Chopda, Distt. Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chopda on October 1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1184 sq. yds, or thereabout with various structures and machinery standing on the plot—C.T.S. No. 5, 6, 7, 8, 8A, 9, 10, 11, 12, & 13 at Chopda, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the Sale Deed registered under 629 in October 1976 in the office of the Sub-Registrar, Chopda, Dist. Jalgaon).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 2-7-1977.

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITNON RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona 411004, the 6th July 1977

No. CA5 Jalgaon Oct 76/334.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,660. and bearing No.

C.T.S. No. 1982 (part) Visanji Nagar, Zillapeth situated Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regiscering Officer

at Jalgaon on 29-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not peen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely. -

- (1) (1) Shri Swatikchandra Damodar Ved
  - (2) Haribhai Damodar Ved(3) Hargovind Damodar Ved &
  - (4) Pravinchandra Damodar Ved Zillapeth, Visanji Nagar, Jalgaon.
- (2) Shri Kumandas Visanji Ved, Navi Peth, Jalgaon.
- (3) (1) Shui Tryambak Shamrao Dhobi
  (2) Shri Ramdas Fakira Shirsale
  (3) Shri Ramdas Fakira Shirsale

  - (4) Shri Ramdas Tulshiram Lohar
  - (5) Shri Ramesh Shridhar Gangapurkar
  - (6) Shri Parasmal Samrathmal Gandhi

  - (7) Shri Ramdas Ragho Patil(8) Shri Dagadu Ramchandra Kadam
  - (9) Shri Kashinath Tukaram Khadke

All at 53 to 60, Jillapeth, Visanji Nagar, Jalgaon. (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 1982 (part)-structure with land-at Visanji Nagar, Zillapeth, Jalgaon-

(Property as described in the Sale Deed registered under No. 1469 dated 29-10-76 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon).

> Smt. P. LALWANI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 6-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. AP.7/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as in the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule

situated at V. Shanker

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nakodar on Oct. 1976

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for one purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajinder Kaur d/o Shri Arjan Singh through Shri Avtar Singh Channa, G. A., s/o Shri Inder Singh, s/o Shri Natha Singh, r/o Village Shanker, Tch. Nakodar.

(Transferor)

- (2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Avtar Singh s/o Shri Inder Singh, r/o Shanker, Teh. Nakodar.

  (Transferee)
- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

17 Kanal 10 Marlas of agricultural land situated in village Shanker, Teh. Nakodar, as mentioned in the Registration deed No. 1704 dated Oct., 1976.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. AP. 6/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, J. S. RAO. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at V. Shanker

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Nakodar on Oct. 1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said ' -- the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Rajinder Kaur d/o Shri Arjan Singh through Shri Avtar Singh Channa, G. A. r/o Village Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Smt. Kartai Kaur wd/o Shri Daulat Singh, r/o Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interest in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

19 Kanal 17 Marlas of agricultural land in village Shanker, as mentioned in the Registration deed No. 1705 dated Oct., 1976.

P. N. MALIK.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-7-1977.

### FORM ITNS ---

### MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. AP. 9/77-78.—Whereas, I. P. N. MAIIK. being the Competent Authority under Section 269B of the Intoric-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule

situated at V. Shanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nakodar on Oct., 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dis local by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gian Kaur d/o Shri Arjan Singh through Shri Avtar Singh Channa, G. A. r/o Village Shanker, Tch. Nakodar.

(Transferors)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Inder Singh, r/o Village Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interest in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Fineranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

11 Karnal 3 Marlas of agricultural land situated in village Shanker, Teh. Nakodar, as mentioned in the Registration deed No. 1730 of Oct., 1976.

P. N. MALIK.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. AP. 10/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Shanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at

Nakodar on Oct 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Gian Kaur d/o Shri Arjan Singh through Shri Avtar Singh Channa, r/o Village Shanker. Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Smt. Chanan Kaur w/o Shri Avtar Singh, r/o Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interest in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 Karnal 10 Marlas situated in village Shanker, Teh. Nakodar as mentioned in Registration deed No. 1729 of Oct., 1976.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. AP. 8/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule

situated at Village Shanker

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Oct. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-166GI/77

 Smt. Rajinder Kaur d/o Shri Arjan Singh through Sri Avtar Singh Channa, G.A. r/o Village Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Inder Singh, r/o Village Shanker, Tch. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

### THE SCHEDULE

11 Kanal 3 Marlas of agricultural land situated in village Shanker, Teh. Nakodar, as mentioned in the Registration deed No. 1706 of Oct., 1976.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. AP. 11/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule

situated at Village Shanker

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Oct. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely;—

- (1) Smt. Gian Kaur d/o Shri Arjan Singh through Shri Avtar Singh Cheena, G.A. r/o Village Shanker, Teh. Nakodar.

  (Transferor)
- (2) Smt. Kartar Kaur wd/o Shri Daulat Singh, r/o village Shanker, Teh, Nakodar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Kanal 16 Marlas situated in village Shanker, Teh. Nakodar as mentioned in Registration deed No. 1728 of Oct., 1976.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-7-1977,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 5th July 1977

Ref. No. ASR/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi No. 38 situated at Majitha Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar Teh. on Nov. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

(1) Shri Charan Dass Surl s/o Shri Ram Lal Surl R/o Hall 81 Anibassant Road, Barli Bombay-18 Smt Kamla Suri w/o Shri Ram Parkash through Shri Ram Parkash R/o 81, Ambassant Road, Barli, Bombay-18.

(Transferor)

(2) Smt. Amla wd/o Dr. Shiv Kumar R/o 38, Mijitha Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant if any.

(Property in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kothi No. 38 situated at Majitha Road, Amritsar as mentioned in the registration deed No. 4124 of November 1976 of Registering Authority Amritsar Tehsil.

> S. K. GOYAL, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 5-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 5th uly 1977

No. Acq. 23-I-1247( )/16-6/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

S. No. 637, Rajkot 5/9, Panchnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot No. 2483 on 8-12-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shardaben Chhaganlal Virani, Diwanpara Chowk, Rajkot.

(Transferor)

(2) (1) Shri Harkishandas Vithaldas Parekb,
 (2) Smt. Neelandevi Harkishandas Parekh,
 Malaviya Nagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 637 (Rajkot) Paiki, situated at 5/9 Panchnath Plot, Rajkot admeasuring 250-2-99 sq. yards as described in the sale deed registered under registration No. 2483 dated 20-9-1976 by Registering Officer, Rajkot.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1977

Ref. No. 150-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 150/2 New 282 situated at Tareenpur, Sitapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 11-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajendra

(Transferor)

(2) Smt. Shyama Devi

(Transferee)

(3) Seller (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A house No. 150/2 and New 282, Tareenpur, Sitapur.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-7-1977.

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE

#### JULLUNDUR

Jullundur, the 5th July 1977

Ref. No. AP-1680.--Whereas, I, B, S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Mohalla-19, Jullundur cantt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in November, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Lila Wati Bahri wd/o Shri Har Sahai Bahri, r/o Jullundur,
  - (2) Smt. Veeran Devi w o Shri Kishori Inl Seyal, r/o Ganga Road, Juliundur,

(3) Smt. Lila Wati Gupta wd/o Shri Rattan Chand Gupta, r/o Mohalla Tad, Jullundur Cantt.,
Executor Sanatam Dharm Istri Satsang Sabha Vedhant Mandel, Jullundur Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Susheela Devi w/o Shri Rattan Lal, r/o Ganga Road, Jullundur Cantt.

(Transferce)

- (3) Smt. Sundri Devi. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 3809 of November, 1976 of the Registering Authority Jullundur.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-7-1977.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IULLUNDUR

Jullundur, the 5th July 1977

Ref. No. AP-1681/.—Whereas, I. B. S. DFHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No As per schedule situated at Sabii Mandi, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in November 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) S/Shri Kasturi Lal, Sham Lal ss/o Shri Raja
  - (2) Suman Prabha d/o Shri Raja Ram s/o Shri Ganga Ram, N. N. 310-Gopal Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Mangat Ram, Subhash Chander ss/o Shri Nihal Chand s/o Shri Uttam Chand, 216—Mohalla Krar Khan, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration sale deed No. 4140 of November, 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-7-1977,

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Jullundur, the 5th July 1977
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th July 1977

Ref. No. AP-1682/.—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule

situated at Sabii Mandi, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jullundur in December, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Shri Shankar Das s/o Shri Ram Kishan,
   H. No. N.N. 496, Mohalla Krar Khan, Jullundur.
   (Transferor)
- (2) Shri Verinder Kumar s/o Shri Hans Raj s/o Shri Fateh Chand, W.E. 126, Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration sale deed No. 4981 of December, 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-7-1977,

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th July 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/873/,—Whereas, I. R. K. BALL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops and Rooms of 'Adarsh Hotel', at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.) situated at Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 15-11-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

15-166GI/77

(1) Seth Phool Chand Chichani S/o Seth Chaturbhujji Chichani R/o Jankupura, Mandsaur.

(Transferor)

Shri Arun Kumar (Minor) S/o Shri Sajjanlalji,
 Shri Sajjanlal, Both R/o Jankupura, Mandsaur.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops and Rooms of 'Adarsh Hotel', at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.).

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th July 1977

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL 77-78 874'.—Whereas, J, R. K. BALJ,

ander Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. Shops, part of 'Adarsh Hotel', at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.)

situated at Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mandsaur on 15-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Seth Phoel Chand Chichani S/o Seth Chaturbhujji Chichani R/o Ghamkuta Gali, Jankupura, Mandsaur.

(Transferor)

 Shri Sajjanlulji S/o Shri Mannalulji, R/o Jankupura, Mandsaur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops, part of 'Adarsh Hotel' at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.).

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tas,
Acquisition Range, Bhopsi

Date: 5-7-1977.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE RHOPAL

Bhopal, the 5th July 1977

Ref. No. 1AC/ACQ/BPI /77-78 /875/,-Whereas, I, R. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shops and Rooms of "Adarsh Hotel", (Part) at Mukherii Chowk, Mandsaur (M.P.)

situated at Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 15-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the -aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, aameiv :---

(1) Seth Phool Chand Chichani S/o Seth Chaturbhujji Chichani R/o Jankupura, Mandsaur.

(Transferon)

(2) (1) Shri Sunil Kumar (Minor) S/o Sajjanlalji. (2) Shri Sajjanlalji S/o Shri Mannalalji.

(3) Shri Anil Kumar (Minor) S/o Shri Ramnarayanji. All R/o Jankupura, Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops and Rooms of 'Adarsh Hotel', at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.).

> R, K. BALL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-7-1977.

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th July 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/876.—Whereas, J. R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shops and Rooms of 'Adarsh Hotel', at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.)

situated at Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mandsaur on 15-11-1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Seth Phool Chand Chichani S/o Seth Chaturbhujji Chichani R/o Jankupura, Mandsaur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Dilip Kumar (Minor) S/o Shri Ramnarayanii.

 Shri Sajjanlalji S/o Shri Mannalalji, Both R/o Jankupura, Mandsaur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops and Rooms of 'Adarsh Hotel', at Mukherji Chowk, Mandsaur (M.P.).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-7-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 2nd July 1977

Ref. No. III-258/Acq/77-78/625.--Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 183, W. No. 1, situated at Makatpur, Giridih (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Madhurika Mitter, Sri Amiya Nath Mitra of 101G, Bl. F. New Alipur, Calcutta-53 and Sri Ashim Nath Mitter of 103 A Bl. New Alipur, Calcutta.53.

(Transferor)

(2) Bihar Mica Exporters' Association, P.O. Girldih, District Giridih. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land area about 3 bighas with one storeyed building & outhouses on part thereof known as Sarti Nivas in Makatpur, Giridhih, H. No. 183, W. No. 1 as described in deed No. I-4260 dated 3rd November 1976.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1977